हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

हरिभूमि न्यूज/रायपुर। प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने साफ कहा कि जमीन की नई गाइडलाइन के बाद काले धन का काम करने वालों को परेशानी हुई है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन हमारी सरकार कुछ लोगों के लिए काम करने वाली नहीं है। सरकार सर्व हित में फैसला लेती है। जनभावनाओं के अनुरूप फैसला लिया गया है। अलबत्ता काले धन पर चोट करने का सिलसिला प्रदेश में लगातार जारी रहेगा। काले धन के कारण ही देश और प्रदेश का विकास बाधित होता है। हमारी सरकार विकास के लिए काम करती है। ऐसे में काले धन पर चोट तो होती रहेगी। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ इस ज्वलंत मुद्दे पर बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश-

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा-सरकार सर्व हित में लेती है फैसले, काले धन पर चोट का सिलसिला जारी ही रहेगा

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

▶ आपसे जमीनों की गाइडलाइन को लेकर जानना चाहते हैं कि मामला क्या है आखिर, क्या दो कदम आगे जाकर पीछे आए हैं या दो कदम और आगे गए हैं?

▶▶ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार प्रदेश के आखिरी छोर में खड़े व्यक्ति को देखकर ही कोई भी फैसला करती है। पंजीयन और गाइडलाइन की जो प्रक्रिया है उसमें लगातार दो साल से रिफार्म किए जा हैं, ताकि आम जनता को लाभ हो सके। गाइडलाइन को लेकर कुछ आदेश पहले निकले, कुछ आज भी निकले हैं। पहले जो भी निर्णय लिए गए थे, वो आम जनों के हित में थे ताकि किसानों को सही मुआवजा मिल सके और मध्यम वर्ग को ऋण लेने में सुविधा मिल सके। आज जो आदेश किए हैं,उसमें कुछ बिंदुओं में बदलाव किया गया है। पहले यह था कि चाहे कोई आधा एकड़ ▶▶|शेष पेज 7 पर

▶ क्या चोट काले धन के खपाने पर की गई थी?

▶▶ आम जनता का हित ही हमारी सरकार का मकसद है। कहीं से भी ऐसी मंशा नहीं थी कि राजस्व में इजाफा कर लिया जाए। बाजार और गाइडलाइन के दाम में 10 से 15 गुना का अंतर हो जाए या किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं है। ऐसे कदम जब उठाए जाते हैं तो काला धन खपाने वालों को भी चोट होती ही है। इतनी ज्यादा कंडिका थी कि अगर किसी की सेटिंग हो गई तो कम दर लगा देते थे, सेटिंग न होने पर ज्यादा दर लगा देते थे। इन सबको समाप्त करने वाला फैसला हमने किया है।

▶ बड़ा खेल करने वालों की प्रतिक्रिया से साय सरकार घबरा तो नहीं गई?

▶▶ सरकार कुछ लोगों के हित के लिए काम करने वाली नहीं होती है। सरकार सर्व जन का हित देखती है।

▶ आम आदमी को नए नियम के बाद फ्लैट लेने में कितने की बचत होगी?

▶▶ पंजीयन शुल्क में जो पहले पैसे लगते थे, उसमें 20 से 30 फीसदी की बचत हो जाएगी।

▶ कोरोना काल में पंजीयन शुल्क 0.8 था उसको चार फीसदी कर दिया गया था, इसको कब कम किया जाएगा?

▶▶ कांग्रेस वालों को तो इससे कोई लेना-देना नहीं था, उनके पास तो कोयले का पैसा, शराब का पैसा, सट्टे का पैसा था जिसको खपाना था। ऐसे उदाहरण भी है कि दस दिनों के लिए गाइडलाइन रेट को कम कर दिया गया था। शीघ्र ही सरकार आम जनों के लिए उचित समय पर पंजीयन शुल्क में राहत देने का काम करेगी।

▶ आपने 31 दिसंबर तक जो सुझाव मंगाए हैं वो क्या है?

▶▶ जिन स्थानों पर किसी भी तरह की परेशानी है उसके लिए केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने 31 दिसंबर तक सुझाव मांगे हैं। अभी जो नई गाइडलाइन आई है वह लागू है, उस पर 31 दिसंबर तक कोई रोक नहीं है। जहां पर किसी भी तरह के संशोधन की जरूरत होगी, उसको आगे भी किया जाएगा, जैसे आज किया गया है। जहां पर अव्यवहारिकता वाली बात सामने आएगी उसको 31 दिसंबर के बाद ठीक कर लिया जाएगा। इसके बाद भी अगर कहीं परेशानी होगी तो उसको भी ठीक किया जाएगा। हमने एक्ट में बदलाव कर दिया है। अब अप्रैल में ही संशोधन वाली बात नहीं रह गई है। सरकार को जब लगेगा कि यहां पर संशोधन करना जरूरी है तो कभी भी संशोधन किया जा सकेगा।

▶ प्रदेश में क्या काले धन पर चोट करने वाले निर्णय आगे भी जारी रखेंगे?

▶▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे लिए प्रेरणा हैं। हमारे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उनके पथ पर चल रहे हैं। काले धन को जब तक समाप्त नहीं किया जाएगा, देश और प्रदेश का विकास नहीं होगा। इसके लिए जो भी कदम उठाने पड़ेंगे हम उठाएंगे।

साय सरकार ने जनभावनाओं के अनुरूप किया बदलाव, सीएम ने पहले ही दे दिए बदलाव के संकेत

गाइडलाइन दरों पर सरकार का बड़ा फैसला, इंक्रीमेंटल प्रणाली समाप्त

राज्य में इसी साल 20 नवंबर से लागू नई गाइडलाइन दरों के संबंध में प्राप्त सुझावों, ज्ञापनों और आपत्तियों पर विचार करने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक 7 दिसंबर को आयोजित की गई। बैठक में पंजीयन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से कई व्यापक निर्णय लिए गए,जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

बैठक में नगरीय क्षेत्रों में भूमि मूल्यांकन के लिए लागू इंक्रीमेंटल आधार पर गणना की व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय लिया गया। अब पुनः पूर्व प्रचलित स्लैब आधारित प्रणाली ही लागू रहेगी, जिसके अनुसार नगर निगम में 50 डेसिमल, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन किया जाएगा। इससे नगरीय क्षेत्रों में मूल्यांकन की जटिलता कम होगी और नागरिकों को सीधी राहत मिलेगी। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने यह भी निर्देश दिए कि हाल ही में बढ़ाई गई दरों पर प्राप्त सभी ज्ञापनों और सुझावों का परीक्षण कर जिला मूल्यांकन समितियां 31 दिसंबर 2025 तक अपने संशोधित प्रस्ताव भेजें। इन प्रस्तावों के आधार पर राज्य में आगे की गाइडलाइन दरों की संरचना तैयार की जाएगी। इस बैठक के साथ ही ▶▶|शेष पेज 7 पर

वर्गमीटर नहीं, हेक्टेयर दर पर

शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में अब 25 से 37.5 डिसमिल तक की कृषि भूमि का मूल्यांकन वर्गमीटर के बजाय हेक्टेयर दर से किया जाएगा। बरौदा (रायपुर) में 37.5 डिसमिल भूमि का मूल्य पहले 26.75 लाख रुपये था, जो अब नए प्रावधानों के अनुसार मात्र 6.30 लाख रुपये होगा। तालाब अथवा मछली टैंक वाली भूमि पर 1.5 गुना दर लगाने का प्रावधान तथा बाउंड्री वॉल और प्लिंथ लेवल के मूल्य जोड़ने की व्यवस्था भी हटा दी गई है।

मुख्यमंत्री का बड़ा बयान

जमीन की गाइडलाइन दरों पर सीएम विष्णुदेव ने कहा- कर रहे पुनर्विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जमीन की नई गाइडलाइन दरों पर जारी सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, नई दरों को लेकर विभाग स्तर पर चर्चा जारी है। उन्होंने साफ किया कि यदि जनता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा या खरीद–फरोख्त की प्रक्रिया प्रभावित हुई तो सरकार इस निर्णय पर दोबारा विचार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। छत्तीसगढ़ में जमीनों के लिए जारी की गई नई कलेक्टर गाइडलाइन दरों ▶▶|शेष पेज 7 पर

राजनीतिक हलचल तेज

नई गाइडलाइन दरों के खिलाफ कई जगहों पर खुला विरोध शुरू हो चुका है, जिससे सरकार पर दबाव भी बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही इन दरों में संशोधन या राहत संबंधी कोई बड़ा फैसला सामने आ सकता है।

आठ साल से स्थिर थीं जमीन दरें

मुख्यमंत्री के अनुसार, वर्ष 2017 के बाद से गाइडलाइन दरों में कोई संशोधन नहीं हुआ, जबकि नियमों के मुताबिक हर साल इनका अद्यतन होना जरूरी है। उन्होंने कहा, दरों में बढ़ोतरी के कई लाभ भी हैं, लेकिन वे अभी लोगों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाए हैं। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जनता को राहत देने के सभी विकल्प सरकार के स्तर पर गंभीरता से देखे जाएंगे।

कमर्शियल मुख्य मार्ग का फंडा

कमर्शियल कॉम्प्लेक्सों में मुख्य मार्ग से 20 मीटर दूरी पर स्थित संपत्तियों के लिए भूखंड की गाइडलाइन दर में 25 प्रतिशत की कमी करने का भी निर्णय लिया गया है। यह दूरी कॉम्प्लेक्स के मुख्य सड़क की ओर स्थित निर्मित हिस्से से मापी जाएगी, जिससे वास्तविक बाजार स्थिति के अनुरूप मूल्यांकन संभव होगा।

21 दरें थी, अब सिर्फ दो

नगरीय निकाय क्षेत्रों में पहले निर्मित संपत्तियों के लिए 21 प्रकार की दरें लागू थीं, जिन्हें घटाकर अब केवल दो प्रकार की दरें कर दिया गया है, जिससे मकानों का मूल्यांकन करना अब आम नागरिकों के लिए अत्यंत आसान हो गया है।

मूल्यांकन अब बिल्ट अप एरिया के आधार पर

बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान अथवा कार्यालय के अंतरण के समय अब मूल्यांकन सुपर बिल्ट-अप एरिया के बजाय बिल्ट-अप एरिया के आधार पर होगा। यह प्रावधान लंबे समय से मांग में था, जिससे वर्टिकल डेवलपमेंट को गति मिलेगी और शहरी भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। साथ ही बहुमंजिला एवं कमर्शियल कॉम्प्लेक्स ▶▶|शेष पेज 7 पर

ग्रामीण इलाकों में सुधार: ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। परिवर्तित भूमि पर सिंचित भूमि के ढाई गुना मूल्य जोड़ने का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। दो फसली भूमि पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य जोड़ने, ट्यूबवेल, कुएं, वाणिज्यिक फसलों तथा वृक्षों के मूल्य को भूमि मूल्य में जोड़ने की व्यवस्था भी हटा दी गई है। कांकेर में दर्ज एक उदाहरण में 600 वृक्षों के 78 लाख रुपए मूल्य को अब रजिस्ट्री में शामिल नहीं किया गया, जिससे खरीदार को लगभग 8.58 लाख रुपए की सीधी राहत मिली और पेड़ों की कटाई रोकने में भी यह कदम सहायक सिद्ध होगा।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

स्टेट बार काउंसिल में 30 फीसदी महिला आरक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महिला अधिवक्ताओं को लेकर बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जिन राज्य बार काउंसिलों के चुनावों की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। वहां 30% सीटों पर महिला अधिवक्ताओं का प्रतिनिधित्व होना अनिवार्य रहेगा। इस साल के लिए सुप्रीम ▶▶|शेष पेज 7 पर

महिलाओं के चुनाव लड़ने पर क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, हमें यह पक्का करना होगा कि आंध्र प्रदेश, पंजाब एंड हरियाणा, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की उन चार बार काउंसिल में जो महिला सदस्य चुनाव लड़ रही हैं या लड़ने के लिए प्रस्ताव दे रही हैं। वकील-वोटर भी यह पक्का करने की कोशिश करेंगे कि बार की महिला सदस्यों को सही रिप्रेजेंटेशन मिले।

शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर कर रहे आत्मसमर्पण

नक्सल उन्मूलन के लिए आज का दिन ऐतिहासिक : सीएम साय

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सीमा पर सक्रिय इन 12 नक्सलियों के आत्मसमर्पण को लेकर राजनांदगांव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का यह दिन नक्सल उन्मूलन के लिए ऐतिहासिक दिन है। कई दशकों से हमारा प्रदेश नक्सलवाद से ग्रसित है जो प्रदेश के विकास में बाधक ▶▶|शेष पेज 7 पर

एमसी जोन में हुआ नक्सलवाद का खात्मा : प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह समर्पण नक्सल अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। यहां मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जोन के जो हेड हैं रामधेन ▶▶|शेष पेज 7 पर

एक करोड़ के ईनामी नेता समेत 12 हार्डकोर नक्सलियों का हथियारों के साथ समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

जंगल में बढ़ते सुरक्षाबलों के दबाव और शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर राजनांदगांव जिले में मध्य प्रदेश - महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर सक्रिय 1 करोड़ के ईनामी नक्सली लीडर केंद्रीय कमेटी मेंबर रामधेर सहित 12 नक्सलियों ने आज डीजीपी अरुण देव गौतम के समक्ष हथियार सहित आत्मसमर्पण किया। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में 4 डीवीसीएम और अन्य 7 बड़े कैडर के नक्सली शामिल हैं। आत्म समर्पित लगभग सभी नक्सलियों पर कुल 2 करोड़ 95 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। तीन राज्यों की त्रिकोणी सीमा पर ▶▶|शेष पेज 7 पर

दस हथियारों के साथ समर्पण

पुलिस के समक्ष आत्म समर्पित इन नक्सलियों के द्वारा 10 हथियार भी समर्पण किया गया है। जिसमें 3 एके-47, 1 नग एसएलआर, 3 नग इंसास राइफल, 2 नग 303 राइफल और एक नग 30-कार्बन शामिल है।

संविधान की पुस्तक देकर कराया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पित नक्सलियों को संविधान की पुस्तिका और पुष्प देकर उनका आत्मसमर्पण कराया गया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली रामधेर उर्फ हेरूप नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का मेंबर था, जो एमएमसी जोन संभालता था। इस पर 1 करोड़ 5 लाख रुपए का ईनाम था। टांडा -मलाजखंड एरिया कमेटी सचिन चंदू उर्फ नरेश पर 33 लाख, अनीता उर्फ ललित पर 33 लाख, प्रेम उर्फ उमराव पर 33 लाख, जानकी उर्फ प्रेमा पर 33 लाख, राम सिंह उर्फ संपत पर 14 लाख, सुकेश उर्फ रंगा पर 14 लाख, शीला उर्फ वैसंती पर 6 लाख, लक्ष्मी उर्फ मनिता पर 6 लाख, योगिता उर्फ लक्ष्मी पर 6 लाख, सागर उर्फ रैनू पर 6 लाख और कविता पर 6 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

इस्पात नगरी पहली बार सनातन धर्म के ध्वजवाहक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन की साक्षी बनने जा रही है। 25 से 29 दिसंबर तक जयंती स्टेडियम के समीप ग्राउंड में दिव्य श्री हनुमंत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे।

पं. धीरेंद्र शास्त्री की पांच दिवसीय हनुमंत कथा भिलाई में 25 से

जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर में जुटेंगे प्रदेशभर से श्रद्धालु, आयोजन समिति व्यवस्थाओं में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

आयोजन के संदर्भ में यह जानकारी हनुमंत कथा के आयोजक एवं छत्तीसगढ़ खादी ग्राम उद्योग आयोग के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि 25 को कथा से पहले धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत सिविक सेंटर चौक से कथा स्थल तक शोभायात्रा निकाल कर किया जाएगा। जिसमें महिला,पुरुष सहित सभी आयु वर्ग के लोग शामिल होंगे।

प्रेस वार्ता में राकेश पांडेय ने बताया कि कथा के अंतर्गत 27 दिसंबर को विशेष दिव्य दरबार का आयोजन होगा। दिव्य दरबार में पंडित शास्त्री श्रद्धालुओं की पर्ची निकालकर समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। सेवा समर्पण समिति, दुर्ग द्वारा आयोजित इस कथा के लिए तैयारियां शुरु हो चुकी है। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित वीरेन्द्र प्रसाद शुक्ला के साथ अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी आयोजन के सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को लेकर कार्यरत हैं। इस आयोजन के लिए दुर्ग–भिलाई ही नहीं, बल्कि देश एवं पूरे छत्तीसगढ़ से हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।

दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए ई रिक्शा की होगी व्यवस्था

राकेश पाण्डेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सेवा समर्पण समिति द्वारा विशाल एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजन स्थल तक पहुंचने के लिए प्रवेश द्वार कर बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए रोड से कथा स्थल तक पहुंचने ई रिक्शा, अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की क्षमता वाला भव्य डोमशेड, आवागमन बाधित न हो इसके लिए वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। साथ ही पूरे आयोजन में हजारों की संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन, पेयजल और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था, सुरक्षा के इंतजाम भी किये जाएंगे।

सभी समाज ने बढ़ाया कदम

राकेश पांडेय ने कहा कि भिलाई में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आगमन पहली बार हो रहा है। जिसके लिए प्रमुख रूप से साहू समाज, यादव समाज, सिख समाज, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, चंद्राकार समाज, देवांगन समाज, पूज्य सिंधी पंचायत चैंबर ऑफ़ कॉमर्स विभिन्न व्यापारिक संगठन सहित विभिन्न सामाजिक एवं समाजसेवी संस्थाएं सक्रियता के साथ सहयोग कर रहीं हैं।

ये रहे उपस्थित

प्रेस वार्ता में सेवा समर्पण समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला, पद्मश्री उषा बारले, लोधी समाज से सुरेंद्र कौशिक, देवांगन समाज से पुरुषोत्तम देवांगन, कुर्मी समाज से चंद्रिका चंद्राकर, साहू समाज से खिलावन साहू, राजपूत समाज से सत्येंद्र सिंह, ताम्रकार समाज से नटवर ताम्रकार उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी, केंद्र की 50 प्रतिशत राशि अभी जारी नहीं

बिलासपुर। जल जीवन मिशन में अनियमितताओं को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इस मामले को लेकर कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता रमाकांत मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि मिशन के लिए केंद्र की 50 प्रतिशत राशि अभी जारी नहीं हुई है। इस पर हाई कोर्ट ने चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई तय की है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बी.डी. गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और कोई भी जवाबदेही से बचने का प्रयास स्वीकार नहीं होगा। इधर बिलासपुर जिले में जल जीवन मिशन योजना की गड़बड़ियों को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे जनहित याचिका में बदल दिया। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताए कि योजना कब शुरू हुई और इसकी अंतिम तिथि क्या है। ध्यान रहे कि पहली सुनवाई में यह तथ्य सामने आया था कि 33 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही। गड़बड़ी के कारण हजारों ग्रामीण परेशान हैं, यहां तक कि कई स्कूलों में भी पेयजल की सुविधा नहीं है। योजना के तहत राज्य और केंद्र सरकार दोनों की 50-50 प्रतिशत भागीदारी है।

कांगेर घाटी में मिली 100 से अधिक तितलियों की प्रजाति

जगदलपुर। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित तीन दिवसीय बटरफ्लाई मीट का समापन किया गया। देश के छह राज्यों राजस्थान, ओडिशा, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ से आए प्रतिभागियों ने उद्यान में दर्जनों दुर्लभ व आकर्षक तितली प्रजातियों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने रखे। कार्यक्रम में शामिल छात्रों, प्रकृतिवादियों, वन्यजीव विशेषज्ञों और नेचर लवर्स ने उद्यान के 16 चयनित ट्रेल्स में फैले अलग-अलग स्थानों पर सूक्ष्म अध्ययन किया। सर्वेक्षण के दौरान टीमों ने तितलियों के प्राकृतिक आवास, उनके भोजन स्रोत, प्रजनन व्यवहार और पर्यावरणीय परिस्थितियों से जुड़ी अहम जानकारियां एकत्रित की। सर्वेक्षण के दौरान घाटी में 100 से अधिक तितलियों की प्रजाति मिली। इस दौरान कई महत्वपूर्ण व कम दिखने वाली प्रजातियां भी रिकॉर्ड की गई।

देवकर में 9 माह में चार युवकों ने की आत्महत्या

देवकर। देवकर में एक बार फिर एक युवक की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। बीते नौ महीनों में यह चौथी आत्मघाती घटना है, जिससे स्थानीय लोगों में भय और चिंता का माहौल गहरा गया है। जानकारी के अनुसार, मंडल पारा वार्ड-11 के रहने वाले देव कुमार साहू (24) पिता शिव प्रसाद साहू रविवार देर रात अपने घर की ऊपरी मंजिल पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। देव कुमार कारपेंटर के रूप में काम करता था और रिश्तेदार की दुकान में रोज़ाना कार्यरत था। परिजनों और पड़ोसियों के अनुसार, घटना वाली रात युवक का व्यवहार बिल्कुल सामान्य था।

सुझाव, प्रस्ताव व ज्ञापन के आधार पर फैसला : वित्त मंत्री

ओपी चौधरी बोले - जमीन गाइडलाइन पर अब केवल दो प्रकार की ही दरें होंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा, राज्य में लागू नवीन गाइड लाइन दरों के संबंध में विभिन्न हितधारकों से सुझाव, ज्ञापन एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन पर विचार कर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत में निर्मित संपत्तियों के लिए अलग-अलग 21 प्रकार की दरें लागू थीं। अब केवल दो प्रकार की दरें ही लागू होंगी। ग्रामीण कृषि भूमि पर पहले तीन दर मुख्य मार्ग, सिंचित, असिंचित लगती थी। अब केवल दरें मुख्य मार्ग और सिंचित ही लागू, साथ ही असिंचित भूमि का मूल्यांकन सिंचित दर से 20 प्रतिशत कम पर होगा। अनेक दर होने के कारण आम जनों को अपने मकान के बाजार मूल्य की गणना करने में कठिनाई होती थी, अब केवल दो प्रकार की दर होने से गणना करना सरल व सहज हुआ है।

प्रदेश के वित्तमंत्री श्री चौधरी ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में संवाददाताओं से चर्चा में बताया कि नगरीय क्षेत्र में 1400 वर्ग मीटर तक भूखंडों के इंक्रीमेंटल आधार पर गणना के प्रावधान को समाप्त करते हुए पूर्व प्रचलित उपबंध अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 50 डेसिमल तक, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल तक और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन के प्रावधान को यथावत लागू किए जाने का निर्णय लिया गया।

25 प्रतिशत कमी कर मूल्यांकन

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में 20 मीटर पश्चात स्थित संपति के लिए भूखंड की दर में 25 प्रतिशत कमी कर मूल्यांकन किया जाएगा। 20 मीटर दूरी की गणना कॉम्प्लेक्स के मुख्य मार्ग की ओर से निर्मित भाग से की जाएगी। जिला मूल्यांकन समिति द्वारा गाइडलाइन दरों के पुनरीक्षण के प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जाते हैं जिनका विश्लेषण कर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड नवीन गाइडलाइन दरें जारी करता है। जिला मूल्यांकन समिति को यह निर्देशित करने का निर्णय लिया गया कि हाल ही में हुई दरों में वृद्धि के पश्चात प्राप्त ज्ञापनों, आपत्तियों एवं सुझावों का परिशीलन कर 31 दिसंबर तक गाइडलाइन दरों में पुनः पुनरीक्षण प्रस्ताव भेजें।

अतिरिक्त जोड़ने की व्यवस्था समाप्त

ट्यूबवेल, बोरवेल पर 85,000 रुपए और कुएं पर 70,000 रुपए अतिरिक्त जोड़ने की व्यवस्था समाप्त। वाणिज्यिक फसलें जैसे केला, पपीता, गन्ना जैसी फसलों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त मूल्य जोड़ने का प्रावधान हटाया गया। भूमि पर वृक्षों का मूल्य भूमि मूल्य में जोड़कर गणना करने की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त किया गया। अब भूमि के दाम पेड़ों की संख्या से प्रभावित नहीं होंगे। जिससे पेड़ काटकर मूल्यांकन कम कराने की प्रवृत्ति समाप्त हुआ और पर्यावरण संरक्षण को सीधा प्रोत्साहन मिला।

बिल्टअप एरिया पर मूल्यांकन

बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान, कार्यालय अंतरण होने पर सुपर बिल्ट अप एरिया के आधार पर बाजार मूल्य की गणना के प्रावधान को विलोपित किए जाने का निर्णय लिया गया। अब इनमें बिल्ट अप एरिया के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट एवं प्रथम तल पर 10 प्रतिशत कमी, द्वितीय तल एवं उससे ऊपर के तल पर 20 प्रतिशत कमी के साथ मूल्यांकन किया जाएगा।

भूमि का मूल्यांकन हेक्टेयर दर से होगा

शहर से लगे हुए गांवों में पहले 25-37.5 डिसमिल तक कृषि भूमि का मूल्यांकन वर्गमीटर दर से होता था, अब हेक्टेयर दर से ही मूल्यांकन होगा। लाभः ग्राम बरौदा (रायपुर) में पूर्व प्रावधान अनुसार 37.5 डिसमिल कृषि भूमि विक्रय होने पर उसका मूल्य 26.75 लाख रुपये होता जो नए प्रावधान से इसका मूल्य सिर्फ 6.30 लाख रुपये होगा। भूमि पर तालाब, मछली टैंक होने की स्थिति में भूमि दर का 1.5 गुना लेकर मूल्यांकन करने के नियम को हटाया गया। बाउंड्री वॉल पर 400 रुपए रनिंग फीट और प्लिंथ लेवल पर 300 रुपए प्रति वर्गफीट जोड़ने का प्रावधान भी पूरी तरह से समाप्त किया गया।

कृषि भूमि के लिए ये प्रावधान लागू होंगे

नगरीय क्षेत्र में पहले नजूल, आबादी एवं परिवर्तित भूमि पर पूरी तरह वर्गमीटर दर लागू थी। अब कृषि भूमि के लिए लागू प्रावधान नजूल, आबादी एवं परिवर्तित भूमि पर भी लागू होंगे। लाभः रायपुर में वार्ड क्रमांक 28 शहीद हेमू कल्याणी वार्ड में वर्ग मीटर दर रुपए 1,95,000 प्रति वर्ग मीटर एवं हेक्टेयर रेट रुपये 6 करोड़ प्रति हेक्टेयर निर्धारित है, इस क्षेत्र में 0.405 हेक्टेयर अर्थात एक एकड़ अथवा 4048 वर्ग मीटर भूमि का मूल्य पूर्व में रुपए 78 करोड़ रुपये होता अब नए उपबंध के अनुसार मूल्य रुपए 2.4 करोड़ रुपये होगा।

परिवर्तित भूमि के लिए यह व्यवस्था समाप्त

पहले ग्रामीण क्षेत्र में परिवर्तित भूमि के लिए सिंचित भूमि का ढाई गुना मूल्य लगता था, यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। बिलासपुर के सेंदरी ग्राम में रु 1.60 करोड़ रुपए प्रति एकड़ दर निर्धारित है, इस ग्राम में एक एकड़ भूमि विक्रय होने पर पहले मूल्य रुपए 4 करोड़ रुपये होता अब नए प्रावधान अनुसार रुपए 1.60 करोड़ ही होगा। दो फसली भूमि पर बाजार मूल्य पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त जोड़ने का प्रावधान हटाया गया। मोतीपुर में 1 हेक्टेयर जमीन की दर 2 करोड़ 44 लाख रुपये है, जो दो फसली होने पर वास्तविक गाडलाइन मूल्य 3 करोड़ 5 लाख होता। नए प्रावधान अनुसार बाजार मूल्य 2 करोड़ 44 लाख रुपए ही होगा।

सचिवालय में पदस्थ अफसरों के बदले प्रभार, संयुक्त और उप सचिव शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सचिवालय के अफसरों के प्रभार में बड़ा फेरबदल हुआ है। राज्य शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का एक साथ तबादला किया है। सामान्य प्रशासन विभाग से आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में कुल 38 अधिकारियों का नाम शामिल है। साथ ही कुछ अवर सचिव के भी तबादले किए गए हैं।

- मंत्रालय में पदस्थ अफसर हुए प्रभावित

जिन अधिकारियों की नवीन पदस्थापनाएं की गई हैं, उनमें राजीव अहिरे, संयुक्त सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग को अतिरिक्त प्रभार योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग को कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सूर्यकिरण तिवारी, उप सचिव को पशुधन विकास एवं मछली पालन विभाग, दुर्गेश कुमार वर्मा, उप सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, लवीना पाण्डेय उप सचिव आदिम जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग को चिकित्सा शिक्षा विभाग, कुसुम एक्का उप सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग को गृह विभाग, विजया खेस्स उप सचिव विमानन विभाग को ग्रामोद्योग विभाग में पदस्थ किया गया है।

अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किए गए अधिकारी

तबादला सूची में कई अधिकारियों को उनके मौजूदा अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है, जबकि उनका मूल प्रभार यथावत रहेगा। अरुण कुमार मरकाम, उप सचिव को ग्रामोद्योग विभाग, रामप्रसाद चौहान उप सचिव को समाज कल्याण विभाग, श्रीकांत वर्मा, उप सचिव को गृह विभाग, अंकिता गर्ग, उप सचिव को श्रम विभाग, विभोर अग्रवाल, उप सचिव को उच्च शिक्षा विभाग और अन्वेष धृतलहरे, उप सचिव को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है।

गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार संविधान के तहत जीने के अधिकार का हिस्सा : हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश भर के बदहाल मुक्तिधामों पर सभी जिलों के कलेक्टर से फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट मांगा था। यह रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी गई है। अब कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी को अपने आदेश का कंप्लायंस रिपोर्ट की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही बिलासपुर निगम कमिश्नर को शपथ पत्र में जवाब पेश करने कहा गया है। अगली सुनवाई जनवरी में रखी गई है। इधर शासन की ओर से कहा गया है कि मुक्तिधामों के रखरखाव के लिए विस्तृत दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं।

इनमें साफ-सफाई, ग्रीन फेंसिंग या कंटीले तार से बाउंड्री, शेड की मरम्मत, बिजली, पानी और पुरुष-महिला के लिए अलग शौचालय जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सोमवार को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने कहा कि गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार संविधान के तहत जीने के अधिकार का हिस्सा है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि हर मुक्तिधाम में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। दरअसल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा 29 सितंबर को बिल्हा के मुक्तिधाम पहुंचे थे। जहां उन्होंने चारों तरफ अव्यवस्था और गंदगी देखी। वे किसी न्यायिक अधिकारी के पिता के निधन पर पहुंचे थे।

मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाएं तक नहीं

ध्यान रहे कि चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा 29 सितंबर को रहंगी में एक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने मुक्तिधाम की अव्यवस्था देखकर हैरानी जताई थी। मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाएं तक नहीं थी। यहां पहुंचने कोई रास्ता भी नहीं था। पानी, बैठने के कोई इंतजाम भी नहीं दिखे। जिस पर हाईकोर्ट ने इस अव्यवस्था को जनहित याचिका मानकर राज्य सरकार, जिला प्रशासन और ग्राम पंचायत को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद रहंगी मुक्तिधाम की दशा पर बिलासपुर कलेक्टर ने शपथ पत्र दिया। इसमें बताया गया कि रहंगी मुक्तिधाम में तुरंत सुधार कार्य शुरू किया गया।

58 प्रतिशत आरक्षण, प्रभावित अभ्यर्थी पहुंचे एचसी

छत्तीसगढ़ में 58 प्रतिशत आरक्षण जारी रखने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ कुछ प्रभावित अभ्यर्थियों ने फिर से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का रुख किया है। उन्होंने न्यायालय के समक्ष अवमानना याचिका प्रस्तुत कर राज्य सरकार से इस 58 प्रतिशत आरक्षण पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। इसमें तर्क दिया गया है कि प्रदेश में इस प्रकार से दो आरक्षण रोस्टर चलने से राज्य स्तर की भर्तियों में पदों की संख्या में उन्हें सीधे हानि का सामना करना पड़ रहा है, जिससे वे असमंजस की स्थिति में हैं।

ज्ञात हो कि हाईकोर्ट ने 19 सितंबर 2022 को 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया था, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि यह मामला वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। यह भी ज्ञात तथ्य है कि राज्य सरकार को 58 प्रतिशत आरक्षण जारी रखने के लिए उच्चतम न्यायालय से किसी भी प्रकार का स्टे नहीं मिला है। अब यह अवमानना याचिका अमीन पटवारी, एडीईओ और अन्य भर्तियों में 58 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के खिलाफ दायर की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने यह माना कि राज्य में 58 प्रतिशत आरक्षण का नियम हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना है, किंतु मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण, न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद इस मामले की सुनवाई करने हेतु सहमति जताई है।

तेज रफ्तार कार सीमेंट पोल से टकराई, 2 छात्रों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

- खाना खाने ढाबा जा रहे थे ब्रेजा सवार छात्र
- तुर्काडीह चौक के आगे हुई भीषण दुर्घटना में हुए तीन घायल

बीती रात भोजन करने सेंदरी ढाबा जा रहे छात्रों की कार ब्रेजा अचानक सामने आए वाहन को बचाने के फेर में अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे उतर गई। तेज रफ्तार कार सड़क के नीचे तीन बार पलट कर सीमेंट पोल टकराई। जिससे कार में सवार दो छात्रों की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य छात्र घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है।

कोनी टीआई भावेश शेंडे ने बताया कि सक्ती साल्हे डभरा निवासी इशु रत्नाकर पिता चिंतामणी रत्नाकर 26 साल व बेमेतरा नांदघाट जैतपुरी निवासी भास्कर राजपूति पिता मनोज कुमार राजपूत 22 साल सरकण्डा खमतराई तीन पुलिया के पास किराए के मकान में रह रहे थे। इशु रत्नाकर आईटीआई में पढ़ाई कर रहा था व भास्कर राजपूत प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। रविवार की रात दोनों छात्र अपने दोस्त छात्र श्याम सिंह राजपूत, दीशु रत्नाकर, अभिषेक बघेल के साथ ब्रेजा क्रमांक ओडी 15 एम, 4400 में खाना खाने के लिए सेंदरी ढाबा जा रहे थे। रात 12.30 बजे तुर्काडीह चौक के आगे अचानक सामने एक कार आ जाने से तेज रफ्तार में ब्रेजा में सवार छात्र ने कार को बचाने के लिए फेर में अपनी गाड़ी किनारे की तो वह सड़क के नीचे उतर गई और 300 मीटर अंदर घुसकर तीन बार पलटने के बाद सीमेंट के पोल से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कार से छात्रों को बाहर निकाला गया। सिर में गंभीर चोट आने से कार में सामने बैठे छात्र इशु रत्नाकर, भास्कर राजपूत की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं तीन अन्य छात्र घायल हो गए थे, उन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। सोमवार को मृत दोनों छात्रों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। परिजन दोनों छात्रों को शव अपने अपने गृहग्राम ले गए।

दो बाइक में आमने-सामने भिड़ंत, एक की गई जान

कोनी टीआई श्री सेंडे ने बताया, रतनपुर परसदा निवासी नीरज कुमार सूर्यवंशी पिता रामस्नेही सूर्यवंशी 20 साल 7 दिसंबर को बाइक में सवार होकर शहर की ओर जा रहे थे। पौंसरा के पास सामने से आ रहे बाइक सवार ने उनकी बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में नीरज कुमार सूर्यवंशी गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गए जहां डाक्टर ने परिक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया है। सूचना पर पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

प्रशासन के हस्तेक्षप के बाद निजी जमीन में किया दफन

ईसाई बने बुजुर्ग के अंतिम संस्कार पर तनाव की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

ग्राम परसदा मे धर्मांतरित व्यक्ति के शव को दफनाने के मामले मे ग्रामीण व ईसाई मिशनरी आमने सामने आ गए। प्रशासन के पहुंचने के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। जिला मे धर्मांतरित परिवारों के परिजनों की मृत्यु पर उसे दफनाने के दौरान लगातार विवाद की स्थिति निर्मित होने लगी है। विवाद के बाद परिजन ने मृतक को निजी भूमि मे दफन किया।

गुण्डरदेही थाने के परसदा निवासी लच्छन साहू (85) ने कुछ साल पहले हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया था। मौत के बाद मसीही समाज के लोगों ने उनकी इच्छा के अनुसार, गांव के मुक्तिधाम की जगह पर दफनाने की तैयारी करते हुए गड्ढा खोदा। ग्रामीणों द्वारा उसके शव को गांव में दफन करने का विरोध किया गया। जिसके बाद वहां मौजूद हिन्दू संगठन के लोग व ईसाई सामुदाय के लोग आमने सामने आ गए। जिसकी जानकारी लगते की पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर दोनों ही पक्षों को समझाने की कोशिश की। लेकिन ग्रामीणों व हिन्दू संगठन द्वारा मृत व्यक्ति के शरीर को ग्राम के किसी भी जगह दफन करने का लगातार विरोध किया गया। ग्रामीणों व हिन्दू संगठन के विरोध के बीच ईसाई समुदाय के लोग लगातार गांव में ही मृत व्यक्ति के शरीर को दफन करने का प्रयास करते रहे। सूचना पर गुंडरदेही टीआई नवीन बोरकर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अंत मे ग्रामीणों व हिन्दू संगठन के लगातार विरोध के बाद प्रशासन द्वारा ईसाई समुदाय के लोगों को मृत व्यक्ति के शरीर को उसके निजी भूमि में दफनाने की बात कही। जिसके बाद मृत व्यक्ति के शरीर को उनकी निजी भूमि मे दफन किया गया।

पहले भी अन्य ग्रामों में ऐसी स्थिति हो चुकी है निर्मित

इसके पूर्व भी गुरुर के ग्राम सनौद, गुण्डरदेही ब्लाक के ग्राम जेंवरतला, बालोद ब्लाक के ग्राम हीरापुर व अन्य ग्रामों मे भी ऐसी ही स्थिति निर्मित हो चुकी है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

अप्रशिक्षित हाथों में थमा दी थी मेमू की कमान, 12 यात्रियों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

लालखदान में रेल हादसे की जांच करने वाले सीआरएस ने पूरी गलती रेल प्रशासन की बताई है, जिसके कारण इतना बड़ा हादसा हुआ है। सीआरएस की प्रारंभिक रिपोर्ट में अप्रशिक्षित चालक के हाथों में मेमू की कमान के कारण 12 यात्रियों की मौत का भी उल्लेख किया गया है। इसकी वजह से संबंधित विभाग के अधिकारियों पर भी कभी भी कार्रवाई की गाज गिर सकती है।

एक माह पहले चार नवंबर को कोरबा-बिलासपुर लोकल मेमू अप लाइन पर खड़ी कोयला लोड मालगाड़ी से टकरा गई थी। इसके कारण 12 यात्रियों की मौत हो गई थी और 20 से अधिक यात्री घायल हो गए थे। इस हादसे के कारण रेलवे को भी करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था। मामले की जांच करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन दक्षिण पूर्व सर्किल कोलकाता के रेल सुरक्षा आयुक्त बीके मिश्रा ने रेल हादसे की जांच की शुरु की थी। इस दौरान उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुए तीन दिन तक इलेक्ट्रिकल ओपी, इलेक्ट्रिकल, एसएंडटी, मैकेनिकल, सीएंडडब्लू सहित अन्य विभाग के अफसरों व कर्मचारियों से पूछताछ की। वहीं, 20 दिन के बाद सीआरएस श्री मिश्रा ने मामले की मुख्य अभियुक्त मेमू की असिस्टेंट लोको पायलट रश्मि राज से केन्द्रीय रेलवे हास्पिटल में जाकर घटना के संबंध में ▶▶|शेष पेज 7 पर

रेल प्रशासन की गलती से हुआ लालखदान में हादसा

जांच में दिए गए सुझाव

रेल सेफ्टी आयुक्त ने रेल प्रशासन के अलावा चालक को जिम्मेदार ठहराया है। आगामी दिनों में इस तरह की कोई घटना न हो सके, इसके लिए विशेष सुझाव भी रेल प्रशासन के अफसरों को दिया है, जिसमें ट्रेन परिचालन सुगम बनाने तथा अन्य उपकरणों द्वारा दर्ज किए गए इवेंट्स से मिलान करने के लिए सभी मानिटरिंग और रिकार्डिंग उपकरणों की घड़ियों को जीपीएस समय से स्वतः समन्वित होना चाहिए। इसमें ओएचई के लिए एससीएडीए सिस्टम, टीसीएमएस और बीबीआर यानि ब्लैक बॉक्स रिकार्डर मेमू ट्रेन में और लोकोमोटिव व मोटर कोच में ड्राइविंग मोटरों में स्पीडोमीटर शामिल हैं।

संचार प्रणाली बेहतर करने की जरूरत

- रेलवे को जांच करनी चाहिए कि क्या आरडीएसओ निर्देश के अनुसार सीसीटीवी सिस्टम का पालन रैक में किया गया था, जैसा कि ट्रेन संख्या 68733 में हैं। ऐसे सीसीटीवी सिस्टम को विश्वसनीय बनाने के लिए सुधार की आवश्यकता है।
- रेलवे को सलाह दी गई है कि वीडियो सर्विलांस सिस्टम प्रदान की जाए। मेमू में उन्नत सहायक चेतावनी प्रणाली का परीक्षण पूरा हो चुका है। यह प्रणाली एसईसीआर में लगाई जानी चाहिए ताकि लोको पायलट द्वारा सिग्नल मिस की घटना को कम किया जा सके।
- डीजल पावर कंट्रोल को सूचित न किए जाने के कारण हूटर बजने में सात मिनट की अनावश्यक देरी हुई। संचार प्रणाली की समीक्षा कर सुधार किया जाना चाहिए।
- सहायक लोको पायलट के लिए आवश्यक रक्त परीक्षण लिपिड प्रोफाइल, शुगर आदि में संशोधन के कारण कुछ कमियां आई हैं। रेलवे को इन निर्देशों की समीक्षा कर पुरानी व्यवस्था बहाल करना चाहिए।
- जीआर 3, 07 व 3.08 में डबल यलो का अर्थ है कि आगे प्रतिबंधित गति पर जाने और अगले सिग्नल पर रूकने की तैयारी, लेकिन एसईसीआर में इसके लिए विशेष निर्देश लागू नहीं है। एसपीएडी जांच समिति की सिफारिश पर रेलवे को इसे लागू करना चाहिए।

संसद में वंदे मातरम् पर बहस : पीएम ने कांग्रेस पर लगाया 'विश्वासघात' का आरोप

मोदी बोले-नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा तो शुरू कर दी वंदे मातरम् की पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में सवाल किया कि जब बापू को 'वंदे मातरम' नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?' उन्होंने कहा, वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति तेज़ होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम के ख़िलाफ़ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा, बजाय इसके कि मुस्लिम लीग के आधारहीन दावों को वो करारा जवाब देते, इसके उलट उन्होंने वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए ये बातें कही। उन्होंने 'वंदे मातरम' गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा को गौरव का पल बताया।

उन्होंने कहा कि हमने इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक सामूहिक चर्चा का रास्ता चुना है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर विशेष चर्चा के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू जी का सिंहासन डोला, तो उन्होंने वंदे मातरम के टुकड़े कर दिया। जिन्ना ने वंदे मातरम् का विरोध किया, तो उन्होंने इस पर सहमति जताई। तुष्टिकरण के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम के बंटवारे के लिए झुकी इसलिए कांग्रेस को भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा।

आपातकाल का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वंदे मातरम के 100 वर्ष हुए, तब देशभक्ति के लिए जीने-मरने वाले लोगों को जेल की सलाखों के पीछे बंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा, जिस वंदे मातरम गीत ने देश को आजादी की ऊर्जा दी थी, उसके 100 वर्ष पूरे होने पर हमारे इतिहास का एक काला कालखंड दुर्भाग्य से उजागर हो गया। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा, हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का।

खास बातें

- लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना
- प्रधानमंत्री ने किया सवाल, जब बापू को 'वंदे मातरम' नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?'

वंदे मातरम् ने आजादी के आंदोलन को ऊर्जा दी

मोदी ने कहा, जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा, वंदे मातरम की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदे मातरम के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था।

'बंकिम दा' पर जताई आपत्ति तो मोदी ने 'बंकिम बाबू' कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान इसके रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी को 'बंकिम दा' कहा तो तृणमूल कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई गई, जिसके बाद मोदी ने राष्ट्रगीत के लेखक के नाम के साथ 'बाबू' शब्द जोड़ा। जब प्रधानमंत्री रचना के समय का उल्लेख कर रहे थे तो उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी को 'बंकिम दा' कहकर पुकारा।

प्रियंका ने लगाया आरोप

बंगाल चुनाव के कारण वंदे मातरम् पर चर्चा कराई

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा सरकार पर 'वंदे मातरम्' को विवादित करने के 'महापाप' का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है।

राजनीतिक छल के बारे में सभी को जानना चाहिए

लोकसभा के सोमवार को 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'वंदे मातरम' के साथ उतना न्याय नहीं हुआ, जितना होना चाहिए था। जन-गण-मन राष्ट्रीय भावना में पूरी तरह समा गया, किंतु 'वंदे मातरम' को जान-बूझकर दबाया गया।

सूर्य घर योजना के लिए अर्जी नहीं दी

10 हजार बिजली अधिकारी-कर्मचारियों को बिल में मिल रही 50 फीसदी छूट खत्म!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

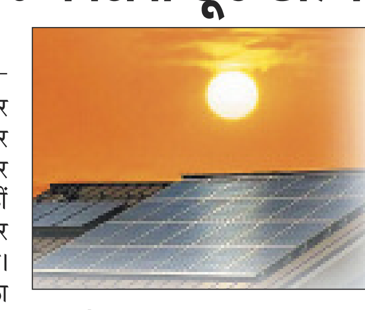

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर एक तरफ जहां आम उपभोक्ता लगातार आवेदन कर अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने का काम कर रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों में इसको लेकर कोई रुचि नहीं है। 25 नवंबर तक सभी को आवेदन करने का फरमान जारी किया गया था, लेकिन तय डेडलाइन तक 11442 नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों में से महज 1662 ने ही आवेदन किए हैं। ऐसे में आवेदन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट को बंद कर दिया गया है। अब जितनी यूनिट की खपत होगी, उतने टैरिफ का पूरा पैसा देना होगा। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर प्रदेश सरकार बहुत गंभीर है। ऐसे में इस योजना के लिए केंद्र सरकार की सब्सिडी के साथ ही राज्य सरकार ने भी अपनी सब्सिडी जारी की है। ऐसे में अब डबल सब्सिडी के कारण आम उपभोक्ता इसकी तरफ प्रभावित हो रहे हैं। आवेदनों की रफ्तार में बहुत ज्यादा इजाफा हो गया है। अब तक एक लाख से ज्यादा आवेदन हो गए हैं। इसी के साथ 16 हजार घरों में सोलर पैनल भी लग गए हैं।

खास खबर

अब देना पड़ रहा पूरा बिल

पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को तो बिजली की पूरी खपत पर छूट मिलती थी। अगर किसी अधिकारी की खपत हजार यूनिट भी होती है तो उसको पांच सौ यूनिट के ऊर्जा प्रभार के ही पैसे लगते थे। लेकिन टैक्स में कोई छूट नहीं मिलती है। पहले पांच सौ यूनिट की खपत करने पर 2610 रुपए के टैरिफ के स्थान पर 1305 रुपए ▶▶|शेष पेज 7 पर

अब पूरा बिल ले रहे

पॉवर कंपनी के जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पीएम सूर्य घर योजना में आवेदन नहीं किया है, उनकी छूट समाप्त कर दी गई है और दिसंबर का जो बिल आ रहा है, वह पूरा ले रहे हैं।
- भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

मात्र 1662 आवेदन

प्रदेश सरकार ने जब अगस्त से बिजली बिल हॉफ योजना का दायरा कम करके इसमें मिलने वाली छूट को घटाया और पूरा फोकस पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली की तरफ लगाया तो छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपने घरों में हर हाल में तीन माह में सोलर पैनल लगाने का फरमान जारी किया गया। इस फरमान का असर ज्यादा नजर नहीं आया। इसके बाद 25 नवंबर तक हर हाल में आवेदन करने का नया फरमान जारी किया गया। इसी के साथ साफ चेताया गया कि आवेदन न करने वालों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट बंद कर दी जाएगी। तय डेडलाइन तक 11442 नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों में से महज 1662 ने ही आवेदन किए हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तीन उड़ानों में बम होने की मिली धमकी

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विभिन्न शहरों से आने वाली तीन उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। हवाई अड्डे को रविवार देर रात को हीथ्रो से ब्रिटिश एयरवेज (बीए 277), फ्रैंकफर्ट से लुफ्थांसा (एलएच 752) और कन्नूर से इंडिगो के 6ई 7178 के संबंध में ईमेल प्राप्त हुए। सभी उड़ानें सुरक्षित उतारी गईं। दोनों अंतरराष्ट्रीय उड़ानें सोमवार तड़के यहां उतरीं।

भोजपुरी अभिनेता पवन को धमकी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य होने का दावा करने वाले अज्ञात लोगों से कथित तौर पर धमकी मिली है। इन लोगों ने उन्हें अभिनेता सलमान खान के साथ मंच साझा करने के खिलाफ चेतावनी दी, जिसके बाद इस संबंध में मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस को एक इस संबंध में एक आवेदन मिला है।

इंडिगो संकट : सातवें दिन 1,650 उड़ानों का संचालन

छह हवाई अड्डों से 650 उड़ानें रद्द मंत्री बोले- लेंगे सख्त एक्शन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली घरेलू विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों पर 650 उड़ानें रद्द कर दीं। पिछले मंगलवार से नियामक बदलावों के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द होने के बाद लाखों यात्री प्रभावित हुए। एयरलाइन परिचालन सामान्य करने के लिए संघर्ष कर रही है।

इधर, राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए उदाहरण पेश किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि 'इंडिगो' ने सोमवार को महानगरों के छह हवाई अड्डों से अपनी 2,300 दैनिक उड़ानों में से 560 उड़ानें पहले ही रद्द कर दीं। एयरलाइन लगभग 90 घरेलू हवाई अड्डों और 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लिए उड़ानों का संचालन करती है।

यात्रियों को लौटाए गए 4,500 बैग

इधर, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन ने यात्रियों के कुल 9,000 बैग में 4,500 बैग उन्हें वापस कर दिए हैं। बाकी बैग भी अगले 36 घंटों में यात्रियों को सौंप दिए जाएंगे। सोमवार को इंडिगो 138 में 137 गंतव्यों के लिए 1,802 उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है। उसकी 500 उड़ानें रद्द हुई हैं। साथ ही 9,000 बैग में 4,500 बैग ग्राहकों को सौंप दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इंकार

उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं।

संसद में उठा मामला

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए नायडू ने इंडिगो एयरलाइंस को उसके दिन-प्रतिदिन के संचालन के दौरान चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा, हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं।

इधर, एयर इंडिया लौटाएगी अधिक किराया राशि

एयर इंडिया ने कहा, यात्रियों से ज्यादा वसूला गया किराया लौटाएगी। एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इकॉनमी क्लास के बेस किराए की लिमिट तय करने के संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के 6 दिसंबर की शाम को जारी निर्देश का पालन करते हुए एयर इंडिया ग्रुप ने अपने रिजर्वेशन सिस्टम में नए तय किराए को तुरंत लागू करना शुरू कर दिया है। इसमें आगे कहा गया, 'एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने सभी सिस्टम में इसे लागू कर दिया है, जबकि एयर इंडिया धीरे-धीरे किराए की लिमिट लागू कर रहा है, जो अगले कुछ घंटों में पूरी तरह से लागू हो जाएगी। क्योंकि इस प्रोसेस में थर्ड-पार्टी सिस्टम पर निर्भरता शामिल है, इसलिए गेस्ट बुकिंग में रुकावट डाले बिना सटीकता सुनिश्चित करने के लिए इसे धीरे-धीरे लागू करना जरूरी है।'

सड़क निर्माण कार्य से नाराज थे माओवादी, ठेकेदार को मार डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर जिले में नक्सलियों ने ठेकेदार इम्तियाज की हत्या कर दी। वह पामेड़ थाना क्षेत्र के ग्राम मेटागुड़म में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य करा रहा था। नक्सली ठेकेदार इम्तियाज अली और उसके सहयोगी को रविवार देर शाम करीब 5 बजे अपहरण ▶▶|शेष पेज 7 पर

साथी ने पहुंचकर दी जानकारी

ठेकेदार के साथी ने कैंप में पहुंचकर बंधक बनाए जाने की जानकारी दी। ठेकेदार को बंधक बनाने का उद्देश्य नक्सलियों द्वारा विकास कार्यों और सुरक्षाबलों की आवाजाही को बाधित करना है। पुलिस और सुरक्षा बल लगातार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ऐसे मामलों को रोकने के लिए रणनीतिक कदम उठा रही हैं।
-जितेंद्र कुमार यादव
एसपी, बीजापुर

चैतन्य बघेल की याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

- ईडी की गिरफ्तारी को दी गई है चुनौती, 18 जुलाई से जेल में हैं बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की याचिका पर हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय और चैतन्य बघेल की ओर से कई दिनों तक चली दलीलों के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब इस मामले में हाईकोर्ट कभी भी आदेश जारी कर सकता है। शराब घोटाला केस में ▶▶|शेष पेज 7 पर

अपराध सिर्फ यही कि पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे

याचिका में चैतन्य बघेल की ओर से कहा गया है कि पप्पू बंसल के बयान को आधार मानते हुए चैतन्य ▶▶|शेष पेज 7 पर

1500 करोड़ की ठगी नेटवर्क में फंसे अभिनेता सोनू और खली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कानपुर

कानपुर के 1,500 करोड़ रुपए के बड़े धोखाधड़ी मामले में मास्टरमाइंड रवींद्रनाथ सोनी के फर्जी नेटवर्क का प्रचार करने के आरोप में अभिनेता सोनू सूद और पहलवान द ग्रेट खली का नाम सामने आया है। कानपुर पुलिस ने कानूनी नोटिस भेजा है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अनुसार, 700 से अधिक लोग इस ठगी के शिकार हुए हैं। दिल्ली के मालवीय नगर निवासी रवींद्रनाथ सोनी ने लगभग सात साल तक धोखाधड़ी का जाल फैलाया।

मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

इस बड़े घोटाले के बढ़ते दायरे को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने विशेष जांच दल के गठन का आदेश दिया। एडीशनल डीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा एसआईटी का नेतृत्व करेंगी और इसमें छह सदस्य होंगे।

मस्क की कंपनी स्टारलिंक की नई सेवा, हर महीने देने होंगे 8600 रुपए

इंतजार खत्म, देश में अब सैटेलाइट इंटरनेट!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी रेजिडेंशियल सैटेलाइट इंटरनेट सेवा की आधिकारिक कीमतें घोषित कर दी हैं। कंपनी की भारतीय वेबसाइट पर अपडेट के अनुसार, मासिक शुल्क 8,600 रुपए होगा, जबकि हार्डवेयर किट (डिश + राउटर) के लिए एकमुश्त 34,000 रुपए देने होंगे। खरीदने के बाद आप इसे खुद से भी सेटअप कर सकते हैं। कंपनी के मुताबिक सेटअप करने के बाद आपका इंटरनेट काम करना शुरू कर देगा। हालांकि कंपनी 30 दिन का ट्रायल भी दे रही है। स्टारलिंक का दावा है कि ये सर्विस 99.9% अपटाइम के साथ आती है और इंटरनेट डिसरप्शन का सवाल ही नहीं है। इतना ही नही कंपनी ने स्टेब्लिटी का भी बड़ा दावा किया है।

क्या है खास

- असीमित हाई-स्पीड डेटा
- 30 दिन का फ्री ट्रायल
- 99.9% अपटाइम गारंटी
- बारिश-तूफान में भी स्थिर कनेक्टिविटी

दूरदराज इलाकों के लिए फायदेमंद

1 दिसंबर को जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के पॉडकास्ट में एलन मस्क ने कहा था, भारत में स्टारलिंक उन लाखों लोगों तक इंटरनेट पहुंचाएगा, जहां आज भी फाइबर या मोबाइल नेटवर्क नहीं है। दूरदराज के गांवों, पहाड़ी इलाकों और समुद्री क्षेत्रों के लिए यह सेवा गेम-चेंजर मानी जा रही है, भले ही शुरुआती कीमत प्रीमियम हो।

इन शहरों में बन रहे अर्थ स्टेशन

चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और नोएडा में गेटवे अर्थ स्टेशन बन रहे हैं। बेंगलुरु ऑफिस के लिए भुगतान, लेखा और टैक्स विशेषज्ञों की भर्ती शुरू हो गई है। इस साल की शुरुआत में डॉट से 5 साल का कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड लाइसेंस मिल चुका है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले हफ्तों में कंपनी वाणिज्यिक लॉन्च की तारीख और शहर-विशिष्ट प्लान की पूरी जानकारी देगी।

इंडिगो के पूर्व कर्मचारी का लेटर वायरल खोली पोल

परेशानी बताने वाले पायलटों को धमकाया गया, अपमानित किया

हालिया संकट की वजह कंपनी बताती रही है एफडीटीएल रूल्स को

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिगो का संकट खत्म नहीं हो पा रहा है। देशभर के हवाई अड्डों पर इंडिगो फ्लाइट्स पूरी तकह से सामान्य नहीं हो पाई हैं और इनमें देर, रिशेड्यूलिंग और कैंसिलेशन की समस्या जारी है। सोमवार को भी इंडिगो एयरलाइन ने बड़ी संख्या में उड़ानों को रद्द किया, और अपने यात्रियों को अलर्ट करते हुए इंडिगो की ओर से कहा गया कि उड़ानों में अभी भी रुकावट का सामना करना पड़ सकता है। अब सवाल ये कि क्या एयरलाइन में ये संकट अचानक आया है, तो इसका जवाब कथित तौर पर इसके एक पूर्व कर्मचारी की चिठ्ठी देती है, जो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें कारण बताते हुए लिखा गया है कि ये सब रातोरात नहीं हुआ है।

कुछ और है असल कहानी

इंडिगो एयरलाइंस में संकट के बीच कंपनी की ओर से बीते कुछ दिनों में प्रभावित हुए यात्रियों को रिफंड जारी करने की प्रक्रिया जारी है और अधिकारियों के अनुसार करीब 610 करोड़ रुपये रिफंड किए जा चुके हैं। एयरलाइन इस संकट के लिए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशंस (एफडीटीएल) रूल्स को कारण बता रही है। लेकिन सोशल मीडिया पर इंडिगो के एक पूर्व कर्मचारी द्वारा शेयर किया गया लेटर कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है और एयरलाइन में व्याप्त समस्याओं की पूरी पोल खोल रहा है।

ग्राउंड स्टॉफ से तीन लोगों का काम

इंडिगो एयरलाइन के पूर्व कर्मचारी ने अपने ओपन लेटर में बड़ा आरोप लगाते हुए लिखा, 'पायलटों, इंजीनियरों और ग्राउंड स्टाफ समेत अन्य कर्मचारियों को कथित तौर पर बढ़ते नेतृत्व को सही ठहराने के लिए दबाया गया। असुरक्षित ड्यूटी टाइमिंग, थकान और ऑपरेशनल दबावों के बारे में चिंता जताने वाले पायलटों पर गुस्सा दिखाया गया, धमकाया गया या अपमानित किया गया।' पत्र में लिखा गया कि इन सबकी कोई जवाबदेही नहीं, सिर्फ डर रहा है। उन्होंने बताया कि हालात यहां तक बन गए कि 16,000 या 18,000 रुपये प्रति माह कमाने वाले ग्राउंड स्टाफ पर सबसे ज्यादा दबाव था, उन्हें विमानों के बीच तेजी से दौड़ना पड़ता था, कई कार्यों को एक साथ करना पड़ता था या कहें कि तीन लोगों के बराबर काम करना होता था।

2006 के दिनों को भी किया याद

खुद को इंडिगो का पूर्व कर्मचारी बताने वाले इस शख्स ने अपने वायरल लेटर में 2006 में एयरलाइन के शुरुआती दिनों को याद करते हुए लिखा, उस समय टीमों को अपनी बनाई हुई चीजों पर गर्व था, लेकिन वह गर्व अहंकार में बदल गया और ग्रोथ लालच में बदल गई। एयरलाइन के शीर्ष प्रबंधन को संबोधित करते हुए लिखे गए इस पत्र में इंडिगो एयरलाइंस में वर्षों से चल रहे आंतरिक पतन, अनियंत्रित अहंकार और कर्मचारी संकट को उजागर किया गया है।

'रातोरात नहीं हुआ, वर्षों से चल रहा'

लेटर में इस पूर्व कर्मचारी ने लिखा कि ये संकट रातोरात पैदा नहीं हुआ है, बल्कि ये तो वर्षों से चली आ रही अनदेखी का नतीजा है। बिगड़ती कार्य स्थितियों और डर की संस्कृति के कारण ऐसा हुआ है। एक बड़ा आरोप लगाते हुए शख्स ने इसमें लिखा कि एयरलाइन में ऐसे लोग जो ठीक से एक ईमेल भी नहीं लिख सकते थे, हाई लेवल पोस्ट तक पहुंचने लगे, क्योंकि ऐसे पदों ने ईएसओपी और प्रभाव को ओपन कर दिया।

इंडिगो की नहीं आई कोई प्रतिक्रिया

लेटर में तर्क दिया गया है कि आज उड़ान में व्यवधान, देरी और कर्मचारियों की कमी का जो संकट देख रहे हैं, वह सालों के जारी तनाव का अंतिम परिणाम मात्र है। लेखक ने अपने पत्र के अंत में लिखा है, 'हम बरसों से टूटे हुए हैं, हमने व्यवस्था को टूटते देखा, नेतृत्व यूरोप से आता-जाता रहा और हम एक घंटे और आराम की दुआ करते रहे.' हालांकि, इस वायरल लेटर को लेकर अभी तक इंडिगो एयरलाइन की ओर से कोई प्रतिक्रिया शेयर नहीं की गई है।

खबर संक्षेप

उच्च शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की

अध्यक्षता वाली संसद की सर्वदलीय शिक्षा संबंधी स्थायी समिति ने उच्च शिक्षा विभाग की स्वायत्त संस्थाओं पर अपनी 371वीं रिपोर्ट संसद में पेश कर दी है। समिति के सदस्य जयराम रमेश ने रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं को सार्वजनिक करते हुए कहा कि इसमें उच्च शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

असम का इतिहास-भूगोल पढ़ना हुआ अनिवार्य

गुवाहटी। असम कैबिनेट ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े एक अहम फैसले

को मंजूरी देते हुए कक्षा 6, 7 और 8 के छात्रों के लिए असम का इतिहास और भूगोल अनिवार्य विषय बनाने का निर्णय लिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों पर लिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों को अपने राज्य के इतिहास और भौगोलिक पहचान की बेहतर समझ देना है।

आस्ट्रेलिया : भारतवंशी हत्या का दोषी करार

केनबरा। आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के सुप्रीम कोर्ट की ज्यूरी ने सोमवार को 41 साल के भारतीय मूल के राजविंदर सिंह को हत्या का दोषी पाया है। कोर्ट के मुताबिक, राजविंदर सिंह ने 24 साल की टोया कॉर्डिंग्ले की बेरहमी से हत्या कर दी थी। 2018 में वांगेटी बीच पर टोया अपने कुत्ते के साथ टहलने गई थीं। वहां उनकी हत्या कर दी गई और लाश को रेत के टीले में आधा दफन कर दिया गया था। टोया पर 26 बार चाकू से वार किए गए थे। ट्रायल के दौरान कोई स्पष्ट मोटिव स्थापित नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि सिंह और टोया के बीच कोई संबंध या संपर्क का सबूत नहीं मिला, इसलिए यह एक अचानक या किसी विवाद के बाद हुआ हमला लगता है।

सरकार का तर्क- देशभर के सभी बंदियों को देनी पड़ेगी समान सुविधा

वांगचुक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की मांग, केंद्र ने जताई आपत्ति, दिसंबर तक टला मामला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश होने की मांग पर केंद्र सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है। वांगचुक फिलहाल जोधपुर जेल में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत बंद हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 15 दिसंबर तक स्थगित कर दी। जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक की पत्नी गीतेजलि जे आंगमो ने याचिका दायर कर कहा है कि उनकी गिरफ्तारी पूरी तरह अवैध और मनमानी है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि वांगचुक जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर जुड़े रहना चाहते हैं। लेकिन केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ऐसा करने से देशभर के सभी बंदियों को समान सुविधा देनी पड़ेगी, इसलिए यह अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

26 सितंबर को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत हुई है गिरफ्तारी

सरकार और अदालत की कार्रवाई

अदालत ने केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब दाखिल करने के लिए पहले भी समय दिया था। 24 नवंबर को भी केंद्र ने अतिरिक्त समय मांगा था, जिसके बाद सुनवाई टल गई थी। 29 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने आंगमो की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। अब कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी।

हिंसा के बाद एनएसए में गिरफ्तारी

सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में हिंसा भड़क गई थी। इन झड़पों में चार लोगों की मौत हुई थी और 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने माहौल भड़काया, जबकि परिवार का दावा है कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

पत्नी आंगमो के आरोप

आंगमो की याचिका में कहा गया है कि गिरफ्तारी पुराने एफआईआर, अस्पष्ट आरोपों और बिना किसी ठोस प्रमाण के आधार पर की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह गिरफ्तारी संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है और सत्ता का दुरुपयोग है। आंगमो ने कहा कि वांगचुक पिछले तीन दशक से शिक्षा, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति पर अचानक देशविरोधी गतिविधियों का आरोप लगाना पूरी तरह अविश्वसनीय है।

हिंसा से दूरी और वांगचुक की प्रतिक्रिया

आंगमो ने अदालत को बताया कि 24 सितंबर की हिंसा को वांगचुक ने सोशल मीडिया पर खुलकर निंदा की थी और कहा था कि हिंसा से लद्दाख की पांच साल की 'तपस्या' खत्म हो जाएगी। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे दुखद दिन बताया था। एनएसए के तहत केंद्र और राज्य सरकारें किसी भी व्यक्ति को 12 महीने तक हिरासत में रख सकती हैं, हालांकि आदेश पहले भी वापस लिया जा सकता है।

'पायजामा का नाड़ा तोड़ना रेप नहीं' हाईकोर्ट पर भड़के सीजेआई

यौन अपराधों की गंभीरता को 'तकनीकी आधार' पर खारिज करने वाली अदालती टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त रुख अख्तियार कर लिया और यौन अपराधों से जुड़े मामलों में अदालतों द्वारा की जाने वाली टिप्पणियों और फैसले लिखने के तरीके पर एक ऐतिहासिक और कड़ा रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर, जिसमें कहा गया था कि 'पायजामा का नाड़ा तोड़ना और स्तनों को पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है,' सीजेआई सूर्य कांत ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अदालतों को, विशेषकर उच्च न्यायालयों को, फैसले लिखते समय और सुनवाई के दौरान ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों से हर हाल में बचना चाहिए। शीर्ष अदालत ने न केवल उस फैसले को खारिज किया, बल्कि यह भी संकेत दिया कि वह अब देश भर की अदालतों के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करेगी ताकि भविष्य में किसी भी पीड़ित की गरिमा को न्यायिक आदेशों में ठेस न पहुंचे। कोर्ट ने माना कि जिस तरह से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी के कृत्यों को तकनीकी आधार पर 'कम गंभीर' बताया, वह न्यायिक औचित्य के खिलाफ है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, हम व्यापक दिशानिर्देश जारी करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न्यायिक प्रक्रिया में कुछ हद तक संवेदनशीलता बनी रहे। अदालतों को, और खास तौर पर हाईकोर्ट्स को ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों से बचना चाहिए जो समाज में गलत संदेश देती हों और पीड़ित के दर्द को कम करके आंकती हों।

यह था विवादित फैसला

इस पूरे विवाद की जड़ इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला था, जिसने कानूनी जगत और समाज दोनों को हैरान कर दिया था। एक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376/511 के तहत लगे आरोपों को हटा दिया था। हाईकोर्ट ने अपने तर्क में कहा था कि यद्यपि आरोपी ने पीड़िता के स्तनों को पकड़ा और उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ा, लेकिन उसने शारीरिक संबंध बनाने का कोई और प्रयास नहीं किया।'

बांग्लादेश में रुक नहीं रहे हिंदुओं पर हमले

हिंदू पुलिस अफसर के माता-पिता की हत्या

एजेंसी ▶▶| ढाका

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार की खबरें रुक नहीं रही हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम (आजादी की लड़ाई) के एक स्वतंत्रता सेनानी और उनकी पत्नी का शव बांग्लादेश के रंगपुर में उनके घर से बरामद हुआ है। दोनों की हत्या उनका गला रेतकर की गई थी। मृतकों की पहचान 75 साल के जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी शुभर्णा रॉय के रूप में हुई। रविवार सुबह पड़ोसियों के बार-बार दरवाजा खटखटाने से भी कोई जवाब नहीं मिला तो वे सीढ़ी लगाकर अंदर पहुंचे. रसोई में शुभर्णा रॉय और डाइनिंग रूम में जोगेश चंद्र रॉय का शव मिला. दोनों के गले कटे हुए थे। दंपति के दो बेटे हैं जो बांग्लादेश पुलिस में कार्यरत हैं। जोगेश चंद्र रॉय 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा थे और बाद में सरकारी प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर रहे >> 2017 में वो रिटायर हुए थे। दंपति अपने गांव के घर में अकेले रहता था। उनके दोनों बेटे शोभेन चंद्र रॉय और राजेश खन्ना चंद्र रॉय बांग्लादेश पुलिस में विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, एक जॉयपुरहाट में और दूसरा ढाका में।

युनूस सरकार नाकाम

बुजुर्ग दंपति की हत्याएं ऐसे समय में हुई हैं जब मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस को बेरहमी से निशाना बनाया गया था। छात्र आंदोलन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़ा था।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

कंपनी की दो संपत्तियां सील मालिकों की धरपकड़ तेज

एजेंसी ▶▶| पणजी

गोवा में एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने 'रोमियो लेन' कंपनी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। गोवा में इस आतिथ्य कंपनी की दो अन्य संपत्तियों को भी सील कर दिया गया है। गोवा पुलिस ने क्लब के मालिकों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। आरोप है कि बिना जरूरी दस्तावेजों और लाइसेंस के क्लब चलाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि संपत्ति के प्रवर्तकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा की धरपकड़ के लिए राज्य पुलिस की एक टीम रविवार को दिल्ली रवाना हुई। दोनों के खिलाफ प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। इधर, सोमवार को मामले में पांचवी गिरफ्तारी की गई। दिल्ली से क्लब के ऑपरेशन मैनेजर भरत सिंह को गिरफ्तार किया गया।

25 लोगों की हुई थी मौत

उत्तरी गोवा के अरपोरा स्थित नाइट क्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में शनिवार देर रात करीब 12 बजे लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 20 क्लब के कर्मचारी और पांच पर्यटक थे। गोवा की अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तरी गोवा जिला प्रशासन ने 'रोमियो लेन' श्रृंखला के वागातोर स्थित एक बीच कैफे और आसगांव स्थित एक अन्य क्लब को भी सील कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों संपत्तियां विवादों में थीं इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बाबरी मस्जिद बनाने का अधिकार है : जदयू सांसद

नालंदा। जदयू सांसद कौशलेंद्र कुमार ने प.बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की नींव रखने वाले टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर का बचाव किया। नालंदा संसदीय क्षेत्र में पत्रकारों से बात करते हुए जदयू नेता ने कहा, 'संविधान सभी नागरिकों को अपने धर्म का पालन और प्रचार करने का अधिकार देता है। अगर मस्जिद बनाना मुस्लिम भावनाओं के अनुरूप है, तो किसी को भी इससे समस्या नहीं होनी चाहिए। मुसलमानों को बाबरी मस्जिद बनाने का अधिकार है। केंद्र और बिहार में बीजेपी की सहयोगी पार्टी के नेता कौशलेंद्र कुमार ने बीजेपी के उस रुख से खुद को अलग बताया जिसमें कहा गया है कि बाबर की याद में मस्जिद बनाना एक 'आक्रमणकारी' का सम्मान करना है।

दो माह भी नहीं टिका ट्रंप का सीजफायर

थाईलैंड ने की कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक, एफ-16 जेट से भीषण हमला

कंबोडिया में बॉर्डर के परिवार राहत शिविर में स्थानांतरित।

एजेंसी ▶▶| बैंकाक

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच फिर युद्ध भड़क गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए सीजफायर के बावजूद थाईलैंड ने एक बार फिर से कंबोडिया की सीमा पर एयर स्ट्राइक किया है। थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विंथाई सुवारी ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ अपनी विवादित सीमा पर हवाई हमले किए हैं। इससे पहले दोनों देशों ने एक दूसरे पर सीजफायर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कम्बोडिया बॉर्डर पर एफ-16 को तैनात कर दिया है और कंबोडिया के बॉर्डर पर हमला कर रही है। बता दें, जुलाई में भी दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा था, तब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सीजफायर समझौता करवाया था। लेकिन यह सीजफायर दो महीने भी नहीं चला।

एक थाई सैनिक मारा गया और चार घायल हो गए

प्रीह विहार हिंदू मंदिर पर हमला

कंबोडिया की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल मैली सोचियाटा ने कहा कि हमले 8 दिसंबर को सुबह करीब 5:04 बजे आन सेस इलाके में शुरू हुए, जहां कथित तौर पर थाई सैनिकों ने कंबोडियाई ठिकानों पर गोलीबारी की। बयान के अनुसार, थाई सेना ने बाद में टैमोन थोम मंदिर, प्रीह विहार (हिंदू) मंदिर के पास 5 मकारा इलाके और चोमका चेक की ओर टैंक के गोले दागे।

आज तड़के गोलीबारी, फायरिंग और एयर स्ट्राइक

थाईलैंड की सेना का दावा है कि कंबोडिया ने भारी हथियार सीमा पर पहुंचा दिए थे। और लड़ाकू यूनिट्स को बॉर्डर पर तैनात कर दिया था। इन घटनाक्रमों के कारण हवाई ताकत का इस्तेमाल किया गया ताकि कंबोडिया की सैन्य क्षमताओं को रोका जा सके।

कंबोडिया का दावा : वहीं कंबोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को थाई सैन्य बलों पर प्रेह विहार प्रांत में सीमा पर कंबोडियाई सैनिकों पर 'क्रूर और अमानवीय' हमलों की एक सीरीज शुरू करने का आरोप लगाया। कम्बोडिया ने इस घटना को सिर्फ छह हफ्ते पहले साइन किए गए द्विपक्षीय शांति समझौते का गंभीर उल्लंघन बताया।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे पर आ गया ड्रैगन का बयान

'भारत-चीन, रूस तीनों देश ग्लोबल साउथ की बड़ी आवाज'

चीनी विदेश मंत्रालय जारी किया बयान, पुतिन के दौरे को बताया सकारात्मक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर चीन ने पहली बार आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए इसे सकारात्मक बताया है। बीजिंग ने कहा कि भारत चीन रूस तीनों देश ग्लोबल साउथ की बड़ी आवाज हैं और इनके बीच मजबूत रिश्ता न सिर्फ इनके अपने हित में है बल्कि एशिया और पूरी दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए भी जरूरी है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि तीनों देश उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं और इनके बीच भरोसा और स्थिरता वैश्विक स्तर पर सकारात्मक असर

डालते हैं। उन्होंने कहा कि चीन भारत और रूस दोनों के साथ मिलकर रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। यह बयान ऐसे समय पर आया है जब चीन रूस के साथ लगातार मजबूत साझेदारी बना रहा है और पुतिन की दिल्ली यात्रा को यहां बहुत ध्यान से देखा गया।

पुतिन का बयान भी दिखाया

चीनी मीडिया ने पुतिन के भारत चीन संबंधों पर दिए गए बयान को भी प्रमुखता से दिखाया है। खासकर वह हिस्सा जिसमें पुतिन ने कहा था कि रूस को भारत और चीन के बीच किसी भी मुद्दे में दखल देने का हक नहीं है और दोनों देश अपने मतभेद खुद संभालने में सक्षम हैं। पुतिन की यात्रा के दौरान भारत और रूस ने कई आर्थिक और रणनीतिक समझौते किए और 2030 तक व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा। चीन ने कहा कि वह इन विकासों को क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक मजबूती की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानता है।

लंबे समय के नजरिए से रिश्तों को बेहतर बनाना लक्ष्य

पुतिन ने भी अपनी यात्रा से पहले दिए इंटरव्यू में कहा था कि भारत और चीन दोनों रूस के करीबी दोस्त हैं और मॉस्को इन रिश्तों को बहुत महत्व देता है। भारत चीन रिश्ते पिछले कुछ समय से पूर्वी लद्दाख विवाद के कारण संवेदनशील रहे हैं, लेकिन चीन का कहना है कि अब वह लंबे समय के नजरिए से रिश्तों को बेहतर बनाना चाहता है। प्रवक्ता गुओ ने कहा कि चीन भारत के साथ स्थिर और मजबूत संबंध बनाने के लिए तैयार है ताकि दोनों देशों को और उनके लोगों को फायदा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि तीनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग से एशिया और दुनिया की स्थिरता में सकारात्मक योगदान होगा।

तन्वी द ग्रेट के लिए मिला बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड

मुंबई। अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने अनुपम खेर की निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इसी फिल्म के लिए उन्हें ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह कार्यक्रम 6 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। 'तन्वी द ग्रेट' के लिए शुभांगी दत्त को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस फेस्टिवल में 'तन्वी द ग्रेट' को बेस्ट स्क्रीनप्ले का अवॉर्ड भी मिला। स्क्रीनप्ले अनुपम खेर, अभिषेक दीक्षित और अंकुर सुमन ने मिलकर लिखा था। शुभांगी ने खुशी जताते हुए कहा, 'यह अवॉर्ड जीतना बहुत खास और अजीब सा लग रहा है। तन्वी का किरदार बहुत ईमानदारी, कमजोरी, अनुशासन और ताकत मांगता था।' आगे शुभांगी ने अनुपम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि दुनिया भर के दर्शकों को फिल्म और उसका सुंदर मैसेज पसंद आया। अनुपम सर का बहुत-बहुत शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे जिंदगी भर याद रहने वाला रोल दिया। इस दौरान अनुपम खेर ने कहा, 'यह बहुत अच्छी जीत है।

कॉमेडी-एक्शन से लेकर क्राइम-थ्रिलर तक, ओटीटी पर इस हफ्ते दर्शकों को मिलेगा एंटरटेनमेंट का डोज

नई दिल्ली। दिसंबर का दूसरा हफ्ता दर्शकों के लिए खास होने वाला है। साल के आखिर में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर मनोरंजन की बारिश करने की पूरी प्लानिंग की जा चुकी है। हर बार की तरह इस बार भी कॉमेडी, थ्रिलर, मिस्ट्री, एडवेंचर और इमोशनल ड्रामा- हर जोनर का कंटेंट लाया गया है। नेटफ्लिक्स, जियोहॉटस्टार और जी 5 जैसे प्लेटफॉर्म्स पर एक से बढ़कर एक शो और फिल्में आपका इंतजार कर रही हैं।

सिंगल पापा : 12 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर अभिनेता कुनाल खेमू एक बार फिर हल्के-फुल्के, लेकिन दिल को छू लेने वाले किरदार में वापसी कर रहे हैं। कहानी एक ऐसे आदमी की है, जो तलाक के बाद जिंदगी को नये ढंग से जीना चाहता है। इसी सोच में वह एक बच्चा गोद लेने का फैसला कर लेता है। यह निर्णय उसके पूरे परिवार को हैरानी में डाल देता है। कुनाल का यह किरदार हँसाता भी है और सोचने पर मजबूर भी करता है।

मैन वर्सेज बेबी : नेटफ्लिक्स पर ही 11 दिसंबर को मिस्टर बीन दस्तक देने वाले हैं। रोवन एटकिंसन की मौजूदगी ही कॉमेडी की गारंटी है। इस सीरीज में वह ट्रेवर बिंगली बने हैं—एक ऐसा शख्स जिसे क्रिसमस की छुट्टियों में एक आलीशान पेंटहाउस की देखभाल करनी है। सब कुछ तब बिगड़ जाता है जब वह एक परित्यक्त बच्चा पाता है। इसके बाद जो अराजकता शुरू होती है, वह दर्शकों को पेट पकड़ कर हँसने पर मजबूर कर देगी।

परसी जैक्सन एंड द ओलंपियंस : 10 दिसबंर को जियोहॉटस्टार पर मशहूर बुक सीरीज पर आधारित यह शो लौट आया है अपने नए रोमांच के साथ। इस बार परसी अपने दोस्तों के साथ एक खतरनाक मिशन पर जाता है- गोल्डन फ्लीस वापस लाने का। यह फ्लीस कैंप हाफ-ब्लड को बचाने के लिए जरूरी है। मिस्ट्री, मिथोलॉजी और मारधाड़ से भरपूर यह सीजन बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आएगा।

साली मोहब्बत : 12 दिसंबर को जी 5 पर ये फिल्म रिलीज हो रही है। राधिका आप्टे का नाम ही दमदार एक्टिंग की गारंटी है। इस थ्रिलर ड्रामा में वह एक ऐसी महिला बनी हैं जिसकी जिंदगी अचानक उस समय टूट जाती है, जब उसके पति और कजिन की हत्या हो जाती है। छोटे शहर की यह कहानी धीरे-धीरे खुलते राज, धोखे और रिश्तों में छिपे अंधेरे को सामने लाती है।

सिटी ऑफ शैडोज : बार्सिलोना की बैकड्रॉप पर बनी यह स्पेनिश क्राइम थ्रिलर दिल दहला देती है। एक ऐतिहासिक गाउदी बिल्डिंग पर लटके और जले हुए शव की बरामदगी के बाद शहर सनसनी में है। पुलिस इंस्पेक्टर मिलो मलार्ट, जो पहले ही सस्पेंड है, को मजबूरी में वापस बुलाया जाता है। केस की परतें खुलती हैं तो कहानी और गहरी होती जाती है। ये फिल्म 12 दिसबंर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है।

स्टेज पर परफॉर्म कर रही कनिका पर शख्स ने अचानक किया हमला

मुंबई। कनिका कपूर फिर से चर्चा में हैं। कनिका अपने किसी गाने की वजह से नहीं, बल्कि उनके साथ कॉन्सर्ट में हुए हादसे की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। कनिका का एक वीडियो कॉन्सर्ट के दौरान का सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स उनके साथ बदसलूकी करता नजर आ रहा है। कनिका कपूर बॉलीवुड की पसंदीदा गायिकाओं में से एक हैं। वह एक दशक से भी ज्यादा समय से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में एक कॉन्सर्ट के दौरान कनिका पर एक शख्स ने हमला कर दिया, जो मंच पर पहुंचकर उन्हें उठाने की कोशिश कर रहा था। वो तो गनीमत है कि गायिका के सुरक्षाकर्मी सक्रिय थे और उन्होंने उस व्यक्ति को मंच से नीचे उतार दिया। इस घटना के कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कनिका का यह वीडियो मेगोंग फेस्टिवल के दौरान का है। कनिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ लोगों का कहना है कि ये कनिका का प्रोफेशनलिज्म है कि उन्होंने बिना घबराए अपनी परफॉर्मेंस जारी रखी। तो वहीं कुछ कनिका के रिएक्शन को देखने के बाद इसे स्क्रिप्टेड इंसीडेंट बता रहे हैं।

बेटी के जन्म के बाद पहली बार दिखीं

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी अपने पहले बच्चे को जन्म देने के बाद पहली बार पब्लिकली नजर आईं। उन्होंने 15 जुलाई 2025 को बेटी सरायाह मल्होत्रा को जन्म दिया था। अब करीब 6 महीने बाद फैंस को उनकी झलक देखने को मिली है। कियारा ने पपाराजी से बात भी की। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी बेटी कैसी है। कियारा आडवाणी के वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। फैंस का कहना है कि बेटी को जन्म देने के बाद भी कियारा बिल्कुल नहीं बदली हैं। वो पहले जैसी ही फिट और खूबसूरत दिख रही हैं। कियारा से पपाराजी ने पूछा कि उनकी बेटी सरायाह मल्होत्रा कैसी हैं तो उन्होंने कहा कि वो बिल्कुल ठीक हैं। मालूम हो कि कियारा ने 7 फरवरी 2023 को सिद्धार्थ मल्होत्रा से जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में ग्रैंड वेडिंग की थी। इस शादी में सिर्फ फैमिली मेंबर्स और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के बाद दोनों ने फैमिली और फ्रेंड्स के लिए दिल्ली तो बॉलीवुड दोस्तों के लिए मुंबई में रिसेप्शन पार्टी भी होस्ट की थी।

कभी मासूम बन पर्दे पर छाईं तो कभी बिकिनी पहन दिखाई बोल्डनेस

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में अगर गरिमा, ग्लैमर, नजाकत और दमदार अभिनय को एक ही नाम से जोड़ा जाए, तो वह नाम है- शर्मिला टैगोर। 1946 में हैदराबाद में जन्मीं शर्मिला 81 वर्ष की हो चुकी हैं। सात दशकों से अधिक के फिल्मी सफर में उन्होंने अपनी सादगी, खूबसूरती और साहसिक फैसलों से न सिर्फ बॉलीवुड को बदला, बल्कि महिलाओं की ऑनस्क्रीन छवि को भी एक नई दिशा दी।

पढ़े-लिखे और संस्कारी परिवार में हुआ जन्म

शर्मिला टैगोर का जन्म एक सांस्कृतिक, शिक्षित और सम्पन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बचपन से ही साहित्य, संगीत और नृत्य से गहरा रिश्ता रहा। किशोरी उम्र में ही सत्यजीत रे ने उन्हें नोटिस किया और फिल्में उनके जीवन में ऐसे उतरीं कि फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

फिल्मी पर्दे पर धमाकेदार डेब्यू

वर्ष 1964 में रिलीज हुई रोमांटिक फिल्म 'कश्मीर की कली' ने शर्मिला टैगोर को रातों-रात स्टार बना दिया। उनकी सुंदरता, बड़ी आंखें, मासूम मुस्कान और सहज अभिनय ने दर्शकों को तुरंत दीवाना बना दिया। यह फिल्म पहले किसी और अभिनेत्री के पास जाने वाली थी, लेकिन किस्मत ने यहां से उन्हें अपार सफलता दी। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शशि कपूर पर था क्रश

70 के दशक में शशि कपूर और शर्मिला टैगोर की जोड़ी को दर्शक हाथों-हाथ लेते थे। दोनों ने करीब 9 फिल्में साथ कीं और कैमिस्ट्री इतनी सहज थी कि शर्मिला खुद भी शशि कपूर पर क्रश होने की बात स्वीकार कर चुकी हैं। हालांकि, यह पसंद सिर्फ दोस्ती की दहलीज तक ही रही और दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए।

बॉलीवुड की सबसे सुपरहिट जोड़ी : अगर हिंदी सिनेमा में किसी जोड़ी ने लगातार हिट पर हिट दीं- तो वह राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर की जोड़ी थी। फिल्म आराधना, अमर प्रेम, सफर जैसी फिल्मों ने दोनों को स्टारडम की चरम सीमा पर पहुंचा दिया। एक दौर ऐसा भी आया जब शर्मिला टैगोर इंडस्ट्री की सबसे अधिक फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गईं। 1950-60 के दशक में यह उपलब्धि किसी भी महिला कलाकार के लिए असाधारण थी।

पहली भारतीय अभिनेत्री जिसने बड़े पर्दे पर पहनी बिकिनी : साल 1967 की फिल्म 'एन इवनिंग इन पेरिस' में शर्मिला टैगोर का बिकिनी पहनना आज भी भारतीय सिनेमा के सबसे साहसिक पलों में शुमार है। उस दौर में जब परंपरागत भूमिकाओं से आगे बढ़ना लगभग नामुमकिन था, उन्होंने अपनी छवि बदलने का जोखिम उठाया। इस कदम ने महिलाओं के लिए ग्लैमर, आत्मविश्वास और आधुनिकता के नए रास्ते खोले। 1968 में उन्होंने फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पर भी बिकिनी पहनकर इतिहास रच दिया।

पटौदी पर दिल हारा और बनीं आयशा बेगम : फ्लिमी फैन्स की भीड़ के बीच, शर्मिला टैगोर का दिल उस क्रिकेट स्टार पर आया जो कम बोलता था, लेकिन हर काम शाही अंदाज में करता था- मंसूर अली खान पटौदी। दोनों की प्रेम कहानी बेहद सादा और दिल से जुड़ी हुई थी। शादी के लिए शर्मिला ने धर्म परिवर्तन कर 'आयशा बेगम' का नाम अपनाया। यही रिश्ता आगे चलकर बॉलीवुड के सबसे रॉयल परिवारों में गिना जाने लगा। उनके तीन बच्चे- सैफ अली खान, सोहा अली खान और सबा अली खान आज अपने-अपने क्षेत्र में स्थापित नाम हैं।

अभिनेत्री ने दीं लगातार हिट फिल्में

शर्मिला टैगोर ने देवानंद, धर्मेंद्र, शम्मी कपूर, राजेश खन्ना और शशि कपूर जैसे सभी टॉप अभिनेताओं के साथ काम किया। उन्होंने कई पुरस्कार जीते जिनमें राष्ट्रीय पुरस्कार, फिल्मफेयर अवॉर्ड, पॉपुलर एक्ट्रेस अवॉर्ड, लाइफटाइम अचीवमेंट जैसे पुरस्कार शामिल हैं। वो सेंसर बोर्ड की चेयरपर्सन भी रहीं और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं।

जल्लाद के रोल में असली धुरंधर साबित हुए अक्षय

नई दिल्ली। फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस में भौकाल मचा रही है, वहीं सोशल मीडिया पर रहमान डकैत बने अक्षय खन्ना ट्रेंड कर रहे हैं। अक्षय खन्ना खूंखार गैंगस्टर के किरदार में धांसू लगे हैं, जिसके दहशत से लोग कभी थरथर कांपते थे। उसके कारनामे देखकर लोगों के हलक सूख जाते थे। फिल्म में रहमान डकैत बने अक्षय खन्ना की अदाकारी फिल्म के बाकी धुरंधरों पर भारी पड़ रही है। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' असली घटनाओं से प्रेरित है, जिसमें भारत-पाक के आतंकवाद के खिलाफ जंग को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी 2000 के दशक के आखिर में कराची के लियारी इलाके के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

टीवी मसाला

सिर्फ ट्रॉफी और कैश प्राइज ही नहीं गौरव ने जीती इतनी सारी चीजें

नई दिल्ली। टीवी के सुपरस्टार गौरव खन्ना ने 'बिग बॉस 19' की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। शो के होस्ट सलमान खान ने अनाउंस किया कि उन्हें सिर्फ ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि 50 लाख रुपएकी प्राइज मनी भी मिली है। सिर्फ इतना ही नहीं, शो के दौरान गौरव ने कई सारी चीजें जीती हैं। बिग बॉस के घर में स्पॉन्सर टास्क हुआ था। इस टास्क के दौरान गौरव खन्ना को घरवालों के सबसे ज्यादा वोट्स मिले थे जिसकी वजह से सिट्रोएन उन्हें ब्रांड न्यू सिट्रोएन कार मिली थी। गौरव खन्ना को मोस्ट स्टाइलिश कंटेस्टेंट होने का खिताब मिला था और फ्लिपकार्ट ने उन्हें अपनी तरफ से 1.5 लाख रुपये का फ्लिपकार्ट वाउचर भी दिया था। डेन्यूब ने बिग बॉस के टॉप 6 कंटेस्टेंट्स से वादा किया था कि वह उन्हें क्रूज पार्टी का एक्सेस देगा। जब भी कंटेस्टेंट्स क्रूज पार्टी के पासेस लेकर दुबई जाएंगे तब डेन्यूब उन्हें लग्जरी क्रूज पार्टी को एक्सपीरियंस करने का मौका देगा। कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक, गौरव खन्ना की एक हफ्ते की सैलरी 17.5 लाख रुपए की थी और उन्होंने बिग बॉस में 15 हफ्तों का सफर पूरा किया। मतलब उन्हें इस शो से कुल 2.62 करोड़ रुपये की फीस मिली है। इसके साथ ही उन्हें 50 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली। यानी उन्होंने 'बिग बॉस 19' से कुल 3.12 करोड़ रुपए की कमाई की है।

रूपल बनीं नोमिश की दुल्हनिया

नई दिल्ली। रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' का हिस्सा रह चुकीं रूपल त्यागी ने भी सात फेरे ले लिए हैं। उन्होंने नोमिश भारद्वाज से 5 दिसंबर को ही शादी की और अब उसकी ढेरों तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर कीं। हालांकि, उनके इस वेडिंग एल्बम में दुल्हेराजा कहीं नजर ही नहीं आए। उनके दोस्तों ने जो साथ की फोटोज पोस्ट की थीं, उससे ही उनकी झलक देखने को मिली। 'सपने सुहाने लड़कपन' में गुंजन का किरदार निभाने वाली रूपल त्यागी ने अपनी शादी को प्राइवेट रखा। बहुत ही खास और करीबी को इन्वाइट किया था। रूपल त्यागी ने लाल रंग का लहंगा शादी के लिए चुना था। इस पर उन्होंने आर्टीफीशियल ज्वैलरी के बजाए, मां के गहने पहनना पसंद किया। सोने के आभूषणों से लदी एक्ट्रेस बेहद सुंदर लग रही थीं। रूपल त्यागी ने बताया कि उन्होंने अपनी मां का नेकलेस, इयरिंग, हाथफूल और कड़ा पहना था। उनके लहंगे की बेल्ट पर उनके और पति का आधा-आधा नाम लिखा था। नोमिश से वह मुंबई में दो साल पहले एक दोस्त के जरिए मिली थीं। उनके पति कैमरे के पीछे एनीमेशन में लॉस एंजिल्स में काम करते हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट | रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉप्लर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑक्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसे • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

चिंतन

स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष बन गया था वंदे मातरम्

वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जिसने करोड़ों लोगों को एकजुट किया। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि इसने लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरणादायक उद्घोष बन गया था। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का स्मरण करना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण भी है। यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 साल पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम् पर पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम्' अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था, उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कि पिछले दशकों में वंदे मातरम् के साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है। जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 150 वर्ष उस महान अध्याय और उस गौरव को पुनः स्थापित करने का अवसर है। मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि देश और सदन, दोनों को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। अब संसद में इस पर चर्चा की जरूरत क्यों पड़ी। दरअसल, सरकार चाहती है कि वंदे मातरम् पर चर्चा से देश में राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का संदेश जाए। यह विषय जनता में भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। बता दें कि वंदे मातरम् का प्रकाशन 1882 में हुआ और यह आनंद मठ के उपन्यास में शामिल हुआ। पहली बार इसे 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया और उस समय जल्द ही यह स्वतंत्रता आंदोलन का अनौपचारिक राष्ट्रगान बन गया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत सड़कों पर गूंजने लगा और इसने लोगों को एकजुट करने का काम किया। इसी गीत ने आजादी की तड़प को लोगों के दिलों में और मजबूत किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसी महान हस्तियों ने भी इसकी भावना को सराहा। 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तो जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुना गया, लेकिन वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। वंदे मातरम् का सम्मान करना चाहिए। इस गीत का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। यह गीत हमारी मातृभूमि की सेवा और उसकी एकता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने, न कि विभाजन का।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है पूरी दुनिया

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की खातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से अधिक है। यह अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुंचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है, जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किए जाते हैं। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार अपराध है जो सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है। भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है कि वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे, मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है, जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। एनसीआरबी और लोकल सर्कल इंडिया करप्शरन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेकख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शीत सत्र

अजीत लाड़

गतिरोध में थमती संसद की उत्पादकता

सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए, वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में समझना जरूरी है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है, किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है।

भारत की संसद का यह शीतकालीन सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और व्यापक नीतिगत निर्णयों के बीच खड़ा है। सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए। वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है। असहमति लोकतांत्रिक प्राण है। किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है। पिछले कुछ सत्रों का डेटा स्पष्ट संकेत देता है कि संसद अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा अपने निर्धारित समय का मात्र 29 प्रतिशत चली और राज्यसभा 34 प्रतिशत। सूचीबद्ध प्रश्नों में से 419 प्रश्नों पर केवल 55 उत्तर प्राप्त हुए। 2024 का शीतकालीन सत्र भी औसत से कम रहा। इससे पहले भी 2023 का बजट सत्र और कई अन्य सत्र, विभिन्न विवादों और बाहरी रिपोर्टों को आधार बनाकर, लगातार बाधित होते रहे। कुछ मुद्दे बाद में तकनीकी रूप से संदिग्ध या अधूरे पाए गए, लेकिन तब तक संसद का अनमोल समय नष्ट हो चुका था। यह प्रवृत्ति किसी एक दल की आलोचना नहीं, यह बताने योग्य चेतावनी है कि राजनीति की मौजूदा शैली अधीर होती जा रही है और बहस की परंपरा कमजोर पड़ रही है।

संसद का हर मिनट लगभग लाखों रुपये खर्च करता है और यह राशि जनता के टैक्स से आती है। संसद का बाधित होना केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, यह आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग, नीति निर्माण की रुकावट और नागरिकों के विश्वास को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अनिवार्य है। वह सरकार को कठोर प्रश्न पूछकर जवाबदेह बनाता है, गलतियों का खुलासा करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। फिर भी विपक्ष की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह सदन के भीतर बहस में सक्रिय हो। नारे बहस की जगह नहीं ले सकते और शोर रणनीति का विकल्प नहीं हो सकता। इसके विपरीत, सरकार ने पिछले 11 वर्षों में यह दिखाया है कि नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता है व संसद के बाधित होने के बावजूद वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम रही है। नए संसद भवन का निर्माण, संसद की कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण, कागज-रहित कामकाज, अप्रासंगिक 1576 कानूनों को हटाना और 421 बिलों को पारित कराना, यह सब किसी भी सरकार के लिए असाधारण उपलब्धियां हैं। यह कार्य ऐसे समय में संभव हुआ है जब लगभग हर सत्र में किसी न किसी मुद्दे पर व्यवधान पैदा हुआ। वर्तमान शीतकालीन सत्र में सूचीबद्ध 13 महत्वपूर्ण विधेयक देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को सीधे प्रभावित करते हैं। परमाणु

ऊर्जा प्रबंधन, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा आयोग, दिवालियापन प्रक्रिया सुधार, सिक्योरिटीज मार्केट कोड, राजमार्ग संशोधन, बीमा और कर संबंधी कानूनों में बदलाव। ये सभी ऐसे निर्णय हैं जो भारत की उभरती अर्थव्यवस्था को अगले दशक की दिशा देंगे। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं हो पाती और सत्र बार-बार अवरोध का शिकार क्यों बनता है? आज भारत वैश्विक मंचों पर नीति-स्थिरता, सुधारवादी दृष्टि और प्रशासनिक दक्षता के कारण सम्मान प्राप्त कर रहा है। जब दुनिया ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई-चेन स्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक संतुलन की चुनौती देख रही है, भारत को अपनी नीतियों में त्वरित निर्णय और स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में संसद का हर सत्र देश की सामरिक और आर्थिक दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण बन जाता है। ऐसे समय में अवरोध की राजनीति केवल घरेलू नीतियों को नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रति विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र में बहस की संस्कृति केवल सत्ता बदलने का साधन नहीं, यह शासन की गुणवत्ता तय करती है। सरकार पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, पर उन सवालों को प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी बहसों में उठाया जाना चाहिए, न कि हंगामे में खो जाने देना चाहिए। लोकतंत्र को शोर की जरूरत नहीं, जवाबदेही की जरूरत है। फिर भी यह मानना गलत होगा कि सारा दोष केवल एक प्रवृत्ति या समूह का है। भारत की राजनीति में टकराव स्वाभाविक है, और कभी-कभी भावनाएं उग्र भी हो जाती हैं। इन सबसे परे परिपक्व लोकतंत्र वे हैं जो उस उग्रता को नियंत्रित कर लेते हैं, उसे बहस में ढाल देते हैं और नीति-निर्माण को प्राथमिकता देते हैं। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसे भारत को और मजबूती से अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को जनता ने लगातार इसीलिए समर्थन दिया है क्योंकि उसका जोर रोजमर्रा की राजनीति के शोर से ऊपर उठकर परिणामों पर रहा है। जनधन योजना, जीएसटी, दिवालियापन कानून, डिजिटल पेमेंट संरचना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्पष्ट नीति। ये वो सुधार हैं, जिन्होंने भारत की विकास दिशा तय की है। यही कारण है कि जनता सरकार से यह उम्मीद करती है कि वह अपनी नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से आगे बढ़ती रहे और इस प्रक्रिया में विपक्ष का सहयोग या कम से कम, उसका संवैधानिक आचरण उतना ही आवश्यक है।

संसद का समय राष्ट्र का समय है। यह किसी दल या नेता का निजी परिसर नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा का केंद्र है। इसलिए संसद की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए। बहसें हों, कठोर सवाल उठें, सरकार घिरे, लेकिन यह सब प्रक्रिया के भीतर हो। जब संसद रुकती है तो देश रुकता है। जब कार्यवाही ठप होती है, तो भविष्य ठहर जाता है। भारत आज निर्णायक मोड़ पर है-आर्थिक उछाल, वैश्विक भरोसा, युवाओं की बढ़ती आकांक्षाएं और तकनीकी क्रांति। ये सब संकेत देते हैं कि आने वाला दशक भारत का हो सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब संसद अपनी मूल भूमिका में लौटे। बहस, तथ्य, नीति और राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय हों। सरकार अपनी उत्पादकता बनाए रखे और विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निभाए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संतुलन में है। यही वह संतुलन है, जिसे इस सत्र में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अंततः लोकतंत्र की वास्तविक आवाज बहस में है, शोर में नहीं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित

दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

अंतर्मन

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं। इसलिए अन्याय कभी भी सहन मत करो। *- पवन सोनी, धमतरी*

ट्रेंड

नई चेतना का संचार

'सुप्रभातम कार्यक्रम में मैं एक विशेष हिस्से की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। यह है संस्कृत सुभाषित। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर एक नई चेतना का संचार होता है। यह है आज का सुभाषित।'

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मन को संतुष्टि मिली

'श्री हरमंदिर साहिब में शीश नवाने के बाद मेरे मन को संतुष्टि मिली। वाहेगुरु जी, आप अपनी कृपा दृष्टि सभी पर बनाए रखें।' मैं दिल्ली के लाल किले में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद शुक्रिया अदा करने आई हूं। -रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे

धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं। आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे" आपके साथ बिताई जीवन की 'खुशनुमा यादें' कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है। -हेमा मालिनी, सांसद

बेहतर महसूस कर रहा

मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं यहां आया था, उस दिन से लेकर आज तक मैंने कौशल विकास और अभ्यास के कई सत्रों में हिस्सा लिया है। सीओई ने खेलने की अनुमति दे दी है। -शुभमन गिल, उपकप्तान, भारतीय टी20 टीम

करंट अफेयर

अमेरिकी रक्षा नीति में भारत से व्यापक संबंध बनाने पर जोर

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में 'भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।'

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

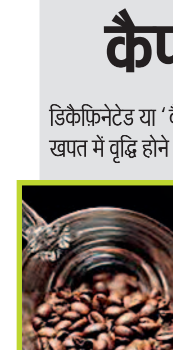

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ - और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: रासायनिक सॉल्वैंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफ़ी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफ़ी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है और इसे बीन्स से निकालता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले

यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में जल्द शुरू करेगी कैंपस

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दोनों देश अपनी शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण, शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व की टॉप-20 यूनिवर्सिटियों में शुमार ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स (यूएनएसडब्ल्यू) जल्द ही भारत में अपना कैंपस शुरू करने जा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार यह ऑस्ट्रेलिया का एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है, जो क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शीर्ष-20 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में अपना परिसर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। दरअसल, धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और सहायक मंत्री जूलियन हिल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों और मित्रों से मिलकर उन्हें अत्यंत खुशी हुई।

दोनों देश शैक्षिक एवं अकादमिक ऑपरेशन्स को बढ़ावा देंगे

'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग

शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता की समीक्षा की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात करते ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर (मध्य में)।

धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही 'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता को और मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि भारत के लिए छात्रों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-रेडी पीढ़ी तैयार करना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के साथ मिलकर यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को लेटर ऑफ इंटेंट भी सौंपा।

दोनों देश ज्ञान साझेदारी को सशक्त करेंगे

प्रधान ने यूएनएसडब्ल्यू को बधाई देते हुए भारत में उसका स्वागत किया और इसे भारत-ऑस्ट्रेलिया ज्ञान साझेदारी को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपनी जीवंत शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण और दो-तरफा शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने बताया कि तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की बैठक में शिक्षा परिदृश्य के रूपांतरण और दोनों देशों के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में विशेषज्ञ शामिल हुए

बता दें, शिक्षा मंत्रालय 8 और 9 दिसंबर को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर रहा है। तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने सह-अध्यक्षता की। बैठक में स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। चर्चा के प्रमुख विषयों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण व पेशेवर विकास, सहयोगी अनुसंधान और कुशल कार्यबल निर्माण शामिल रहे।

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) जारी किया

अमेरिका की परमाणु और हिंद-प्रशांत रणनीतियों में भारत प्रमुख भागीदार

सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार और समुद्री सुरक्षा में साझेदारी बढ़ाएं | चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करें तैयार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) का संयुक्त मसौदा जारी किया है। इस अधिनियम में भारत को अमेरिका की कई रणनीतियों- जैसे नागरिक परमाणु सहयोग, रक्षा सह-उत्पादन और समुद्री सुरक्षा में विशेष स्थान दिया गया है। यह बिल छह दशकों से हर साल पारित होता आया है और इस सप्ताह के अंत में इसके हाउस से पारित होने की उम्मीद है। एनडीएए में भारत को इंडो-प्रशांत क्षेत्र और परमाणु नीति में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का 'तुलनात्मक लाभ' बढ़ाया जा सके। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका भारत के साथ उसकी परमाणु दायित्व नीति पर निरंतर बातचीत करेगा और भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल करेगा जो चीन की चुनौती का सामना करने के लिए नई रक्षा व्यवस्था तैयार कर रहे हैं।

संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

विधेयक में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि अमेरिका और भारत मिलकर एक संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे, जो 2008 के नागरिक परमाणु समझौते के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करेगा। साथ ही भारत के घरेलू परमाणु दायित्व नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, इन मुद्दों पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर 'एक रणनीति विकसित करने' का कार्य भी इसी तंत्र को सौंपा गया है। अमेरिका को पांच वर्षों तक हर साल इस समीक्षा की रिपोर्ट कांग्रेस में पेश करनी होगी।

भारत के साथ जुड़ाव बढ़ाने की सलाह

संसद ने यह भी कहा है कि अमेरिका को क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) सहित भारत के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, ताकि इंडो-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला रखा जा सके। इसमें सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार, मानवीय सहायता और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन को रोकने के लिए अमेरिका अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति और साझेदारी भी बढ़ाएगा।

भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करें

विधेयक में भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करने का प्रावधान भी है, जिसका कार्य इस क्षेत्र में अमेरिका की कूटनीति का समन्वय करना और चीन के प्रभाव का संतुलन तैयार करना होगा। इन सभी कदमों से स्पष्ट होता है कि भारत अब अमेरिका की क्षेत्रीय रणनीति का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। हाल के वर्षों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग काफी मजबूत हुआ है।

जेलेंस्की अमेरिकी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के लिए तैयार नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

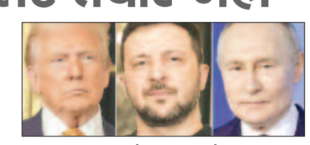

- यूएस और यूक्रेन के बीच तीन दिन की बातचीत बेनतीजा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं जिसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत अमेरिका के मियामी में पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं।

फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गिरफ्तार चीनी का फोन

नई दिल्ली। वीजा नियमों का उल्लंघन कर लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में सामरिक महत्व के स्थानों का दौरा करने के आरोप में हिरासत में लिए गए एक चीनी नागरिक के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 29 वर्षीय हू कांगताई को भी हिरासत में रखा गया है क्योंकि उसने सीमावर्ती केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी यात्रा का कारण नहीं बताया है। कांगताई को तब हिरासत में लिया गया जब सेना की एक इकाई ने इंटरनेट पर एक असामान्य बातचीत देखी।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(A Government of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi-834001
E-MailId - pdt.juidco@gmail.com, juidcolimited@gmail.com
CIN: U45200JH2013SGC001752

NIT No.: JUIDCO/NIT/ Bus Stand/ITI/678 Date- 08.12.2025

Notice Inviting Tender
National Competitive Bidding

1.	Name of the Work	Construction of ITI Bus Stand at Ranchi, Jharkhand
2.	Mode of bid submission	e-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
3.	Estimated Cost	Rs. 23,18,73,741.00/-
4.	Tender Fee & Bid Security	Cost of Tender Document: Rs. 25,000/- (Rupees Twenty-Five Thousand) only **(Non-Refundable)** Earnest Money Deposit (EMD): Rs. 23,19,000.00 /- (Rupees Twenty-Three Lakhs Nineteen Thousand) only
5.	Time of Completion	18 Months
6.	Date & Time of publication of Tender on website	09.12.2025 at 15:00 Hrs.
7.	Last Date & Time for submission of online bids	29.12.2025 at 17:00 Hrs.
8.	Date & Time of bid opening	30.12.2025 at 17:00 Hrs.
9.	Bid submission address	Jharkhand Urban Infrastructure Development Company Ltd, JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi, Jharkhand- 834001
10.	Helpline no.	+91651-2225878

Note: Only e-tenders will be accepted.
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in
Sd/-
Project Director (Tech)
JUIDCO Ltd.
PR 367974 (Urban Development) 25-26 (D)

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कम्पनी लिमिटेड सिलतरा
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.म. की उत्तरदायी कंपनी)

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्माननीय निम्नदाब उपभोक्ताओ को सूचित किया जाता है कि **दिनांक 10.12.2025** को 220 के.व्ही. उपकेन्द्र सिलतरा में अति आवश्यक रख-रखाव एवं "बे" निर्माण का कार्य किया जाना है, जिसके कारण **दिनांक 10.12.2025 दिन बुधवार को समय सुबह 10:00 बजे से शाम 06:00 बजे** तक सिलतरा के समस्त अति उच्चदाब, उच्चदाब, निम्नदाब उपभोक्ताओ एवं सिलतरा संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम सिलतरा, सांकरा, मुरेठी, मांढर इत्यादि आस-पास के ग्राम प्रभावित होगी, आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराऐं।

असुविधा के लिए खेद है

कार्यपालन अभियंता(सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सिलतरा

S-46156/1

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204, वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/2101/5536/2025 / EXAM 1278
नवा रायपुर, दिनांक 04/12/2025

कोर्ट मैनेजर (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 की समय-सारणी

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के विज्ञापन क्रमांक 03/2025/परीक्षा/दिनांक 25.09.2025 के तहत कोर्ट मैनेजर (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 04 जनवरी 2026 (रविवार) को जिला बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई एवं रायपुर (छ.ग.) के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसकी समय सारणी निम्नानुसार है :-

DATE	DAY	TIME
04.01.2026	SUNDAY	10.00 AM TO 12.00 PM

उक्त परीक्षा हेतु आयोग द्वारा प्रवेश पत्र परीक्षा तिथि के 10 दिवस पूर्व जारी किया जावेगा। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग कार्यालय द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र अथवा प्रवेश पत्र जारी किए जाने संबंधी कोई सूचना या SMS व्यक्तिशः नहीं भेजा जायेगा।

परीक्षा नियंत्रक
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग,
नवा रायपुर, अटल नगर

G-252605307/2

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKASPRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar- 492 002, Chhattisgarh
Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement RFP Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites Request for Proposal for following works:

RFP No: 80/ SG-Phase-III //EEC1/CE/ NRANVP/2025-26, Nava Raipur Atal Nagar, Dated:05.12.2025

Name of Work: "Selection of Technical Consultant for Planning and Designing of Sevagram Phase- III & Balance Works at Nava Raipur Atal Nagar, District-Raipur, Chhattisgarh.(2nd Call)"

Last Time & Date of Online Submission: 15:00 hrs on 23.12.2025

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Chief Engineer
NRANVP

S-46169/1

OFFICE OF THE COMMISSIONER
NAGAR PALIK NIGAM, CHIRMIRI Malviya Nagar, West Chirmiri, Distt.- M.C.B.(C.G.)

E-procurement Tender Notice (1st Call)
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

NIT. No./3185/Tech.-11/NPN Chirmiri/2025-26 Chirmiri, Dated-04/12/2025

Online bids are invited for followings works up to 26/12/2025

S. No.	System Tender No.	Name of Work	Last Date for online bid Submission	Last Date for Physical Submission	Probable Amount of Contract (In Lakh)
1	181184	Construction of C.C.Road, Drain & Culvert, From Bada Ground to Siddh Baba Mandir, W.No. 08, Koriya Colliery	26/12/2025	30/12/2025	Rs. 200.47

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from 05/12/2025 at 10:00 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Executive Engineer
Nagar Palika Nigam Chirmiri
District-M.C.B (C.G)

S-46165/1

वायुसेना के जगुआर विमानों के लिए कलपुर्जे देगा ओमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम एशिया में अरब प्रायद्वीप के निकट बसे ओमान से भारत के लिए बड़ी खुशखबरी आ रही है। जिसमें यह पता चला है कि वह भारतीय वायुसेना के पुराने पड़ चुके जगुआर लड़ाकू विमानों में एक बार फिर से नई जान फूंकने के लिए कलपुर्जे देने के लिए तैयार है। दरअसल इस वक्त ब्रिटेन से लेकर जगुआर विमानों का इस्तेमाल करने वाले दुनिया के अन्य देश इन्हें अपने हवाई सैन्य बलों की सेवा से बाहर कर चुके हैं। इतना ही नहीं इनके कलपुर्जों व अन्य साजो-सामान से जुड़ी हुई कंपनियां भी अपना उत्पादन बंद कर चुकी हैं। एक जमाने में ओमान की वायुसेना भी जगुआर लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करती थी। लेकिन अब वो भी इन्हें सेवामुक्त कर चुकी है।

अफगान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और आजादी के पक्ष में है भारत : जायसवाल

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। पाकिस्तान के हमलों में सीमावर्ती इलाकों में मारे जा रहे बेकसूर अफगानी नागरिकों के मामले की सोमवार को भारत ने निंदा की है। साथ ही ये भी कहा है कि नई दिल्ली, अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और उसकी आजादी का समर्थन करती है। यहां आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी है। हम पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे हमलों की घटना और उनके जरिए आम अफगानी नागरिकों को निशाना बनाने की निंदा करते हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग मोहला वनमंडल मोहला

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, मोहला वनमंडल मोहला के अंतर्गत काष्ठागार डिपो मानपुर में उपलब्ध ईमारती / जलाऊ / व्यापारिक बांस / औद्योगिक बांस का निम्नानुसार e-Auction किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक क्रेताओं से अनुरोध है कि, वे e-Auction में भाग लेवें। e-Auction की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमंडल / काष्ठागार मानपुर से प्राप्त की जा सकती है।

e-Auction Date - 19-12-2025 Time - 9.00AM से 7.00 AM

काष्ठागार का नाम- मानपुर

क्र.	प्रजाति	नये वनोपज			पुराने वनोपज			योग		
		ईमा.घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमा.घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमा.घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
01	सागौन	8.389	0	0	758.620	3.608	0	767.009	3.608	0
02	बीजा	33.189	0	0	306.441	0	0	339.630	0	0
03	साजा	13.507	0	0	263.430	0	0	276.937	0	0
04	धावड़ा	4.649	0	0	53.715	2.430	0	58.364	2.430	0
05	हल्दू मुण्डी	0	0	0	23.343	0	0	23.343	0	0
07	घाठा	0	0	0	5.872	0	0	5.872	0	0
08	कसही	0	0	0	3.003	0	0	3.003	0	0
09	कर्रा	0	0	0	39.806	3.784	0	39.806	3.784	0
10	सेन्हा	7.597	2.824	0	15.465	1.508	0	23.062	4.332	0
11	सलिहा- मोदे	5.763	0	0	7.812	0	0	13.575	0	0
12	अन्य	0	0	0	72.789	3.006	0	72.789	3.006	0
	योग :-	**73.094**	**2.824**	**0**	**1550.296**	**14.336**	**0**	**1623.390**	**17.160**	**0**
01	व्यापारिक बांस	नग	नो.टन						नग	नो.टन
		3000	6.875						3000	6.875
	डिपो-काष्ठागार मानपुर				निस्तार डिपो कौड़ीकसा					
01	जलाऊ च. सं.	80			86				166	
	डिपो -उपभोक्ता डिपो चौकी									
01	सागौन	0	0	0	8.024	0	0	8.024	0	0
	योग :-	**0**	**0**	**0**	**8.024**	**0**	**0**	**8.024**	**0**	**0**

(1) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कामर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है (2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटो के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कामर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते हैं। (4) ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
मोहला वनमंडल मोहला

G-252605296/3

कार्यालय कलेक्टर, रायपुर (छ.ग.) एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-:: अधिसूचना ::-

धारा-04, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013

क्र./1946/भू-अर्जन/2025 रायपुर, दिनांक 24/11/2025

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2023 की धारा 04 में सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु लोक निर्माण विभाग, विधानसभा संभाग, रायपुर (छ.ग.) द्वारा आशयित है, अर्थात :-

भूमि का विवरण					लोक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (हेक्टे. में)	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	खरोरा	खौलीडबरी, प.ह.नं. 33	कुल खसरा 12	कुल रकबा 0.6778 हेक्टेयर	मोहरेंगा से कठिया (मोहरा) मार्ग लंबाई 12.50 कि.मी. मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य हेतु
योग				0.6778 हेक्टे.	

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु समाजिक सामाधात निर्धारण सहमति तथा जन सुनवाई दिनांक 26/12/25 को समय 11:30 बजे स्थान पंचायत भवन में नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है-

01 लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण :-सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण
02 प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :-12
03 अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :-निरंक
04 प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या:-निरंक
05 प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :-निरंक
06 क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है :- हॉ
07 क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है :-हॉ
08 परियोजना की कुल लागत :- निरंक
09 परियोजना से होने वाला लाभ :- सुगम यातायात
10 प्रस्तावित सामाजिक सामाधात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :- 5.00 लाख
11 परियोजना द्वारा प्रमावित होने वाले अन्य घटक :-निरंक

उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी सुझाव देना हो तो विहित तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

(डॉ. गौरव कुमार सिंह)
कलेक्टर, रायपुर एवं पदेन उप सचिव,
छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

G-252605301/2

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला - नारायणपुर (छ.ग.)

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक/ M-1517/पु/ना.पुर/एसी-1/2025-26/ नारायणपुर, दिनांक 04/12/2025

पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए मुहरबंद निविदायें प्रपत्र-अ में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा 01.01.2015 (भवन) एवं निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर लोक निर्माण विभाग के एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम ठेकेदार ("डी" श्रेणी एवं अधिक) पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्वति, जिसमें एक अमानत राशि व दूसरा निविदा प्रपत्र का लिफाफा होगा, निविदा पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है। कार्यालय पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर निविदाओं उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जावेगी। उक्त तिथि को अपरिहार्य परिस्थिति में निविदा संबंधी कार्यवाही अगले कार्य दिवस को की जावेगी।

(1) निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 16.12.2025 के 05:00 बजे तक
(2) निविदा प्राप्ति / जमा की अंतिम तिथि - 17.12. 2025 के 04:00 बजे तक
(3) निविदा खोले जाने की तिथि - 18.12.2025 के संध्या 5:00 बजे
(4) निविदा प्रपत्र का मूल्य - 750/- (चालान के माध्यम से पुलिस - 0055, 800 - अन्य प्राप्तियां)
(5) कार्य पूर्ण करने की अवधि - 03 माह (वर्षा ऋतु सहित)
(6) ठेके की आमंत्रण क्रमांक - "डी" एवं उच्च श्रेणी लोनिवि के श्रेणी के पात्रतानुसार (प्रथम बार)
(7) प्रभावी दर अनुसूची - लो.नि.वि. द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2015 को जारी एस.ओ.आर. में प्रचलित

क्रं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत प्रति भाग	धरोहर राशि प्रति भाग
1	सड़क निर्माण पांगुड़-कुरसकोड़ी-हचेकोटी-आदनार मिट्टी/मुरूम कार्य 0.00 कि.मी. से 30.00 कि.मी. लम्बाई 5.00 कि.मी. कार्य भाग 01,02,03,04,05,06	24.854 (लाख)	49,708/-
2	सड़क निर्माण पांगुड़-कुरसकोड़ी-हचेकोटी-आदनार मिट्टी/मुरूम कार्य 30.00 कि.मी. से 32.52 कि.मी. लम्बाई 5.00 कि.मी. कार्य भाग 07	12.427 (लाख)	24854/-
3	CONSTRUCTION OF 10 Nos, 1 ROW 1000 DIA. HPC ON Pariyadi-Kakur- Balebeda ACCESS Section 1	1340000.00	26800/-
4	CONSTRUCTION OF 05 Nos, 3 ROW 1000DIA. HPC ON Pariyadi-Kakur- Balebeda ACCESS Section 2	1605000.00	32100/-
5	CONSTRUCTION OF 02 Nos, 5 ROW 1000 DIA. HPC ON Pariyadi - Kakur- Balebeda ACCESS Section 3	978000.00	19560/-
6	CONSTRUCTION OF 08 Nos, 1 ROW 1000 DIA. HPC ON PANGUD- ADNAAR ACCESS Section 1	1072000.00	21440/-
7	CONSTRUCTION OF 06 Nos, 3 ROW 1000 DIA. HPC ON PANGUD- ADNAAR ACCESS Section 2	1926000.00	38520/-
8	CONSTRUCTION OF 02 Nos, 5 ROW 1000 DIA. HPC ON PANGUD- ADNAAR ACCESS Section 3	978000.00	19560/-
9	CONSTRUCTION OF 08 Nos, 1 ROW 1000DIA. HPC ON TOKE- BALEBEDA ACCESS Section 1	1072000.00	21440/-
10	CONSTRUCTION OF 05 Nos, 3 ROW 1000 DIA. HPC ON TOKE- BALEBEDA ACCESS Section 2	1605000.00	32100/-
11	CONSTRUCTION OF 02 Nos, 5 ROW 1000DIA. HPC ON TOKE- BALEBEDA ACCESS Section 3	978000.00	19560/-

नोट :- निविदा संबंधी अन्य जानकारी के लिए पुलिस अधीक्षक, कार्यालय नारायणपुर में सम्पर्क कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक,
नारायणपुर

G-252605288/1

खबर संक्षेप

29 दिन में 31.77 लाख रुपए का धान जब्त

गरियाबंद/मैनपुर। दीगर राज्यों से जिले की सीमा में होने वाले अवैध धान परिवहन और बिक्री पर रोक लगाने के लिए गरियाबंद पुलिस लगातार सख्त अभियान चला रही है। पिछले 29 दिनों में पुलिस ने कुल 29 प्रकरणों में 2370 कट्टा यानी 1000.25 क्विंटल अवैध धान जप्त कर लगभग 31 लाख 77 हजार 500 रुपये मूल्य का धान संबंधित विभाग को सुपुर्द किया है। दिनांक 08 दिसंबर को थाना अमलीपदर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम धुरवापथरा तेलनदी और बिरिघाट पटेलपारा मार्ग से दो ट्रैक्टर और एक 1109 ट्रक के जरिए भारी मात्रा में अवैध धान बिक्री के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तीनों वाहनों को रोककर कुल 314 कट्टा यानी 141.3 क्विंटल अवैध धान जिसकी कीमत लगभग 4 लाख 38 हजार 30 रुपये है, उसे जप्त किया। आज की कार्रवाई में 1109 ट्रक क्रमांक सीजी 04-एनटी - 5317 से 200 कट्टा, ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 04-एनवी-1449 से 57 कट्टा और बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर से 57 कट्टा अवैध धान बरामद किया गया। बिना नंबर प्लेट वाले वाहन पर एम.वी. एक्ट के तहत पृथक से कार्रवाई की जाएगी।

हादसा : बाइक पर तीन युवक थे सवार और गति थी अनियंत्रित

एनएच-30 पर अज्ञात वाहन से स्पोर्ट्स बाइक टकराई, सवार दो युवकों की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर नाथियानावगांव के पास सोमवार 8 दिसंबर को देर शाम लगभग 6 बजे के आसपास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

- तीनों युवकों में से किसी ने नहीं पहना था हेलमेट
- तीनों युवकों की नहीं हो पाई पहचान

हादसे की वजह उच्च गति से दौड़ती स्पोर्ट्स बाइक और अज्ञात वाहन की टक्कर बताई जा रही है। घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है और सुरक्षा नियमों की अनदेखी के गंभीर परिणामों को फिर से उजागर कर दिया है।

याातायात पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब तीन युवक अपनी स्पोर्ट्स बाइक क्रमांक सीजी 19 डब्ल्यूवी 6307 पर सवार होकर एनएच-30 पर यात्रा कर रहे थे। जानकारी के अनुसार बाइक नाथियानावगांव के पास किसी अज्ञात वाहन के पिछले पहिए से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और इसमें सवार तीन युवकों में से दो युवकों की मौत मौके पर ही हो गई, वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना स्थल पर पहुंचे यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि युवकों की जेब से किसी भी प्रकार के पहचान दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए हादसे तक उनकी पहचान नहीं हो पाई। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बाइक की गति अत्यधिक थी और युवकों ने हेलमेट का उपयोग भी नहीं किया था। बाईक के रजिस्ट्रेशन नंबर में खमडोढ़गी निवासी ओंकार रायस्त के नाम से है। गंभीर युवक बेहोशी हालत में होने के चलते कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और यातायात विभाग की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घायल युवक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रख दिया गया है। पुलिस युवकों की पहचान करने में जुटी हुई है और इसके अलावा पुलिस ने आगे जांच जारी रखते हुए अज्ञात वाहन की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सुरक्षा नियमों का नहीं करते हैं पालन

स्थानीय लोगों ने बताया कि एनएच-30 पर यह मार्ग अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण खतरनाक माना जाता है। कई बार मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों और ओवरटेकिंग के कारण दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। यही वजह है कि पुलिस और प्रशासन बार-बार सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी करते रहते हैं, इसके बाद भी जिम्मेदार नागरिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते है।

यातायात पुलिस ने अपील की

यातायात पुलिस के प्रभारी दीपक साव का कहना है कि यदि सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किया गया होता, तो शायद यह हादसा इतना भयानक नहीं होता। हादसे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्थानीय युवाओं और वाहन चालकों से आग्रह किया है कि वे हमेशा हेलमेट पहनें, निर्धारित गति का पालन करें और सड़क पर सतर्क रहें।

नाबालिग से लूट का आरोपी गिरफ्तार, जेल दाखिल

आरोपी से मोटर साइकिल व चांदी का लच्छा बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कवर्धा

थाना कुण्डा पुलिस ने नाबालिग लड़के को डरा, धमकाकर चांदी का लच्छा लूटने वाले आरोपी को गिरफ्तार करते हुए पूरे मामले का खुलासा किया है। इस संबंध में कुण्डा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया ने थाना कुण्डा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गत 15 अगस्त को उसका नाबालिग पुत्र स्कूल जा रहा था। उसी दौरान आरोपी दिवेन्द्र उर्फ देवेन्द्र साहू, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम सेन्हाभाठा, ने उसे रास्ते में रोककर पैसों की मांग की। पैसे न देने पर आरोपी नाबालिग को अपने घर ले गया, वहां हथियार जैसा दिखाकर भय उत्पन्न किया तथा पीड़ित को डरा, धमकाकर उसकी माता के कमरे में रखे चांदी के लच्छा को निकलवाकर अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद आरोपी नाबालिग को अपने मोटर साइकिल में बैठाकर ग्राम पोड़ी ले गया, जहां चांदी का लच्छा बेचने की कोशिश की, किंतु असफल होने पर वापस गांव लेकर आ गया और चांदी का आभूषण अपने पास ही रखा रहा। बाद में नाबालिग द्वारा घटना की जानकारी अपनी मां को दी गई, जिसके आधार पर थाना कुण्डा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान 7 दिसम्बर 2025 को आरोपी दिवेन्द्र उर्फ देवेन्द्र साहू के कब्जे से लूटा गया चांदी का लच्छा तथा घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 09 जेपी 6977 को जप्त किया गया। आरोपी द्वारा धारा 308(2), 309(2), 137(2) बीएनएस के अपराध घटित करना पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी कुण्डा निरीक्षक विमल लवानिया के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक एवं आरक्षकों की टीम ने सराहनीय भूमिका निभाई है।

मेहमान युवक की बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

मौसा के घर काम करने आए मेहमान युवक की बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी है। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए।

परिजन व अस्पताल चौकी पुलिस के अनुसार रोहित नाग पिता रामाधार उम्र 23 वर्ष ग्राम ठेलकाबोड़ जिला कांकेर निवासी लगभग महीने भर पहले अपने मौसा गोपालराम ढीमर ग्राम सेमरा बी (बारना) थाना कुरूद निवासी के यहां उसके मकान निर्माण कार्य में सहयोग करने आया था। युवक मौसा के घर रहकर काम करता था। रविवार को रोहित अपने मौसेरे भाई यादराम ढीमर व गांव के खेम पटेल के ट्रेक्टर में बैठकर धान खाली करने कुरूद मंडी गया था जहां से रात्रि में धान खाली करके ट्रेक्टर में बैठकर ग्राम सेमरा आ गया। गांव के चौक के पास ट्रेक्टर से उतरकर दोनों भाई पैदल घर पहुंच गए। हाथ पैर धोने के बाद रात्रि 9.30 बजे दोनों घर में खाना खाने बैठ गए। इसी दौरान घर के बाहर शोरगुल व गाली-गलौज की आवाज सुन रोहित खाना छोड़कर बाहर निकल रोड की तरफ चला गया। इसी दौरान मोटरसाइकिल में पांच युवक पहुंचे और रोहित के सिर के बाल को पकड़ उसके पेट के बाएं हिस्से व जांघ पर चाकू से हमला कर दिया।

सुपारी लेकर कार में लगाई आग, कुल 7 आरोपी गिरफ्तार

बालोद/दल्लीराजहरा। सुपारी लेकर हमर राज पार्टी के जिला अध्यक्ष व पत्रकार के कार में आग लगाने में आरोपियों को सहयोग देने वाले ग्राम अंगारी सरपंच व 01 आरोपी को बालोद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पूर्व में 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इस तरह मामले में अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 01 दिसंबर को प्रार्थी देवेन्द्र साहू की कार को जलाने के मामले मे रिपोर्ट पर धारा 326(जी),3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। थाना बालोद एवं सायबर सेल बालोद स्टाफ के द्वारा पूर्व में 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, गिरफ्तार आरोपियों से पुछताछ पर ग्राम अंगारी सरपंच ममता डडसेना एवं ममता डडसेना के पति अष्वनी डडसेना के सहयोगी श्यामु यादव उर्फ रिंकू द्वारा देवेन्द्र साहू के कार में आग लगाने के लिए रूपये देना बताये जाने पर ममता डडसेना एवं श्यामू यादव उर्फ रिंकू को कड़ाई से पुछताछ किया, जिन्होने पूर्व से जेल में निरूध्द अश्वनी डडसेना के कहने पर प्रकरण के प्रार्थी देवेन्द्र साहू के कार में आग लगाने के लिए दल्लीराजहरा के आरोपियों को सुपारी दिया था।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, सुरक्षा गार्ड 66, वेतन 13000, 10000/- संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

कृषि कार्य/लेबर/ठेकेदार

आवश्यकता है- नया रायपुर परसदा स्थित कृषि फार्म में कार्य करने हेतु महिला, पुरुष एवं तेलीबांधा रायपुर में कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु लेबर, मिस्त्री, ठेकेदार, सुपरवाइजर की आवश्यकता है दोनों जगह रहने की सुविधा उपलब्ध है। सम्पर्क करे- 9826415569. (RO-6591)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार- आशीष शुभम मेडिकोज, 41 छत्तीसगढ़ दवा बाजार, राजबंधा मैदान, रायपुर फोन 8103981038. (RO-401)

आवश्यकता है- आटो एसेसरीज होल शॉप में कार्य हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। संपर्क - श्री राम आटो एम.जी. रोड रायपुर:- 9300627327. (RO-6590)

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक, गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है संपर्कः- रायपुर 9827918086, 9685688086. (RO-410)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- हार्डवेयर नट बोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है योग्यता पांचवी, बारहवीं वेतन 14000 से योग्यतानुसार बॉम्बे मार्केट राज टॉकीज के सामने - 83491 29778. (RO-4046)

ड्रायक्लीनर कार्य

आवश्यकता है- लॉन्ड्री में ड्राइक्लीन/ धुलाई एवं प्रेस कार्य करने हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10,000 से शुरू एवं योग्यतानुसार (अनुभवी को प्राथमिकता)। संपर्क - 94060 -42310. (RO-0092)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री संपर्क:- 7870192397, 7796880121. (RO-385)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है, योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री, ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना 8871422576, 9981576163 (Ro-515)

इंजीनियर

आवश्यकता है- डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर Email - raipurhyd@gmail.com 8871739555, 8770949941. (RO-39358)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टीचर

आवश्यकता है- साई शिक्षा पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में नर्सरी से 8वी तक पढ़ाने के लिए टीचर कि आवश्यकता है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेक्टर 05 सेजबहार रायपुर 9406250678. (RO-105)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- Sales मैन की सैलरी, 10000/- एवं सेल्स गर्ल की, 7500/- होलसेल बैग दुकान में हरिओम प्लास्टिक कपड़ा मार्केट पंडरी गेट नं 8 के सामने रायपुर समय मिलने का 11 से 02 मो. 7440784646. (RO-103)

ऑपरेटर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग के लिए कम्प्युटर ऑपरेटर तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9425206658. (RO-7265)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- N.S.N. कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35 वर्ष, सैलरी 10 से 15 हजार, रहना फ्री संपर्क करें:- रायपुर- 9993929100, भिलाई- 9827622050. (RO-411)

हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम, बिजली की सुविधा फ्री। पता बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 (RO-39331)

क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक में कार्य करने के लिये 8वीं, 10वीं, पास लड़की की आवश्यकता है। मिलने का समय सुबह 10 से 2, शाम 5 से 8। दांत का दवाखाना, प्रथमतल, समता शॉपिंग आर्केड मेनरोड समताकॉलोनी रायपुर (RO-0094)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्नीशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 संपर्क करे:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:- 9826652461. (RO-406)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान .जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव- प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.- 98932-15251,89669-81590. (आरो न.-694)

आवश्यकता

आवश्यकता है- क्लिनीक/दवा कंपनी में कार्य हेतु, 10वीं/12वीं, पढ़े लड़की/लड़के की आवश्यकता है,अविवाहित एवं दुर्ग निवासी को प्राथमिकता। मिलने का समय-शाम 5से 7बजे, संपर्क- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फायनेंस के पीछे दुर्ग, डॉ . एच. सी .अग्रवाल- 94255-55659 ,96177-89223. (आरो न.-4123)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- शुअवसर 3000/- से 5000/- घर बैठे कमाएं। कच्चा माल हमसे लेकर तैयार माल दे। संपर्क करें- 9977376616 पता- गोल्डन मार्बल के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका के पास रिंग रोड़ नंबर-1, रायपुर (RO-6587)

वेल्डर चाहिए

वेल्डर चाहिये-किराया भंडार में काम करने के लिए वेल्डर की आवश्यकता है। संपर्क करें- 9827140068. (RO-A)

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी परमानेंट बेसिस पर सीधी पक्की भर्ती, 6230 सीट ,पद - वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, वनरेंजर,सैलरी - (28500-38500/-) (10वी- 12वी पास) लड़के लड़कियां आवेदन के लिए- आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट, व्हाट्सएप / कॉल करें - 9685327774. (RO-1254)

आवश्यकता है- Realince Jio 5-G कंपनी मे पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियां गृहणियां कमाए घर बैठे (21500-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798544556, 9296821428. (RO-1255)

आवश्यकता है- पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें 8092366306, 9631470837. (RO-757)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Property प्रापर्टी

मकान

बेचना है- अमलीडीह सेंट जोसेफ स्कूल रोड पर ईस्ट फेसिंग 1060 वर्गफीट प्लॉट एरिया में सर्वसुविधायुक्त 3 BHK डुप्लेक्स मकान 2000 वर्गफीट कंस्ट्रक्शन (पानी बोर सहित) अतिशीघ्र बेचना है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9301690016. (RO-401)

For Rent किराया

दुकान/गोडाऊन

दुकान/ गोडाऊन किराए से देना है- दुकान किराए से देना है महावीर टावर उरला मेन रोड (बिरगांव रायपुर) में 11x28 साइज 12 दुकान उपलब्ध है। और साथ ही 1000ft, 2000ft, 5000ft, गोडाऊन किराए पर देना है। मेन रोड उरला में संपर्क करें - 7566677048 (RO-6593)

Finance फायनेंस

फाइनेंस -राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्कशीट, आधारकार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान, हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्पलाइन नंबर:- 9817098991, 9817098991. (RO-412)

फाइनेंस- विजया फाइनेंस कंपनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधारकार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर संपर्क:- 7750826959, 9424164185. (RO-413)

हरिभूमि क्लासीफाईड

RAIPUR Smart BUSINESS
GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं) www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

फाइनेंस- रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए, संपर्क:- 9311830460. (RO-414)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

हरिभूमि क्लासीफाईड

हरिभूमि क्लासीफाईड एजेंसी
विज्ञापन हेतु संपर्क करें...

एजेंसी	पता	संपर्क नं.
अतुल पब्लिसिटी	सदर बाजार	94062-00210
ओम विज्ञापन एजेंसी	न्यू राजेन्द्र नगर	93036-90016
मितनिशा एड	रियो कॉम्पलेक्स देवपुरी	93298-46567
नाइस पब्लिसिटी	शारदा चौक	93002-19536
महेश्वरी पब्लिसिटी	देवेन्द्र नगर	0771-2234113
प्रेमप्रकाश मध्यानी	श्याम नगर/कटोरा तालाब	93294-07988
माँ एड एजेंसी	पी.एस. सिटी	93005-12211
राजेश पब्लिसिटी	समता कालोनी	99263-08899
विजय घोष	पुरानी बस्ती	98261-16051
आदित्य एड एजेंसी	टिकरापारा	93010-51757
देव एड एजेंसी	जयस्तंभ चौक	98268-77609
खन्ना एड एजेंसी	स्टेशन रोड	93001-60001
छत्तीसगढ़ डेल्टा	सुन्दर नगर	92294-96081
सुमीत एड एजेंसी	शहीद स्मारक	98261-61116
शिवम एड एजेंसी	बुढ़ातालाब	93291-00263
ए.के. एड एजेंसी	तात्यापारा चौक	98261-45558
किशोर पब्लिसिटी	छोटापारा	98271-62038
एम्बेसी कार्पोरेट	देवेन्द्र नगर	98267-06506
शांति विजय एड	पचपेढ़ी नाका	93001-61001
ए.एस.ए. एड एजेंसी	गुरूनानक चौक	98271-62101
प्रयास एड एजेंसी	श्याम प्लाजा	94062-36209

हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, पुजारी पार्क के सामने रायपुर
फोन- 0771-4242242, 90981-38778

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

जैकेट के शेष

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा...

जमीन ले या फिर एक एकड़ जमीन ले, उसकी पहले 15 हजार वर्गफीट की गणना वर्गफीट के आधार पर होती थी। लेकिन अब इस इंक्रीमेंटल प्रावधान को नए आदेश में समाप्त कर दिया गया है। अब पूर्व प्रचलित उपबंध अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 50 डेसिमल तक, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल तक, और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन के प्रावधान को यथावत लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। आप पत्रकार लोग प्रयोग करते है कि यह सरकार का यूटर्न है क्या, ऐसा कुछ नहीं है। जनता के हित में सरकार का यह उठाया गया कदम है।

पहले जो निर्णय लिया गया था वो आखिर किनको पसंद नहीं आया, इस संबंध में कुछ बताएं?

00 जमीनों में पहले वर्गफीट का रेट अलग होता था हेक्टेयर का रेट अलग होता था। इसके कारण बहुत सारे स्कैम हो गए। जैसे भारतमाला में भी स्कैम हुए। लोगों ने जमीनों के टुकड़े-टुकड़े करके करोड़ों रुपए का ज्यादा मुआवजा लेने का काम किया। इसके कारण भारत सरकार से योजनाओं के लिए जो पैसा मिल सकता था, वह भी नहीं मिल पाया। इसी वजह से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- आप अपने सिस्टम को सुधारें।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव को भी कहा। इसके बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई कि इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है। इस कमेटी की अनुशंसा के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में वर्ग फीट के रेट को समाप्त करके हेक्टेयर का रेट लागू किया गया। वर्ग फीट और हेक्टेयर के रेट में 12 से 15 गुना का अंतर था। ऐसे में कई स्थानों पर हेक्टेयर के रेट में तीन से चार गुना इजाफा करना पड़ा। ऐसे में कुछ स्थानों पर अव्यवहारिक स्थिति उत्पन्न हुई। मैं बताना चाहता हूं, प्रदेश में दस हजार से ज्यादा अनावश्यक रूप के कंडिकाएं बना दी गई थीं। इसमें से करीब चार हजार कंडिकाओं को समाप्त करने का फैसला किया गया। उसके कारण भी कई जगहों पर अव्यवहारिक स्थिति बनी है। जहां पर भी ऐसी स्थिति बनी है, उसको सुधारने के लिए तैयार हैं।

गाइडलाइन दरों पर...

राज्य सरकार द्वारा गाइडलाइन दरों में किए गए कई जनहितैषी सुधार भी लागू हो चुके हैं। नजूल, आबादी और परिवर्तित भूमि पर पहले वर्गमीटर दर लागू होती थी, जिसे अब कृषि भूमि की तरह हेक्टेयर दर पर लागू किया जाएगा। इससे भूमि मूल्य में भारी कमी आई है और नागरिकों को वास्तविक राहत मिली है। उदाहरणस्वरूप रायपुर के वार्ड 28 में एक एकड़ भूमि का मूल्य पहले 78 करोड़ रुपये आंका जाता था, जो अब नए प्रावधानों के अनुसार केवल 2.4 करोड़ रुपये होगा।

मूल्यांकन अब बिल्ट अप ...

में बेसमेंट और प्रथम तल पर 10 प्रतिशत तथा द्वितीय तल एवं उससे ऊपर के तल पर 20 प्रतिशत की छूट के साथ मूल्यांकन करने का निर्णय लिया गया है, जिससे मध्यम वर्ग को किफायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयाँ उपलब्ध होंगी।

स्टेट बार काउंसिल में ...

कोर्ट ने आदेश दिया कि 20% सीटें महिला सदस्यों के चुनाव द्वारा और 10% सीटें को-ऑप्शन द्वारा भरी जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जिन काउंसिलों में महिलाओं की संख्या अपर्याप्त हो सकती है, उनके संबंध में को-ऑप्शन का प्रस्ताव उसके समक्ष रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन 6 बार काउंसिलों में महिलाओं के लिए सीटें निर्धारित करना विवेकपूर्ण नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। राज्यों के बार काउंसिल चुनावों में महिला रिजर्वेशन मामले पर सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, सभी राज्य बार काउंसिलों में महिलाओं के लिए 30% रिजर्वेशन के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। **बिना प्रैक्टिस चुनाव लड़ने वालों की संख्या ज्यादा:** वरिष्ठ वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि कुछ बार काउंसिलों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है और इस राहत को उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में लागू करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र में संख्या ज्यादा है, लेकिन सक्रिय रूप से प्रैक्टिस करने वाली की संख्या कम है।

नक्सल उन्मूलन के...

है। पहले भी यहां नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को हमारी सरकार के 2 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन दो वर्षों में यहां के जवानों ने काफी बहादुरी से नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खाते में के लिए डेडलाइन जारी किया है। जिसमें लगातार सफलता मिल रही है, नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत पूरा लाभ मिलेगा।

एमसी जोन में हुआ...

उनका अपने साथियों के साथ समर्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में दो ही सीसी मेंबर थे। जिसमें एक हिड़मा और एक रामधेर था। जिनका समर्पण हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि एमसी जोन की यह सीमा अब नक्सल मुक्त होकर खाली हो गई है। हम इस पुनर्वास का स्वागत करते हैं।

एक करोड़ के इनामी नेता...

लंबे समय से सक्रिय इन नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने के लिए लगभग एक माह से राजनांदगांव पुलिस सक्रिय नजर आ रही थी। आज शहर के पुलिस लाइन में एक संक्षिप्त समर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नक्सलियों के आत्म समर्पण के दौरान डीजीपी अरुण देव गौतम, एडीजी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद, आईजी अभिषेक शांडिल्य, आईटीबीपी के डीआईजी अनवर इलाही एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में सभी नक्सलियों ने अपने हथियार डालते हुए समाज की मुख्य धारा में लौट आए।

पेज एक के शेष

अप्रशिक्षित हाथों में...

दो घंटे तक चर्चा की थी। सोमवार की रात रेल सुरक्षा आयुक्त श्री मिश्रा ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट एसईसीआर जोन मुख्यालय और डिवीजन को भेज दी है। इस रिपोर्ट में उन्होंने बताया है कि लोकल ट्रेन के हादसे की पूरी गलती रेल प्रशासन की है। विभाग ने चालक को साइको टेस्ट में पास नहीं होने के बाद भी यात्री ट्रेन को चलाने की जिम्मेदारी सौंप दी। अगर यात्री ट्रेन की कमान किसी को देना था तो उसे सायकोलोजिकल टेस्ट पास चालक को दिया जाना था। रेल प्रशासन की गलती के कारण यह हादसा हुआ है, जिसे सुधार करने की आवश्यकता है।

मोदी बोले-नेहरू को...

जिस मंत्र और जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी और त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था। उस वंदे मातरम् को स्मरण करना हम लोगों का सौभाग्य है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम इस पल के साक्षी बन रहे हैं। देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने बंकिम चंद्र चटर्जी के लिखे इस राष्ट्रीय गीत के आजादी की लड़ाई में योगदान, इसके ऐतिहासिक महत्व और आज की जरूरत पर बात की। लोकसभा में वंदे मातरम् पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम पर समझौता किया, और उसी का नतीजा बाद में देश के विभाजन को स्वीकार करने के रूप में सामने आया। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस की नीतियों में तब से लेकर आज तक कोई बदलाव नहीं आया है। लोकसभा में चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि उन परिस्थितियों को भी नई पीढ़ियों को बताने का उनका दायित्व है जिनकी वजह से वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात किया गया। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का ज़िक्र किया। मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को 'वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?' उन्होंने कहा, वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति तेज़ होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम् के ख़िलाफ़ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा, बजाय इसके कि मुस्लिम लीग के आधारहीन दावों को वो करारा जवाब देते, इसके उलट उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी। पीएम मोदी ने कहा एक ऐसा कालखंड जो हमारे सामने इतिहास की अनगिनत घटनाओं को अपने सामने लेकर आता है। यह चर्चा सदन की प्रतिबद्धता को तो प्रकट करेगी ही, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह शिक्षा का कारण बन सकती है अगर हम इसका सदुपयोग करेंगे।

अब देना पड़ रहा...

लगते थे, लेकिन अब पूरे पैसे देने पड़ रहे हैं। इसी तरह से हजार यूनिट की खपत का बिल 6590 रुपए होता है, इसका आधा यानी 3295 रुपए ही देना पड़ता था, लेकिन अब पूरे पैसे लग रहे हैं। दिसंबर का जो बिल आ रहा है, उसमें छूट का समाप्त कर दिया गया है।

सड़क निर्माण कार्य से...

कर अपने साथ ले गये थे। ठेकेदार का एक सहयोगी नक्सलियों के चंगुल से बचकर इरापल्ली के मेटागुड़म सुरक्षा कैंप पहुंचा और जवानों को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। सुरक्षा बलों को सूचना मिलते ही घटनास्थल की ओर टीमें रवाना कर दी गईं। लेकिन ठेकेदार इम्तियाज अली को नक्सलियों के कब्जे से बचाया नहीं जा सका। नक्सलियों ने ठेकेदार की हत्या कर शव को फेंक दिया। नक्सलियों के पामेड़ एरिया कमेंटी ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए शव के पास एक पर्चा फेंका है। स्थानीय ग्रामीणों और निर्माण कर्मचारियों ने बताया कि ठेकेदार इम्तियाज़ अली हमेशा परियोजना के कार्यों को समय पर पूरा करने और मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में आगे रहते थे। इस घटना ने बीजापुर जिले में सुरक्षा और विकास कार्यों पर नक्सलियों के खतरे को फिर से उजागर कर दिया है।

उत्तरप्रदेश का रहने वाला था ठेकेदार : मिली जानकारी के मुताबिक ठेकेदार उत्तरप्रदेश का रहने वाला था। लेकिन काफी समय से नारायणपुर जिले के धौड़ाई इलाके में रह रहा था। बीजापुर के पामेड़ इलाके में सड़क निर्माण कार्य में पेटी ठेकेदार के रूप में सड़क का काम करवा रहा था। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

ठेकेदार की हत्या कर पुलिस को चुनौती : लंबे समय बाद नक्सलियों ने किसी ठेकेदार की हत्या की है। मार्च 26 तक नक्सल समस्या को पूरी तरह खत्म करने के एलान के बाद से अंदरूनी क्षेत्र में बड़ी संख्या में सुरक्षा कैम्प खोल कर लगातार सर्चिंग और गश्त चल रही है। इस बीच नक्सलियों पर दबाव बढ़ने से सरेंडर और हत्याओं का लगातार सिलसिला चल पड़ा है। इस बीच नक्सलियों ने ठेकेदार की हत्या कर अपनी मौजूदगी का एहसास करा दिया है। इसे लेकर आम लोगों और अंदरूनी क्षेत्र में काम करने वाले लोगों में दहशत देखा जा रहा है। कुछ साल पहले सीमा सड़क संगठन का काम करने वाले महाराष्ट्र के एक बड़े ठेकेदार को पटनम और मद्देड़ के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग में नक्सलियों ने मौत के घाट उतार दिया था। अब फिर ठेकेदार की हत्या से माहौल तनावग्रस्त हो गया है। एक तरह से नक्सलियों ने पुलिस कैम्प इलाके में ठेकेदार को अगवा कर हत्या कर पुलिस को सीधी चुनौती दी है।

चैतन्य बघेल की याचिका...

गिरफ्तार चैतन्य बघेल 18 जुलाई से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। चैतन्य की ओर से अदालत में ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए राहत की मांग की गई थी। वहीं ईडी ने अपने पक्ष रखते हुए चैतन्य के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर विस्तार से तर्क दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में हुई। दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। साथ ही 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

अपराध सिर्फ यही कि पूर्व...

बघेल की गिरफ्तारी की गई है, जो सही नहीं है। पप्पू बंसल के खिलाफ नॉन बेलेबल वारंट है और वह बाहर घूम रहे हैं। किसके दबाव में उन्होंने इस तरह का बयान दिया है यह आप समझ सकते हैं। यह भी कहा गया कि 2022 से शराब घोटाले मामले में जांच चल रही है, और आज चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी तक एक भी समंस चैतन्य बघेल को नहीं दिया गया है। मार्च में जब उनके घर में रेड की गई थी तब उनके सभी डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए थे। जो डॉक्यूमेंट एजेंसी ने मांगी थी, उन्हें सभी डॉक्यूमेंट को चैतन्य के जरिए दिया गया है। ईडी की जांच में चैतन्य बघेल ने लगातार सपोर्ट किया है, जांच में भी शामिल हुए हैं लेकिन एक बार भी उनका बयान नहीं लिया गया। सीधे उनकी अरेस्टिंग की गई है। कानून को ताक पर रखकर चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया गया है, उनका अपराध सिर्फ यही है कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

दिवंगत कर्मचारी की जीपीएफ राशि पत्नी-मां के बीच बराबर बांटी जाए

कहा- परिवार बनने से पहले का नामिनी नहीं माना जाता वैध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक मामले में एक महिला की याचिका स्वीकार कर ली। महिला ने कहा कि उसके दिवंगत पति की नौकरी के दौरान जमा हुई सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की रकम उसे मिलनी चाहिए, भले ही पति की मां को ही नामित (नॉमिनी) किया गया हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जब कोई कर्मचारी परिवार बनाता है (जैसे शादी हो जाती है), तो पहले भरा गया नामांकन फॉर्म अपने-आप मान्य नहीं रहता। यानि, अगर कर्मचारी ने परिवार बनने से पहले किसी को नामित किया था, तो वह नामांकन बाद में वैध नहीं माना जाता। ऐसी स्थिति में जीपीएफ की रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बराबर हिस्से में बांटी जानी चाहिए। पीठ ने पत्नी की याचिका मंजूर करते हुए कहा कि हालांकि, दिवंगत कर्मचारी ने अपनी मां को नामित किया था, लेकिन नामांकन फॉर्म में मौजूद शर्तों के अनुसार कर्मचारी की मृत्यु के समय वह नामांकन मान्य नहीं रह गया।

मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं

अदालत ने यह भी साफ कहा कि जीपीएफ का नामांकन फॉर्म या उसमें भरा गया कोई भी हिस्सा, मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं देता। सरकारी नौकरी करने वाले पति ने 2003 में अपनी पत्नी (याचिकाकर्ता) से शादी की। शादी के बाद उसने कई अन्य नौकरी से जुड़ी सुविधाओं में पत्नी को ही लाभ लेने वाला (नॉमिनी) बनाया, लेकिन जीपीएफ (सामान्य भविष्य निधि) वाले नामांकन में बदलाव नहीं किया और वह पहले जैसा ही बना रहा। शीर्ष अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रासंगिक नियम वास्तव में यह प्रावधान करते हैं कि जब कोई नामांकन अमान्य हो जाता है, तो राशि सभी पात्र सदस्यों के बीच वितरित की जानी चाहिए और कहा कि पति के पास 2003 में अपनी शादी और 2021 में उनकी मृत्यु के बीच जीपीएफ के लिए नामांकन को बदलने का अवसर था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

नामांकन अमान्य होने पर यह होगा

अदालत ने यह स्पष्ट किया कि नियमों के अनुसार, अगर नामांकन अमान्य हो जाए, तो जमा हुई जीपीएफ की रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बांटी जाती है। अदालत ने यह भी कहा कि पति के पास 2003 में शादी होने से लेकर 2021 में उनकी मृत्यु तक, जीपीएफ का नामांकन बदलने का पूरा मौका था, लेकिन उन्होंने नामांकन बदलने की कोई कोशिश नहीं की। पीठ ने कहा कि जीपीएफ के नियम बिल्कुल साफ हैं कि अगर कर्मचारी का परिवार बन जाता है (जैसे शादी हो जाती है), तो मां के नाम किया गया नामांकन स्वतः अमान्य हो जाता है। इसलिए कोर्ट ने माना कि मां के पक्ष में किया गया नामांकन 2003 में, यानी शादी के समय ही, अमान्य हो गया था।

क्या है पूरा मामला?

जुलाई 2021 में जिन सरकारी कर्मचारी का देहांत हुआ, उनकी पत्नी को पति की नौकरी से मिलने वाले सभी लाभ मिल गए, कुल मिलाकर 60 लाख रुपये। लेकिन जब पत्नी ने पति की जीपीएफ (सामान्य भविष्य निधि) की रकम लेने की कोशिश की, तो संबंधित अधिकारी ने उसे देने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि नामांकन में केवल पति की मां को ही लाभ लेने का हक है। जिसके बाद पत्नी ने कैट (केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण) में याचिका दायर की। कैट ने फैसला किया कि जीपीएफ की रकम पत्नी और मां के बीच बराबर-बराबर बांटी जाए। लेकिन बाद में बॉम्बे हाई कोर्ट ने कैट के इस फैसले को रद्द कर दिया। इसके बाद पत्नी ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

गजनवी की तबाही की पूरी कहानी और नालंदा विध्वंस भी शामिल

एनसीईआरटी ने 7वीं की सोशल साइंस में किया बदलाव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने क्लास 7 सोशल साइंस की नई टेक्स्टबुक में बदलाव किए है। इस बार 2026-27 के नए सिलेबस की बुक्स में महमूब गजनवी के भारत पर हमलों को विस्तार से जोड़ा गया है। पिछली किताबों में इस विषय पर केवल छोटा सा पैराग्राफ था। नई किताब में इस चैप्टर का नाम द गजनवी इनवासिसंस है। इसमें विद्यार्थियों को छह पेज का पूरा सेक्शन मिलेगा, जिसमें गजनवी के भारतीय उपमहाद्वीप पर 17 हमलों की लिस्ट दी गई है।

इसमें मथुरा और कन्नोज के मंदिरों को तोड़ने, गुजरात के सोमनाथ मंदिर के विध्वंस और शिवलिंग हटाने का समझाया गया है। बुक में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कब हुआ? किसने किया? ये सब बताया गया है। इसी के साथ छात्रों के लिए कुछ सवाल में शामिल किए हैं। जैसे मंदिर के पुनर्निर्माण का पूरा खर्चा सार्वजनिक दाने से क्यों उठाया गया। गजनवी सेक्शन से पहले एक बॉक्स में सावधानी का संदेश दिया गया है। जिसमें कहा गया कि ऐतिहासिक विवरण अक्सर युद्धों और संघर्षों को अधिक स्थान देते हैं। जबकि शांति और सांस्कृतिक उपलब्धियों को कम।

नई बुक में क्या पढ़ेंगे छात्र?

नई बुक में विद्यार्थी पढ़ेंगे कि गजनवी के हमलों के दौरान हजारों आम भारतीयों का नरसंहार हुआ था। इन्होंने कैदियों को गुलाम बनाया और कैसे बच्चों को मध्य एशिया के गुलाम बाजारों में बेच दिया। अल-उतबी और अल-बिरूनी जैसे ऐतिहासिक स्रोतों का हवाला देते हुए गजनवी को शक्तिशाली, लेकिन क्रूर और बेरहम कमांडर के रूप में वर्णित किया। जिन्होंने हिंदू, बौद्ध, जैन और प्रतिद्वंद्वी इस्लामी पंथों को निशाना बनाया था।

नालंदा और विक्रमशिला के विध्वंस का विस्तार

इस बार किताब में नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों के विध्वंस का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। जो पुराने संस्करण में अनुपस्थित था। किताब में लिखा है कि बड़े पैमाने पर भिक्षुओं की हत्या की गई। पुस्तकालय महीनों तक जलते रहें और इसे भारत में बौद्ध धर्म के पतन की बड़ी वजह मानी गई। अरब आक्रमण और सिंध पर सेक्शन भी जोड़ा गया है। वहीं, 6वीं से 10वीं सदी वाले अध्याय में हूणों और अरबों के हमलों पर नए सेक्शन शामिल हुए हैं। मुहम्मद बिन कासिम के सिंध अभियान को 13वीं सदी के फारसी स्रोम के आधार पर धार्मिक कर्तव्य के रूप में दर्शाया गया है। काफिर जैसे एतिहासिक शब्दों के संदर्भ को समझाया गया है।

इंटीग्रेटेड टेक्स्टबुक का नया मॉडल

नई शिक्षा नीति एनईपी 2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2023 के अनुसार, कक्षा एक से आठ तक की किताबें बदली जा रही हैं। क्लास 7 के छात्र अब हिस्ट्री, सिविक्स और जियोग्राफी तीनों चैप्टर्स के लिए अलग-अलग किताबों की जगह दो इंटीग्रेटेड सोशल साइंस टेक्स्टबुक का इस्तेमाल करेंगे।

पर्यावरण अनदेखी पर हुई राज्यसभा में चिंता

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को अरावली पर्वतमाला को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। कांग्रेस सांसद अजय माकन ने केंद्र सरकार द्वारा 20 नवंबर को स्वीकार की गई नई परिभाषा को "आपदा" करार देते हुए कहा कि यह उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत को "धूल का कटोरा" बनने की ओर धकेल सकती है।

माकन ने बताया कि अरावली पर्वत 2.5 अरब वर्ष पुराने हैं और इनका भू-आकृतिक महत्व अत्यंत विशिष्ट है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रस्तावित 100 मीटर की शब्दावली, जिसके तहत किसी भी पहाड़ी को अरावली का हिस्सा तभी माना जाएगा जब वह अपने स्थानीय धरातल से 100 मीटर या अधिक ऊँची हो, वास्तविकता से मेल नहीं खाती। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस मापदंड को लागू करने से राजस्थान की 99 फीसदी अरावली पहाड़ियां परिभाषा से बाहर हो जाएंगी, जिससे संरक्षण का पूरा ढांचा ही ध्वस्त हो जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई- निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी.- बीएसपी-टी-159-25-26, दिनांक 03.12.2025

कार्यः दो वर्षों के लिए सहायक मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत शीतकालीन गश्त के लिए सहायक गश्ती दल (गश्ती दल साथी) की तैनाती।

निविदा मूल्य :1,35,59,659.20/- **अमानत राशि** :(रु) 2,17,800.00/- **कार्य पूर्णता की अवधिः** 24 माह **निविदा जमा की आरंभ तिथी** : दिनांक 15-12-2025 के 11.00 बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथीः** दिनांक 29-12-2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/519 **द.पू.म.रेलवे बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

भारतीय नागरिकों को सरकार की सलाह

चीन से गुजरते या यात्रा करते वक्त सावधानी बरतें भारतीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पिछले महीने अरुणाचल-प्रदेश की एक भारतीय महिला प्रेमा वांगजॉम थोंगडोक को शंघाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रताड़ित करने की एक बेहद अमानवीय घटना पर सोमवार को एक बार फिर से भारत ने बेहद सख्त अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें सोमवार को हुई विदेश मंत्रालय की मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दो चीजें बिलकुल साफ कर दी। एक में उन्होंने कहा कि हमने अपेक्षा के साथ चीन की सरकार के अधिकारियों से इस बात का आश्वासन देने के लिए कहा है कि वो चीन के हवाईअड्डों से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को किसी प्रकार से निशाना नहीं बनाएंगे। मतलब उन्हें यात्रा के दौरान न तो रोका जाएगा और न ही किसी तरह से परेशान किया जाएगा।

चीनी दूतावासों के समक्ष जताई आपत्ति

पूर्व में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हमने मामले को लेकर नई दिल्ली और बीजिंग में चीनी दूतावास के समक्ष कड़ी नाराजगी जाहिर की है। साथ ही उन्हें ये भी साफ किया है कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के एक राज्य अरुणाचल-प्रदेश की भारतीय महिला को यूं प्रताड़ित करना द्विपक्षीय संबंधों के लिए मददगार साबित नहीं होगा। अरुणाचल भारत का अभिन्न और अपरिहार्य अंग है और हमेशा बना रहेगा।

गुजरात : पूर्व आईएएस को 5 साल की जेल

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी को पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने उनको मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी ठहराया है। भुज के पूर्व ज़िला कलेक्टर प्रदीप निरंकारनाथ शर्मा को धन शोधन निवारण अधिनियम के दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। अहमदाबाद की एक स्पेशल कोर्ट हाल ही में यह फ़ैसला सुनाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2010 से 2014 के बीच गुजरात में दर्ज कई पुलिस मामलों के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी, जिनमें भ्रष्टाचार, आपराधिक षड्यंत्र और अनियमित भूमि आवंटन का आरोप लगाया गया था।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India
G.E. Road, Raipur – 492010 (CG)

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार है: **Name of Work : Construction Work of Badminton Court in NIT Raipur.**
Enquiry no.: No./NITRR/EE/EO/ETender/2025/0247 Raipur, Dated: 05-12-2025 (2nd call).
जो की ई–निविदा के माध्यम से **www.tenderwizard.in/NITR** पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि **13/12/2025 18:00** बजे तक व निविदा खुलने की तिथि **15/12/2025 16:00** बजे। फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट **www.nitrr.ac.in** व **www.tenderwizard.in/NITR** से डाउनलोड की जा सकती है।

–सही–
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी.रायपुर
ASA

शब्द पहेली - 6072

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	■	15	■	16	17	
	■		■	18			19	■		■
20	21		22		■	23		24		25
■		■	26					■		
27		28	■		■	■	29			
	■	30	31	■	32				■	
33	34	■	35			■		■	36	
37				■	38					

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6071 का हल

उ	प	चा	र	■	मि	■	वि	रा	स	त
■	र	■	घु	■	ग	द	र	■	ही	न
क	■	■	व	रा	ह	■	ह	■	■	हा
म	हा	वी	र	■	बा	ल	■	क	मा	ई
जो	■	रा	■	ना	न	■	श	■	ख	■
र	म	णी	य	ता	■	भा	व	ही	न	ता
■	न	■	म	■	ज	ल	■	ट	■	र
अ	का	ल	■	शू	ल	■	नी	र	व	ता
प	■	■	न	■	प्र	ख	र	■	■	र
रा	ल	■	म	हु	बा	■	स	■	मी	■
ध	ड़	क	न	■	ह	■	ता	र	त	म्य

सूडोकु नवताल - 6082

★★★✯☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6081 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

खबर संक्षेप

रिलायंस इंफ्रा सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी नीत रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना कर रही है जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 2,061 से 2,165 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपये (करीब 11.86 अरब डॉलर) आंका गया है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 90.09 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

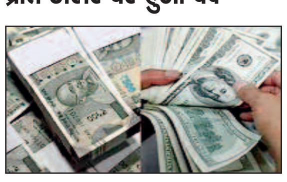

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.09 के भाव पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता जैसे कई दबावों के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है।

सीएट वैश्विक बाजार के लिए टायर बना रहा

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है।

सेबी ने किया मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा। नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है।

वारी सोलर अमेरिकाज इंक को मिला सौर पैनल का ठेका

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज की अमेरिकी इकाई वारी सोलर अमेरिकाज इंक को अमेरिका की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सबांसी रिन्यूएबल्स से 288 मेगावाट के सौर पैनल का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी। वह शेयर बाजार को यह ठेका मिलने की जानकारी पांच दिसंबर को पहले ही दे चुका है। यह ठेका टेक्सास में दो बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं, वाको स्थित पेपर सौर परियोजना और ब्रैशियर स्थित लकी-7 सौर परियोजना में बांटा गया है।

गिरता रुपया और एआई चिप की कमी से महंगा हो सकता है स्मार्ट टीवी व स्मार्टफोन

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सितंबर 2025 में जीएसटी कट में कई प्रोडक्ट्स की कीमत कम हुई। इन प्रोडक्ट्स की लिस्ट में स्मार्ट टीवी भी हैं, जिन पर पहले 28 फीसदी जीएसटी लगता था। अब इन स्मार्ट टीवी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। जीएसटी कम होने के साथ ही स्मार्ट टीवी भी सस्ते हुए है, लेकिन अब इनकी कीमत बढ़ सकती है।

- पिछले चार महीने में एआई चिप की कीमतों में 6 गुना तक वृद्धि हो गई

स्मार्ट टीवी की कीमत बढ़ने की दो वजह हैं। एक तो स्मार्ट टीवी में इस्तेमाल होने वाले एआई चिप और दूसरा लगातार गिरता रुपया। दोनों ही वजह से टीवी की कीमत आने वाले दिनों बढ़ सकती है।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच चुका

चिप्स की सप्लाई भी बनी चुनौती

ऐसे में चिप्स की कमी को पूरा करने के लिए एआई डेटा सेंटर्स को डीडीआर3 और डीडीआर4 चिप्स भी सप्लाई किए जा रहे हैं। इसकी वजह से स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी मेकर्स को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर फ्लैश मेमोरी चीन से इंपोर्ट होती हैं। इनका इस्तेमाल टीवी, मोबाइल, लैपटॉप, फ्लैश ड्राइव और यूएसबी डिवाइसों में होता है।

मेमोरी चिप्स हुई महंगी : सीईओ ने बताया कि पिछले चार महीनों में मेमोरी चिप्स की कीमत 6 गुना तक बढ़ गई है। इसकी वजह से टीवी की कीमतों में जीएसटी कट की वजह से जो रियायतें मिली थीं, वो खत्म हो सकती हैं। इसकी वजह से टीवी की मांग जो हाल में बढ़ी थी, उसे झटका लग सकता है।

फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज

दरअसल, पिछले कुछ वक्त से बाजार में फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज है। इसका असर सिर्फ टीवी के बाजार पर ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन्स पर भी देखने को मिल रहा है। बीते कुछ दिनों में लांच हुए ज्यादातर फोन्स अपने पिछले वर्जन के मुकाबले काफी ज्यादा कीमत पर आए हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि डीडीआर3 और डीडीआर4 मेमोरी चिप्स की सप्लाई कम हुई है। इसकी वजह एआई डेटा सेंटर हैं। एआई डेटा सेंटर्स में डीडीआर6 और डीडीआर7 चिप्स का इस्तेमाल होता है। लेकिन मांग बढ़ने से चिप मेकर्स सप्लाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

कमजोर होता रुपया

पहले बात करते हैं रुपया की, जो अपने निचले स्तर पर पहुंचा हुआ है। रुपया डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच गया है। जिन प्रोडक्ट्स को इंपोर्ट किया जाता है, उनकी कीमत पर इसका असर होगा। एसपीपीएल के सीईओ अवनीत सिंह मरवाह के अनुसार रुपये के गिरने और मेमोरी चिप्स की कीमत बढ़ने से जीएसटी का जो फायदा लोगों को मिला था, उसके पूरी तरह से खत्म होने का डर नजर आने लगा है।

वाहन डीलर संगठन फाडा ने दी जानकारी

मोटर वाहन की खुदरा बिक्री नवंबर में बढ़ी, पंजीकरण में दो फीसदी तेजीः फाडा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

त्योहारों के बाद मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही और नवंबर में पंजीकरण में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे यात्री वाहनों, तिपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर की मजबूत मांग से बल मिला। वहान डीलर के संगठन फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, नवंबर 2024 में 32,31,526 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 33,00,832 इकाई हो गई। पिछले साल दीपावली एवं धनतेरस अक्टूबर के अंत में पड़े थे और वाहनों का पंजीकरण नवंबर में हुआ था, जिससे बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

- त्योहारों के बाद खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही
- तिपहिया, वाणिज्यिक व ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही
- जीएसटी दरों में कटौती का फायदा ग्राहकों को मिला

त्योहारों के बाद भी बिक्री में तेजी जारी

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती और मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के डीलर द्वारा की जा रही खुदरा पेशकशों से ग्राहकों ने खरीद की योजना बनाई जिससे त्योहारों के बाद भी ग्राहकों की संख्या में लगातार बढ़ती रही।

यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 फीसदी बढ़ा

उद्योग निकाय के अनुसार, नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 प्रतिशत बढ़कर 3,94,152 इकाई हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,29,253 इकाई से अधिक है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, विवाह संबंधी मांग, उच्च प्रतीक्षा वाले मॉडलों की बेहतर आपूर्ति और कॉम्पैक्ट एसयूवी से निरंतर बढ़ावा के कारण इस खंड में वृद्धि देखी गई।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट

नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले साल की तुलना में तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रह गई। इस प्रकार, वाहनों का भंडार (स्टॉक) का समय 53-55 दिन से घटकर 44-46 दिन रह गया जो बेहतर मांग-आपूर्ति अनुशासन का संकेत है। नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रही।

कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी बिक्री रही

विभिन्न श्रेणियों में कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी खरीदारी हुई और नवंबर में भी ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी जारी रही।'' उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में त्योहारों के बाद की पारंपरिक मंदी को दरकिनार कर दिया गया तथा पिछले वर्ष के असामान्य रूप से उच्च तुलनात्मक आधार के बावजूद मजबूत प्रदर्शन किया गया।

ट्रैक्टर पंजीकरण में 57 फीसदी की वृद्धि

उद्योग निकाय ने बताया कि ट्रैक्टर पंजीकरण में पिछले महीने सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह नवंबर 2024 की 80,507 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 1,26,033 इकाई रहा। फाडा ने कहा, '' अगले तीन महीनों में भारत की मोटर वाहन खुदरा बिक्री का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, जिसे जीएसटी 2.0 कर युक्तिकरण, ग्रामीण आर्थिक संकेतकों में सुधार से निरंतर गति का समर्थन प्राप्त है...वहीं 74 प्रतिशत डीलर को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है....''

नए मॉडल की पेशकश में मांग बढ़ने की उम्मीद

उद्योग निकाय ने कहा कि जनवरी में अपेक्षित मूल्य वृद्धि, 2026 में नए मॉडलों की पेशकश और विवाह संबंधी मांग से बिक्री को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही फसल से होनी वाली आय से ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा मांग मजबूत रहने की उम्मीद है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार लुढ़का, 1 दिन में 7.5 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी ▸▸| मुंबई

- सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी 26 हजार के नीचे आया
- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बना दबाव

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से एक ही दिन में निवेशकों के 7.5 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक इस सप्ताह की फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। नायर ने कहा कि मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है।

इन शेयरों में रही गिरावट : सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय गिरावट हुई।

रिलायंस व एचडीएफसी में बढ़त दर्ज : टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

भारत अपने लिए लाभकारी स्रोतों से तेल खरीदने को आजादः रूस

- भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने के नीति पर कायम

एजेंसी ▸▸| मॉस्को

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा। अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, ''भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा।'' वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

भारत पश्चिमी दबाव से घटा रहा आयात

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा, ''प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।''

टोरेंट पावर का एलएनजी खरीदने जेईआरए से करार...

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने जापानी कंपनी जेईआरए से 10 वर्षों के लिए सालाना 2.7 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद का समझौता किया है। गैस आपूर्ति की शुरुआत 2027 से होगी। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि समझौते के तहत जेईआरए से मिलने वाली एलएनजी का रणनीतिक उपयोग टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) के 2,730 मेगावाट क्षमता वाले गैस-आधारित बिजली संयंत्रों (जीबीपीपी) को चलाने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना, व्यस्त समय में समर्थन देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के संतुलन में मदद करना है। यह एलएनजी टोरेंट समूह की शहरी गैस वितरण कंपनी टोरेंट गैस लिमिटेड (टीजीएल) की बढ़ती जरूरतों को भी पूरा करेगा।

भारत की कारों में भी लागू हो जंग-रोधक सुरक्षा उपाय

- निर्यात की जाना वाली कारों में 70 फीसदी ज्यादा परतदार इस्पात

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

कारों के लिए जंग-रोधक उपायों के मामले में घरेलू और निर्यात बाजारों में बराबरी की जरूरत है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। इस समय भारत में जो वाहन निर्यात के लिए बनाए जाते हैं, उन्हें घरेलू बाजार में बेची जाने वाली कारों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत जंग-रोधक सुरक्षा मिलती है। विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में बनी और यूरोप, जापान, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका भेजी जाने वाली कारों में आमतौर पर 70 प्रतिशत या उससे ज्यादा परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और इन पर 6-12 साल की जंगरोध की वारंटी होती है। इसके उलट, भारत में बिकने वाली ज्यादातर कारों में बहुत कम परतदार इस्पात (गैल्वेनाइज्ड स्टील) होता है और लगभग कोई जंगरोध की वारंटी नहीं होती। उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि जंग से देश को हर साल जीडीपी का लगभग पांच प्रतिशत या 100 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होता है।

कमजोर मांग से सोना गिरकर 1,32,600 रुपए प्रति 10 ग्राम

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

स्थानीय बाजारों में कमजोर मांग होने से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 300 रुपये गिरकर 1,32,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। हालांकि, चांदी की कीमतें 1,500 रुपये बढ़कर 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गईं, जो लगातार दूसरे दिन की बढ़त दर्शाता है। पिछले कारोबार सत्र में यह 1,83,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना भाव 0.18 प्रतिशत बढ़कर 4,205.26 डॉलर प्रति औंस हो गया। मिराए एसेट शेयरखान के जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 10 दिसंबर को नीतिगत बैठक के पहले हाजिर सोना में बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव देखा गया। यह लगभग 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,210 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।'

- सोने में आई 300 रुपए की मामूली गिरावट
- चांदी में आई 1500 रुपए की उछाल

वैश्विक बाजार में अनिश्चितता कायम

पीएल वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी इंदरबीर सिंह जॉली ने कहा, ''वैश्विक बाजार की अनिश्चितता के बीच सोना एक महत्वपूर्ण संपत्ति वर्ग के रूप में अपनी जगह मजबूत कर रहा है।'

चीन का व्यापार अधिशेष नवंबर में 1,000 अरब डॉलर के पार

एजेंसी ▸▸| हांगकांग

अक्टूबर माह में आई अप्रत्याशित गिरावट के बाद चीन के निर्यात में नवंबर के दौरान वृद्धि दर्ज की गई जिससे 2025 में उसका व्यापार अधिशेष पहली बार 1,000 अरब डॉलर से अधिक हो गया। सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

चीन के सीमा-शुल्क आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में डॉलर के संदर्भ में चीन का कुल निर्यात सालाना आधार पर 5.9 प्रतिशत और आयात करीब दो प्रतिशत बढ़ा। हालांकि अमेरिका को चीन के निर्यात में एक साल पहले की तुलना में करीब 29 प्रतिशत की गिरावट आई। यह लगातार आठवें महीने दहाई अंकों में गिरावट है। वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका सहित अन्य गंतव्यों को निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई। चीन का निर्यात अक्टूबर में एक प्रतिशत से अधिक गिर गया था। लेकिन नवंबर में इसका प्रदर्शन बेहतर रहा और दुनिया भर में निर्यात 330.3 अरब डॉलर रहा जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से अधिक है। आयात नवंबर में कुल 218.6 अरब डॉलर रहा। फैक्टसेट द्वारा संकलित आधिकारिक व्यापार आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के पहले 11 महीनों के लिए लगभग 1080 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष एक रिकॉर्ड उच्च स्तर है जो 2024 की समान अवधि के 992 अरब डॉलर अधिशेष से अधिक है। आईएनजी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री (वृहत्तर चीन) लिन सोंग ने रिपोर्ट में लिखा, ''संभवतः नवंबर के निर्यात में शुल्क कटौती का असर पूरी तरह नहीं दिखा है। इसका असर आने वाले महीनों में दिखाई देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में हुई बैठक में दोनों देशों के बीच एक साल के लिए व्यापार-युद्ध को रोकने पर सहमति बनी थी।

- अप्रत्याशित गिरावट के बाद निर्यात नवंबर में बढ़ा
- चीन के निर्यात में सालाना आधार पर 5.9 फीसदी की वृद्धि

मार्गन का अनुमान निर्यात में चीन की हिस्सेदारी बढ़ेगी

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि यह निर्धारित करना अब भी जल्दबाजी होगी कि अमेरिका-चीन व्यापार समझौते के बाद बाहरी मांग में वास्तविक उछाल आया है या नहीं। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2030 तक वैश्विक निर्यात में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर 16.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी जो फिलहाल करीब 15 प्रतिशत है।

कंपनी लगातार छठे वर्ष सूची में शीर्ष पर कायम रही

रिलायंस 'विजिकी न्यूजमेकर्स रैंकिंग' में शीर्ष पर

एजेंसी ▸▸| मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक बार फिर भारतीय मीडिया में सबसे अधिक चर्चा में रहने वाली सूचीबद्ध कंपनी बन गई है। एक नवीनतम रिपोर्ट में यह सूची जारी की गई है। 'विजिकी न्यूजमेकर्स 2025 रैंकिंग' के मुताबिक, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक ने मीडिया में दृश्यता के मामले में क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

यह लगातार छठा साल है जब रिलायंस ने इस रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस सूचकांक की शुरुआत से ही रिलायंस शीर्ष स्थान पर काबिज है। विजिकी ने एक बयान में कहा कि रिलायंस का समाचारों में बने रहने का 'स्कोर' पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है। यह 2021 में 84.9 से बढ़कर 2022 में 92.56, 2023 में 96.46, 2024 में 97.43 और 2025 में 97.83 हो गया है।

आकलन के लिए एआई का उपयोग

विजिकी के 'न्यूज स्कोर' को समाचार में किसी कंपनी या ब्रांड की दृश्यता मापने के लिए दुनिया का पहला मानकीकृत मापदंड माना जाता है। चार लाख से अधिक प्रकाशनों में ब्रांड की उपस्थिति का आकलन करने के लिए यह मंच कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग, बिग डेटा और मीडिया एनालिटिक्स का इस्तेमाल करता है।

रिलायंस का निरंतर प्रभुत्व : यह मीडिया में लगातार इसके चर्चा में बने रहने की क्षमता दर्शाता है। कंपनियों एवं ब्रांड की मीडिया में मौजूदगी पर नजर रखने वाली विजिकी की सह-संस्थापक आकृति भार्गव ने कहा कि रिलायंस का निरंतर प्रभुत्व एक 'अनुशासित संचार रणनीति' को दर्शाता है।

1700 से अधिक ब्रांड का किया गया विश्लेषण : वहीं जोमैटो, स्विगी और वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम की मूल कंपनी) जैसी प्रौद्योगिकी-आधारित कंपनियां क्रमशः 11वें, 12वें और 13वें स्थान पर रहीं। वर्ष 2025 न्यूजमेकर्स रिपोर्ट में 1,700 सेअधिक ब्रांड के 30 करोड़ से अधिक 'डेटा पॉइंट्स' का विश्लेषण किया गया है।

शीर्ष 10 में एयरटेल टाटा मोटर्स, टीसीएस भी शामिल

यह 'स्कोर' समाचार कवरेज की कुल मात्रा, शीर्षकों के उल्लेख की आवृत्ति, प्रकाशन स्रोतों की विविधता एवं कुल दर्शकों की पहुंच को ध्यान में रखता है। यह स्कोर शून्य से 100 तक होता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 'स्कोर' 92.81 जबकि एचडीएफसी बैंक का 88.41 रहा। शीर्ष 10 में शामिल कंपनियों में भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी और आईटीसी लिमिटेड भी शामिल हैं।

टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने अमित पासी

एजेंसी ▶▶ बड़ौदा

बड़ौदा से डेब्यू करने वाले विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज अमित पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और नौ छक्कों की मदद से 114 रन की धमाकेदार पारी खेली। इसके साथ वह सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए और वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने से वह सिर्फ 1 रन दूर रह गए।

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बड़ौदा अपनी लीग स्टेज का अंतिम और सातवां मैच खेलने उतरी। कप्तान विष्णु सोलंकी ने 25 रन बनाए, जबकि अंत में भानु पानिया ने 28 रन की पारी खेली। इन पारियों के दम पर बड़ौदा ने 5 विकेट पर 220 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 26 साल के अमित पासी बड़ौदा के लिए अपना पहला मैच खेल रहे थे। नियमित विकेटकीपर जितेश शर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जिसके चलते उन्हें बड़ौदा का कैंप छोड़ना पड़ा। इस कारण अमित पासी को डेब्यू करने का मौका मिला और उन्होंने इसे दोनों हाथों से लपका। अमित पासी अब टी20 क्रिकेट में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले 2015 में बिलाल आसिफ ने फ़ैसलाबाद में स्टैलियंस की ओर से खेलते हुए अपने टी20 डेब्यू में 114 रन बनाए थे। अब अमित पासी ने भी उसी आंकड़े को छू लिया है अगर वो एक रन और बना लेते तो डेब्यू में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड पारी उनके नाम दर्ज हो जाती।

पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और 9 छक्कों से 114 रन ठोके

राजस्थान से जीता झारखंड

ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में झारखंड ने राजस्थान को 36 रन से हरा दिया तो वहीं बंगाल की टीम को हरियाणा के खिलाफ हार मिली। बंगाल ने हरियाणा को 24 रन से हरा दिया। झारखंड की टीम ने 7 में से 7 मैच जीते और अंकतालिका में ग्रुप डी में 28 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा तो वहीं हरियाणा की ये 7 में से 5वीं जीत रही और ये टीम 20 अंक के साथ ग्रुप सी में पहले स्थान पर रहा। झारखंड और राजस्थान के बीच खेले गए मैच में झारखंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 215 रन बनाए और इसके जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 179 के स्कोर पर सिमट गई। झारखंड के लिए ओपनर विराट सिंह ने 36 गेंदों पर 5 छक्के और 4 चौकों के साथ 36 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली तो वहीं कुमार कुशाग्र ने 37 गेंदों पर 55 रन बनाए जबकि रॉबिन मिंज ने 27 गेंदों पर 58 रन बनाए। राजस्थान के लिए करन लांबा ने 52 रन की पारी खेली तो वहीं राजस्थान के खिलाफ झारखंड के लिए सुशांत मिश्रा और अनुकूल रॉय ने 3-3 विकेट झटके।

यूपी को हराकर बिहार ने जीता मुकाबला

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट में आखिरकार बिहार की टीम को 6 मैचों के बाद आखिरी लीग मैच में जीत मिल ही गई। इस मैच में बिहार के स्टार ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी नहीं खेले थे जिनका प्रदर्शन अगर एक शतक को छोड़ दें तो साधारण ही रहा था। बिहार ने अपना आखिरी लीग में इस टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला और इस मुकाबले में यूपी ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 6 विकेट पर 124 रन ही बना पाई। बिहार को जीत के लिए 125 रन का ज्यादा मुश्किल टारगेट नहीं मिला था और इस टीम ने 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 145 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेशक बिहार को इस मैच में जीत मिली, लेकिन ये टीम अगले दौर से पहले ही बाहर हो चुकी है।

विदर्भ ने आंध्र को हराया, यश ठाकुर ने झटके चार विकेट

लखनऊ। विदर्भ ने तेज गेंदबाज यश ठाकुर के चार विकेट की मदद से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अंतिम दौर के मैच में आंध्र को 19 रन से पराजित किया। आंध्र की टीम ग्रुप ए से मुंबई के साथ पहले ही अगले दौर में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी है लेकिन अंतिम मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 154 रन बनाए। इसके जवाब में आंध्र की टीम नौ विकेट पर 135 रन नहीं बना सकी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ठाकुर ने 22 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने पहले मैच में पांच विकेट लिए थे और इस तरह से कुल 18 विकेट लेकर प्रतियोगिता में अपने अभियान का समापन किया। विदर्भ की पारी अमन मोखड़े (50) और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर (41) के इर्द-गिर्द घूमती रहीं।

खबर संक्षेप

शाकिब का कबूलनामा, कहा जानबूझकर की थी चकिंग

लंदन। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने स्वीकार किया कि शारीरिक थकान के कारण उन्हें सरे की तरफ से खेलते हुए इंग्लिश काउंटी मैच के दौरान जानबूझकर चकिंग (गलत एक्शन से गेंदबाजी करना) का सहारा लेना पड़ा। बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से आयोजित की जाने वाली सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया था। पिछले दिसंबर 2024 में लॉफबोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र जांच में शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया गया था। अंपायरों ने टांटन में समरसेट के खिलाफ सरे के प्रथम श्रेणी मैच के दौरान शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर शिकायत की थी।

अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी टीम इंडिया

भारत-द.अफ्रीका के बीच पहला टी20 आज, शुभमन और हार्दिक की वापसी

एजेंसी ▶▶ कटक

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम 9 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है।

विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिए के साथ उतरेगी, जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच 7 फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा।

गिल के कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में गर्दन में अकड़न के कारण बाहर हो जाने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले आईपीएल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण और भारत के आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए उनके कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। लेकिन 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.89 की औसत से 837 रन बनाने वाले गिल के लिए यह श्रृंखला आईसीसी प्रतियोगिता से पहले अच्छी तैयारी करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गिल की वापसी से अभिषेक शर्मा के साथ उनकी मजबूत सलामी जोड़ी बनेगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

भारत-अफ्रीका टी20 मैचों के टॉप 5 बैटर्स

डेविड मिलर	524 रन
रोहित शर्मा	429 रन
विराट कोहली	394 रन
सूर्यकुमार यादव	372 रन
क्विंटन डिकॉक	351 रन

भारत ने टी20 में किया दमदार प्रदर्शन

पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है, जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है।

जीत के बाद टीम इंडिया को मिली सजा रायपुर वनडे में कर बैठी ब्लंडर

एजेंसी ▶▶ दुबई

साउथ अफ्रीका के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम पर जुर्माना लगा है। रायपुर में 3 दिसंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में धीमे ओवर-रेट के लिए टीम इंडिया पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, खिलाड़ियों और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनकी टीम की ओर से निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने टाइम अलाउंस को ध्यान में रखते हुए टारगेट से दो ओवर कम फेंके, जिसके बाद आईसीसी एलीट पैनल के मेंबर रिची रिचर्डसन ने यह सजा सुनाई। केएल राहुल ने गलती स्वीकार करते हुए प्रस्तावित सजा पर सहमति जताई, जिससे आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर रोड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगास्की और चौथे अंपायर जयरमन मदनगोपाल ने आरोप लगाए थे।

भारत की दमदार वापसी : वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (चिली)। क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। चिली के सैंटियागो में खेले गए मैच में भारत की ओर से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए। वेल्स के लिए एलोइस मोट (52वें) ने गोल किया।

*Terms and Conditions applied *Above all schemes of ₹90000 saving, ₹5000 cashback, ₹2000 Cash discount, ₹2000 Exchange bonus,₹4999 down payment are at the sole discretion of the dealers. Above schemes are valid for December' 2025 month only & can be withdrawn at any time without prior notice. Above Ex-showroom price is mentioned for Standard model. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of the standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

होंडा अधिकृत विक्रेता : **रायपुर :** ए सिटी होंडा - 9785823333, ग्रैंड होंडा - 0771-4033794, वरूण होंडा - 0771-4005901, जी.के. होंडा - 8058254444, **आरंग:** वी श्री होंडा - 9893728947, **भिलाई:** आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, 9584378238, जुनवानी रोड (फरीद नगर मैदान के सामने) - 6269092899, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) - 6269090005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, कोहका (रूंगटा रोड) 6269090004, नेहरू नगर (नेहरू नगर चौक) 8518020999, **दुर्ग:** श्री सांईराम होंडा (स्टेशन रोड) - 0788-4017246, 8458882333, रिसाली (कृष्णा टाकीज रोड) - 0788-4067690, 8823050333, बोरसी (एसबीआई बैंक के पास) - 0788-4058968, 8823050444, **राजनांदगांव:** अंशदीप होंडा - 07744-223100, मनराज होंडा - 07744-223333, **महासमुंद:** श्री आर्यन होंडा - 9425204997, **दल्लीराजहरा:** श्री शुभ होंडा - 7587764225, 9406082344, बालोद (गंजपारा)- 9425564232, **बलौदा बाजार:** किरण होंडा - 7049518181, **कवर्धा:** प्रथा होंडा- 7400550099, **बेमेतरा :** श्री रामा होंडा - 7824222521, **धमतरी:** श्री श्याम होंडा- 07722-233255, **जगदलपुर:** वाहेगुरू होंडा - 8435090001, **कोंडागांव:** दंतेश्वरी होंडा- 8517909999, **कांकेर :** शिवनाथ होंडा - 9644059600, 8720008800, 7970005301 For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com Embassy

इस देश में चलती हैं सफेद कारें, चाहकर भी दूसरा रंग नहीं खरीद सकते लोग

अश्गाबात। दुनिया में ऐसे कई देश हैं जिनकी पहचान सिर्फ उनकी संस्कृति या प्राकृतिक सुंदरता से नहीं होती, बल्कि उनके अनोखे कानूनों से भी बनती है। हर देश अपने नागरिकों से कुछ खास नियमों का पालन करवाता है, लेकिन कुछ जगहों के नियम इतने अलग हैं कि सुनकर ही हैरानी होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही देश के बारे में बता रहे हैं जहां कार खरीदने से पहले उसका रंग सोचना पड़ता है, क्योंकि यहां सिर्फ सफेद रंग की कारें ही सड़कों पर चल सकती हैं। इस देश की राजधानी को दुनिया में सफेद संगमरमर का शहर कहा जाता है। कारण है, यहां की इमारतों, फुटपाथों और सरकारी कार्यालयों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक लगभग हर निर्माण में चमकदार सफेद संगमरमर का उपयोग किया गया है। सूरज की रोशनी इन पत्थरों पर पड़ते ही पूरी जगह उजली दिखाई देती है। दिन हो या शाम, यह शहर रोशनी से दमकता नजर आता है।

शहर के नाम है वर्ल्ड रिकॉर्ड

यह जगह सिर्फ सुंदरता ही नहीं बल्कि खर्च के मामले में भी दुनिया के महंगे शहरों में गिनी जाती है। सफेद संगमरमर की भारी मात्रा ने यहां की पहचान पूरी तरह बदल दी है। यही वजह है कि इस शहर को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह मिली. कहा जाता है कि दुनिया में कहीं भी इतनी ज्यादा संगमरमर वाली इमारतें एक ही शहर में नहीं दिखाई देतीं. साल 2000 के बाद यहां बड़े पैमाने पर विकास कार्य शुरू हुए. इस पुनर्निर्माण अभियान में लगभग 550 से अधिक नई संगमरमर की इमारतें बनाई गईं. इन इमारतों के बीच चलते हुए ऐसा लगता है जैसे पूरा शहर किसी विशेष विषय पर बनाया गया हो. सफेद पत्थरों की चमक इतनी अधिक है कि यहां रहने वालों को अक्सर धूप का चश्मा पहनना पड़ता है।

2018 में बना ये नियम

अब आते हैं सबसे दिलचस्प नियम पर। यह अनोखा देश है तुर्कमेनिस्तान और इसके राजधानी शहर अश्गाबात में 2018 में एक ऐसा नियम लागू किया गया, जिसके अनुसार सिर्फ सफेद या सफेद जैसे हल्के रंगों की कारें ही सड़क पर चल सकती हैं। इस नियम की शुरुआत तुर्कमेनिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्दीमुहामेदोव ने की। कहा जाता है कि उन्हें सफेद रंग से खास लगाव था। कुछ लोग इसे उनके पूर्व पेशे यानी डेंटिस्ट होने से भी जोड़कर देखते हैं, जहां सफेदी की विशेष महत्ता होती है। राष्ट्रपति की यह व्यक्तिगत पसंद धीरे धीरे शहर के नियम में बदल गई और फिर इसने पूरी राजधानी का स्वरूप प्रभावित किया।

नियम ने शहर को बनाया सुंदर

दिलचस्प बात यह है कि यहां का रंग नियम सिर्फ वाहनों तक सीमित नहीं है। शहर के डिजाइन, सजावट, सरकारी विज्ञापन और सार्वजनिक कला में भी वही सफेद सौंदर्य बनाए रखना जरूरी है। कई देशों में वास्तुकला अलग अलग शैलियों का मिश्रण होती है, लेकिन अश्गाबात को देखकर ऐसा लगता है, जैसे किसी ने पूरे शहर को एक ही थीम पर तैयार किया हो. यहां के सरकारी भवन, मॉल, होटल, पार्क और यहां तक कि उनके अंदर की सजावट भी सफेद रंग को ही प्राथमिकता देती है।

शहर की शैली और सोच का प्रतीक

इस शहर में घूमते हुए आंखें जहां भी जाएं, सफेदी ही नजर आती है। यही वजह है कि यहां की खूबसूरती अपने आप में अद्वितीय लगती है। पर्यटक यहां सिर्फ घूमने नहीं आते, बल्कि इस शहर की असाधारण वास्तुकला और अनोखे नियमों को देखने भी आते हैं। तुर्कमेनिस्तान का यह सफेद शहर दुनिया को यह दिखाता है कि कानून सिर्फ व्यवस्था के लिए नहीं बनते, कभी कभी नियम किसी जगह की पहचान भी बन जाते हैं। यहां सफेद रंग सिर्फ एक रंग नहीं, बल्कि इस शहर की शैली और सोच का प्रतीक बन चुका है।

रोचक खबरें

मलावाड़ी गांव की 'राधा' बनी दुनिया की सबसे छोटी भैंस

मुंबई। महाराष्ट्र के मलावाड़ी गांव की शांत गलियों में इन दिनों एक खास मेहमान सबका ध्यान खींच रही है। इस छोटी-सी भैंस का नाम है राधा, जो अब दुनिया की सबसे छोटी भैंस के तौर पर मशहूर हो चुकी है। लोग दूर-दूर से उसे देखने आ रहे हैं और गांव में खुशी का माहौल बना हुआ है। राधा की ऊंचाई सिर्फ 2 फीट 8 इंच है। वह त्रिंबक बोराटे के फार्म पर रहती है और मुर्रा हाइब्रिड नस्ल की भैंस है। आम भैंसें जहां 8 से 9 फीट लंबी होती हैं, वहीं राधा उनसे काफी छोटी है। त्रिंबक बोराटे के बेटे अनिकेत एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर चुके हैं, वह राधा को फार्म शो में लेकर गए थे। राधा ने पहली बार 21 दिसंबर को एक इवेंट में हिस्सा लिया और अब तक वह 13 से ज्यादा एग्जिबिशन में जा चुकी है। उसकी क्यूटनेस और शांत स्वभाव ने लोगों का दिल जीत लिया। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में राधा का नाम दर्ज होने के बाद उसका परिवार बहुत खुश है। अनिकेत का कहना है कि अब राधा इंटरनेशनल लेवल पर भारत का नाम रोशन करेगी और दुनिया भर में लोगों का दिल जीतेगी। दुनिया के सबसे लंबे भैंसे की बात करें तो, थाईलैंड की मशहूर भैंस किंग कांग की ऊंचाई 6 फीट से ज्यादा है। राधा उससे लगभग 4 फीट छोटी है, लेकिन पॉपुलैरिटी में किसी से कम नहीं है।

शांत ज्वालामुखी के नीचे छिपा है अकूत लिथियम, अमेरिका के अब मजे ही मजे

न्यूयार्क। हाल में ही अमेरिका के सुपरज्वालामुखी के नीचे दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार मिला है, जिसकी कीमत $1.5 ट्रिलियन बताई जा रही है। नेवादा-ओरेगॉन सीमा पर स्थित एक प्राचीन सुपरज्वालामुखी द्वारा निर्मित शांत बेसिन मैकडरमिट काल्डेरा, अब ऊर्जा बाजार के लिए एक नया केंद्र बन चुका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार छिपा है, जिसे थैकर पास नाम दिया गया है। लिथियम वह प्रमुख तत्व है जिसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कारों, स्मार्टफोन में किया जाता है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस भंडार में 20 से 40 मिलियन मीट्रिक टन लिथियम हो सकता है। यह मात्रा बोलिविया के साला डी यूनुई के भंडार से दोगुनी हो सकती है। यदि यह सफलतापूर्वक निकाला गया तो अमेरिका स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में एक जरूरी खिलाड़ी बन जाएगा। यह विशाल काल्डेरा 16 मिलियन वर्ष पहले एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट से बना था। हाल के शोध से पता चला है कि विस्फोट के बाद हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थों ने मैग्नीशियम से भरपूर क्ले को इलाइट नामक एक विशेष क्ले में बदल दिया था। थैकर पास में इस इलाइट क्ले में लिथियम की सांद्रता बहुत अधिक है। कुछ जोन में यह वजन के हिसाब से 2.4% तक है, जबकि सामान्य लिथियम क्ले डिपॉजिट में यह 1% से भी कम होती है।

शख्स ने बना डाली ऐसी कलाकृति जिसे इंसानी आंखों से देखना असंभव!

लंदन। बड़े चित्र या कलाकृतियां बनाना तो आसान है, मगर जब उनका साइज छोटा हो तो निर्माण मुश्किल हो जाता है क्योंकि डिजाइन करने की स्पेस बेहद कम हो जाती है। मगर एक शख्स ने तो कमाल ही कर दिया। उसने ऐसी कलाकृति बना डाली जो इतनी छोटी है कि उसे इंसानी आंखों से नहीं देखा जा सकता। उसने 6 हफ्तों की मेहनत से सफलता हासिल की है। ब्रिटेन के एक कलाकार ने दुनिया की सबसे छोटी मूर्ति बनाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 56 वर्षीय डेविड ए. लिंडन ने 'द येलो स्माइली फेस' नाम की यह छोटी सी कलाकृति तैयार की है, जिसकी लंबाई मात्र 11.037 माइक्रोन और चौड़ाई 12.330 माइक्रोन है। यह आकार इतना सूक्ष्म है कि इसे सीधे आंखों से देख पाना असंभव है। डेविड इससे पहले भी सबसे छोटी हस्तनिर्मित मूर्ति बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उनकी पिछली रचना 'द लेगो ब्रिक' का आकार 0.02517 मिमी × 0.02184 मिमी था। इस बार उन्होंने उससे भी आधा आकार बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया

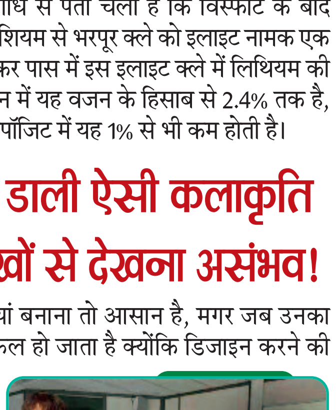

रोबोट की मदद लेने को मजबूर हुई सरकार

जापान में याददाश्त खोते लोगों से खड़ा हो रहा है महासंकट

टोक्यो। जापान में डिमेंशिया (स्मृतिभ्रंश यानी याददाश्त खो देना) एक बड़ा संकट बनता जा रहा है। जापान में पिछले साल, 2024 में डिमेंशिया से पीड़ित करीब 18,000 बुजुर्ग अपने घर का रास्ता भूलकर भटक गए। इनमें से 500 की लाश बाद में लावारिस हालत में बरामद हुई। जापानी अधिकारियों का कहना है कि 2012 के बाद से यानी बीते 12 साल में ऐसे मामलों की संख्या दोगुनी हो गई हैं। ऐसे में जापान की सरकार डिमेंशिया को बड़ी चुनौती की तरह देख रही है। सरकार ने इससे निपटने के लिए अब तकनीक का सहारा लेने का फैसला लिया है।

जापान सरकार की बढ़ी चिंता

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जापान की सरकार ने डिमेंशिया को अपनी सबसे जरूरी नीतियों में से एक माना है। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय का अनुमान है कि साल 2030 तक डिमेंशिया से जुड़ी स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल पर होने वाला खर्च बढ़कर 14 ट्रिलियन येन (90 अरब डॉलर) हो जाएगा। फिलहाल यह खर्च 9 ट्रिलियन येन है। जापान में उन लोगों को ट्रैक करने के लिए जीपीएस आधारित सिस्टम अपनाया जा रहा है, जो भटक जाते हैं। कई इलाकों में पहनने योग्य जीपीएस टैग दिए जा रहे हैं। ये टैग तुरंत अधिकारियों को सूचित कर देते हैं, अगर कोई व्यक्ति तय की गई जगह से बाहर जाता है। यह एक तरह का सामुदायिक सुरक्षा जाल है, जो कुछ ही घंटों में लापता व्यक्ति का पता लगा सकता है।

डिमेंशिया से निपटेंगी तकनीक!

डिमेंशिया का जल्दी पता लगाने के लिए भी नई तकनीकें विकसित की जा रही हैं। फुजित्सु का एआई सिस्टम कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता डिमेंशिया के शुरुआती लक्षणों- चलते समय पैर घसीटना या खड़े होने में कठिनाई का पता लगा सकता है। फुजित्सु के प्रवक्ता हिडेनोरि फुजिवारा का कहना है कि उम्र से जुड़ी बीमारियों का जल्दी पता लगाना जरूरी है, ताकि डॉक्टर हस्तक्षेप कर सकें। वासेडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता एआईआरईसी नाम का एक रोबोट विकसित कर रहे हैं। यह 150 किलोग्राम का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है, जिसे भविष्य का देखभाल सहायक माना जा रहा है। यह रोबोट मोजे पहनने और अंडे फेंटने से लेकर कपड़े तह करने जैसे काम करेगा। वासेडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि भविष्य में एआईआरईसी बड़ा मददगार होगा।

इंसान की जगह लेना मुश्किल

एक्सपर्ट का कहना है कि डिवाइस और रोबोट सहायता के नए तरीके प्रदान करते हैं। इससे जापान जैसे देश में उम्मीद बंधती है, जहां पहले ही बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए जवान आबादी कम है। हालांकि, इन तकनीकों के जरिए मानवीय जुड़ाव को नहीं बदला जा सकता है। वासेडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक मियाके कहते हैं, 'रोबोट को इंसानी देखभाल करने वालों का स्थान नहीं लेना चाहिए, सिर्फ उनकी मदद करनी चाहिए। हालांकि, वे कुछ काम संभाल सकते हैं। ऐसे में उनकी मुख्य भूमिका देखभाल करने वालों और मरीजों दोनों की सहायता करना ही है।

वैज्ञानिक भी नहीं कर पाए यकीन

अरबों साल से जमीन में सोया था आर्थ्रोपोड, सही-सलामत निकले सारे अंग

बीजिंग। दुनिया में हर दिन ऐसी खोज होती हैं, जो वैज्ञानिकों को हैरान कर देती हैं। अब वैज्ञानिकों ने 520 मिलियन साल पुराना जीवाश्म मिला है और उसके अंदरुनी अंग एकदम ठीक हैं। अब वैज्ञानिक 'आर्थ्रोपोड' के पूर्वजों के बारे में और ज्यादा जानकारी हासिल कर पाएंगे। आर्थ्रोपोड यानी जंतु जगत का सबसे बड़ा संघ। इसमें केकड़े, झींगे, कीड़े, मकड़ियां और बिच्छू जैसे जीव शामिल हैं। जोड़ों वाले पैरों और काइटिन के बने बाह्यकंकाल से इनकी पहचान की जाती है।

यूटी युआनशी है नए जीवाश्म का नाम

डरहम यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने चीन में यह खोज की और अपनी खोजों को नेचर जर्नल में पब्लिश किया। इस जीवाश्म का नाम यूटी युआनशी रखा गया है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह जीवाश्म एक लार्वा से जुड़ा है और यह बेहद छोटा है। इसकी स्कैनिंग के लिए एक जटिल टेक्नोलॉजी की जरूरत है। टीम ने यूटी युआनशी को स्कैन करने के लिए एडवांस्ड स्कैनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक प्रेस रिलीज में बताया कि दिमाग के छोटे हिस्सों, पाचन ग्रंथियों, एक पुराने सर्कुलेटरी सिस्टम और यहां तक कि लार्वा के साधारण पैरों और आंखों को सप्लाई करने वाली नसों के निशान की 3डी इमेजिंग की गई। इस स्टडी को लीड करने वाले डरहम यूनिवर्सिटी के डॉ. मार्टिन स्मिथ ने जीवाश्म की खोज को लेकर कहा कि इसका उन्होंने लंबे वक्त से ख्वाब देखा था। यह जीवाश्म फिलहाल चीन की युन्नान यूनिवर्सिटी में है।

वैज्ञानिक बोले- इस दिन के सपने देखते थे

स्मिथ ने कहा, 'जब मैं उस फॉसिल के बारे में दिन में सपने देखता था जिसे मैं सबसे ज्यादा खोजना चाहता था, तो मैं हमेशा एक आर्थ्रोपॉड लार्वा के बारे में सोचता था, क्योंकि डेवलपमेंटल डेटा उनके एवोल्यूशन को समझने के लिए बहुत जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा कि लार्वा बहुत नाजुक होते हैं, इसलिए माना जाता था कि इसका फॉसिल मिलना लगभग नामुमकिन है। लेकिन, जब टीम को यह सैंपल मिला, तो वे हैरान रह गए क्योंकि उन्हें न सिर्फ एक फॉसिल लार्वा मिला था, बल्कि उसके अंग भी पूरी तरह से सही-सलामत थे।

क्वांटम की सबसे बड़ी मिस्ट्री सॉल्व! 100 साल बाद गलत साबित हुए आइंस्टीन

बीजिंग। चीनी वैज्ञानिकों की एक टीम ने करीब 100 साल पहले अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा दिए गए एक मशहूर एक्सपेरिमेंट को फिर से किया है। इस प्रयोग से क्वांटम यांत्रिकी का एक जरूरी सिद्धांत सही साबित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनके इस प्रयोग से पता चला कि किसी कण का रास्ता और उसका तरंग जैसा व्यवहार, इन दोनों को एक साथ नहीं देखा जा सकता. यह बात क्वांटम चीजों की प्रकृति के बारे में नील्स बोहर के विचार को सही साबित करती है।

चीनी वैज्ञानिकों की रिपोर्ट

कैसे की गई ये स्टडी?

टीम ने बहुत ही संवेदनशील उपकरण बनाए जो एक अकेले फोटॉन की छोटी सी हरकत का भी पता लगा सकते थे। जब उन्होंने कण का रास्ता मापने की कोशिश की तो व्यतिकरण पैटर्न खत्म हो गया। जब वे व्यतिकरण पैटर्न को देखते हैं तो पार्टिकल्स का रास्ता पता लगाना नामुमकिन हो जाता है।

क्या था आइंस्टीन का विचार?

अल्बर्ट आइंस्टीन ने सोचने वाला एक्सपेरिमेंट सुझाया था. यह डबल स्लिट प्रयोग का ही बदला हुआ रूप था, जिसका मकसद यह दिखाना था कि कण और तरंग दोनों गुणों को एक साथ मापना शायद संभव है। अगर यह सच हो जाता तो बोहर का सिद्धांत गलत साबित हो जाता। कई दशकों तक आइंस्टीन की यह चुनौती सिर्फ कागजों तक सीमित थी। लेकिन, अब प्रोफेसर पान जियानवेई के नेतृत्व में चीन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की टीम ने इसे असली प्रयोग में बदला।

क्या थी ये थ्योरी? 1927 में ब्रुसेल्स में हुए एक सम्मेलन में भौतिक वैज्ञानिकों ने क्वांटम यांत्रिकी की नींव पर बहस शुरू की थी। आइंस्टीन इस सिद्धांत पर शक करते थे और उन्होंने बौहर के पूरकता के सिद्धांत को चुनौती देने की कोशिश की थी। बोहर के मुताबिक, फोटॉन जैसे क्वांटम कण एक ही समय में कण और तरंग दोनों की तरह व्यवहार कर सकते हैं।

गर्भ में लीवर से चिपकी थी बच्ची सर्जरी से बचाई मां-बेटी की जान!

लीमा। मेडिकल साइंस ने लगातार प्रगति की है, लेकिन आज भी कुछ मामले ऐसे सामने आते हैं जो डॉक्टरों को हैरान कर देते हैं। ये दुर्लभ घटनाएं चिकित्सा जगत के लिए चुनौती और प्रेरणा दोनों होती हैं। ऐसा ही एक अत्यंत दुर्लभ चमत्कार हाल ही में सामने आया, जहां पेरू की रहने वाली महिला ने एक ऐसी स्वस्थ बच्ची को जन्म देकर डॉक्टरों को चौंका दिया, जो उसके गर्भाशय की जगह लिवर से चिपकी हुई थी। बच्ची का निषेचित अंडा गर्भाशय के बजाय मां के लिवर से जुड़ गया था। इस दुर्लभ कंडिशन को हेपेटिक एक्टोपिक प्रेग्नेंसी कहा जाता है। ऐसी प्रेग्नेंसी तब होती है, जब निषेचित अंडा गर्भाशय के बजाय लिवर में प्रत्यारोपित हो जाता है। हालांकि, इस स्थिति में गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ-साथ उसकी मां के जान को भी खतरा होता है। लेकिन, इस मामले में दोनों बिल्कुल सुरक्षित हैं।

बता दें कि लिवर शरीर का एक ऐसा अंग है, जिसमें रक्त की प्रचुर आपूर्ति होती है। इस कारण से इस स्थिति से अक्सर गंभीर आंतरिक रक्तस्राव होता है, जिससे मां और बच्चे दोनों के लिए मृत्यु दर का खतरा बहुत अधिक होता है। पेरू के लीमा के पास सैन मार्टिन डी पोरेस में कैयेटानो हेरेडिया नेशनल हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने इसे 'चमत्कार' बताया है।

दुनिया का सबसे रहस्यमयी समुद्र, जिसमें नहीं डूब सकता कोई

नई दिल्ली। धरती की सतह का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा पानी से ढका है। इसके कारण धरती को नीला ग्रह भी कहा जाता है। इसका अधिकतर हिस्सा करीब 97 प्रतिशत महासागरों में खारे पानी के रूप में मौजूद है। सिर्फ तीन फीसदी पानी मीठा है और उसमें से भी ज्यादातर ग्लेशियरों में जमा है। बहुत कम पानी का मात्रा नदियों, झीलों और भूजल में पीने योग्य है। आज हम आपको धरती पर सबसे ज्यादा नमकीन माने जाने वाले समुद्र के बारे में बताएंगे।

समुद्री जल से 10 गुना नमकीन

दुनिया का सबसे खारा यानी सबसे नमकीन समुद्र मृत सागर को माना जाता है। इसमें 34 फीसदी नमक सांद्रता ज्यादा होने की वजह से ही इसे यह नाम दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, यह सामान्य समुद्री जल से करीब दस गुना ज्यादा नमकीन है। मृत सागर की कोई निकासी नहीं है, जिसके कारण बहता पानी कभी बाहर नहीं निकलता है। इससे हजारों वर्षों से खनिजों का निक्षेपण हो रहा है।

कहां है सबसे खारा समुद्र : दुनिया का सबसे नमकीन समुद्र मृत सागर पूर्व में जॉर्डन और पश्चिम में इजराइल तथा फिलिस्तीन के बीच स्थित है। यह समुद्र तल से करीब 430 मीटर नीचे है। लाखों साल पहले टेक्टॉनिक परिवर्तनों से इस सागर का निर्माण हुआ है और इसका लंबा इतिहास है। कई प्राचीन ग्रंथों और सभ्यताओं में इसका इतिहास दर्ज है। उच्च तापमान वाले मरुस्थलीय क्षेत्र में मृत सागर स्थित है, जिसकी वजह से पूरे साल भारी वाष्पीकरण होता है।

क्या जीवों की हो सकती है मौत?

मृत सागर की लवणता धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। सिर्फ एक जॉर्डन नदी ऐसी है, जिसका एक निश्चित मात्रा में ताजा पानी इसमें मिलता है। इसके कारण समय के साथ नमक जमा होता जाता है। मृत सागर की नमकीन पानी ज्यादातर समुद्री जीवों के लिए रहने लायक नहीं है। मछली, पौधे और शैवाल ऐसी कठोर परिस्थितियों में जिंदा नहीं रह सकते। इस समुद्र की लवणता कोशिकाओं की नमी को सोख लेती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com